आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

तरुण छत्तीसगढ़

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in
Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर,शनिवार 28 मार्च 2026 ■ चैत्र शुक्ल पक्ष-10 ■ वर्ष -41 ■ अंक-354 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 29 मार्च 2026 ■ मूल्य-2.00 रुपये

प्रदेश में पेट्रोलियम शॉर्टेज की स्थिति नहीं

पश्चिम एशिया संकट के बीच सीएम साय ने अधिकारियों को दिए जरूरी निर्देश

रायपुर,28 मार्च ■ तरुण छत्तीसगढ़

पश्चिम एशिया की परिस्थितियों के मद्देनजर आज निवास कार्यालय में प्रदेश के उच्च अधिकारियों, कमिश्नर, आईजी एवं जिला कलेक्टरों के साथ पेट्रोलियम उत्पादों, एलपीजी और आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता व आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा बैठक की। छत्तीसगढ़ में आवश्यक वस्तुओं, पेट्रोलियम उत्पादों और रसोई गैस की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। आपूर्ति पूरी तरह सुचारु एवं सामान्य है और इसमें किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। अधिकारियों को रसोई गैस व पेट्रोलियम उत्पादों के स्टॉक एवं सप्लाई की सतत मॉनिटरिंग तथा जमाखोरी व मुनाफाखोरी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। राज्य के प्रत्येक नागरिक तक समय पर सेवाएं पहुंचाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रदेशवासियों को किसी भी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। पश्चिम एशिया में संकट के बीच मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए प्रदेश के तमाम आला अधिकारियों के साथ पेट्रोलियम कंपनी के अधिकारियों के साथ बैठक की. सीएम साय ने बताया कि अफसरों को जरूरी निर्देश दिए गए हैं. अफवाहों को रोकना है. प्रदेश में कहीं भी पेट्रोलियम पदार्थों की कहीं शॉर्टेज जैसी स्थिति नहीं है. मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इसके साथ नक्सलवाद को लेकर मीडिया से चर्चा में कहा कि नक्सलमुक्त भारत का संकल्प पूर्ण होने जा रहा है. देश के लिए ऐतिहासिक क्षण है.

लोकसभा में 30 मार्च को चर्चा होगी. गृहमंत्री अमित शाह देश को विस्तृत जानकारी देंगे. मुख्यमंत्री साय के साथ हुई बैठक में बैठक में मुख्य सचिव विकास शील, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. बसवराजु एस, कृषि उत्पादन आयुक्त शहला निगार, ऊर्जा विभाग के सचिव डॉ. रोहित यादव, खाद्य विभाग की सचिव रीना बाबा साहेब कंगाले, उद्योग विभाग के सचिव रजत कुमार सहित आईओसीएल, बीपीसीएल, एचपीसीएल के पेट्रोल-डीजल, और गैस डिवीजन के अधिकारी मौजूद रहे.

ममता सरकार के खिलाफ अमित शाह ने जारी की चार्जशीट

कोलकाता,28 मार्च। अमित शाह ने बंगाल में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि ममता जी से कहना चाहता हूं, जितना रोना है, रो-धो लो हम चुन-चुनकर एक-एक घुसपैठिए को न सिर्फ मतदाता सूची से निकालेंगे, बल्कि देश से बाहर भी करेंगे। बंगाल में चुनाव की घोषणा हो चुकी है। हमारे प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में सभी भाजपा कार्यकर्ता भाजपा सरकार बनाने के संकल्प के साथ बंगाल में उतरे हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से भी बंगाल का यह चुनाव बेहद महत्वपूर्ण है। पूरे पूर्वी क्षेत्र की सुरक्षा बंगाल से जुड़ी हुई है। असम में भाजपा सरकार बनने के बाद घुसपैठ लगभग खत्म हो गई है। अब घुसपैठियों के पूरे देश में प्रवेश करने का सिर्फ एक ही रास्ता बचा है, और वह है बंगाल। बंगाल में चुनाव की घोषणा हो चुकी है। भाजपा के सभी कार्यकर्ता हमारे प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में बंगाल में भाजपा की सरकार बनाने के लिए बड़े आत्मविश्वास के साथ चुनावी मैदान में उतरे हैं। हमारे विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी जी ने भी चुनाव से पहले ही पूरे बंगाल का दौरा कर, बंगाल में फैली अव्यवस्था, अराजकता, आर्थिक बदहाली और विशेषकर घुसपैठ के मुद्दे को जन-जन तक पहुंचाने का काम किया। आगामी चुनावों में बंगाल को डर और भरोसे में से किसी एक को चुनना होगा। पिछले 15 वर्षों से डर और भ्रष्टाचार की राजनीति चल रही है। ममता बनर्जी ने झूठ और हिंसा का इस्तेमाल करके राजनीति का एक नया तरीका विकसित किया है।

दो बाइक में जोरदार टक्कर, 2 की मौत

जांजगीर-चाम्पा,28 मार्च। शिवरीनारायण क्षेत्र के दुरपा गांव के दो बाइक में जोरदार टक्कर हो गई और दोनों बाइक चालक की मौत हो गई है. हादसे में दोनों बाइक सवार 2 बच्चों को मामूली चोट आई है. मामले में पुलिस जांच कर रही है. पुलिस के मुताबिक, सक्ती जिले के हसौद क्षेत्र के हरेठी गांव का मनोज केंवट, एक बच्चे के साथ बाइक से जा रहे थे, वहीं बिर्रा के नकटीडीह गांव से युवक पीयूष टार्जन, एक बच्चे के साथ बाइक से शिवरीनारायण आया था. यहां दुरपा गांव में दोनों बाइक में टक्कर हो गई. हादसे में दोनों बाइक चालक मनोज केंवट और पीयूष टार्जन की मौत हो गई. मामूली रुप से घायल दोनों बच्चों का अस्पताल में इलाज किया गया है. मामले में शिवरीनारायण पुलिस द्वारा जांच की जा रही है.

नेपाल का भारत को धन्यवाद

काठमांडू,28 मार्च। नेपाल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने अक्तूबर 2025 के बाद अपना पहला पोस्ट किया है। इस पहले पोस्ट में नेपाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया है। साथ ही भारत के साथ संबंधों को मजबूत करने की उत्सुकता जाहिर की है। नेपाल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने अपने एक्स पर लिखा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, आपके स्नेही शब्दों और हार्दिक शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। मैं हमारे दोनों देशों के बीच बहुआयामी संबंधों को आगे बढ़ाने और अपने लोगों की समृद्धि के लिए आपके साथ निकटता से काम करने के लिए उत्सुक हूं।" इससे पहले पीएम नरेंद्र मोदी ने नेपाल के नए प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह को जीत की बधाई दी थी और भारत-नेपाल के संबंधों को मजबूत करने व सहयोग को बढ़ाने की इच्छा जाहिर की थी। उन्होंने एक्स पर लिखा था, "नेपाल के प्रधानमंत्री पद की शपथ ग्रहण करने पर श्री बालेंद्र शाह जी को हार्दिक बधाई। आपकी नियुक्ति नेपाल के लोगों द्वारा आपके नेतृत्व में रखे गए विश्वास को दर्शाती है। मैं भारत-नेपाल के मित्रता और सहयोग को और नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए आपके साथ निकटता से काम करने के लिए उत्सुक हूँ, ताकि हमारे दोनों देशों के लोगों को लाभ मिल सके।"

पूर्व उप मुख्यमंत्री कंवर के बेटे-बहू और पोती की हत्या के मामले में दो आरोपियों की सजा बराकरार

बिलासपुर,28 मार्च। पूर्व उप मुख्यमंत्री प्यारे लाल कंवर के बेटे, बहू और चार साल की पोती की हत्या के मामले में हाई कोर्ट का फैसला आया है. निचली अदालत ने पांचों आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई थी, जिसमें से हाई कोर्ट ने दो की सजा को बरकरार रखते हुए तीन आरोपियों को बरी किया है. दिग्विजय सिंह की सरकार में पूर्व उप मुख्यमंत्री प्यारे लाल कंवर के बेटे हरीश कंवर, बहू सुमित्रा कंवर और चार वर्षीय पोती याशिका कंवर की भैसमा गांव स्थित निवास में 21 अप्रैल, 2021 को निर्मम हत्या कर दी गई थी. जांच में पारिवारिक जमीन के मुआवजे को लेकर प्यारेलाल के बड़े बेटे हरभजन सिंह कंवर, हरभजन की पत्नी धनकुंवर, धनकुंवर के भाई परमेश्वर कंवर और सुरेंद्र कंवर तथा परमेश्वर के दोस्त रामप्रसाद मन्नेवार पर हत्या का आरोप लगा था. मामले की सुनवाई करते हुए कोरबा की निचली अदालत ने पांचों आरोपियों को आजीवन कारवास की सजा सुनाई थी. निचली अदालत के फैसले के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करने के बाद अब हाई कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए दो की उम्र कैद की सजा को बरकरार रखा है.

एक्साइज ड्यूटी कमी पर सभी मंत्री मेंढक की तरह बाहर निकलकर दे रहे बधाई

पेट्रोल-डीजल के दाम जस के तस: बैज

■ तरुण छत्तीसगढ़

रायपुर,28 मार्च। पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी कम करने पर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने भाजपा सरकार पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि सभी मंत्री बरसाती मेंढक की तरह बाहर निकलकर एक्साइज ड्यूटी कम करने की बधाई दे रहे हैं, लेकिन एक्साइज ड्यूटी कम करने से क्या पेट्रोल और डीजल की कीमत कम हुई ? इससे केवल तेल कंपनियों को फायदा होगा। आज भी उसी रेट पर पेट्रोल और डीजल मिल रहा है। एक्साइज ड्यूटी कम करने से जनता को इसका फायदा नहीं मिल रहा। आबकारी विभाग में मैन पावर सप्लाई को लेकर बैज ने कहा, सरकार अपने नेताओं को फायदा पहुंचा रही। आबकारी विभाग में राष्ट्रीय सचिव के एक मालिक की दो कंपनी को काम दिया है। यह गलत है, अपने राष्ट्रीय सचिव अपने मालिक को फायदा पहुंचाने का काम सरकार कर रही। क्या इसकी जांच होगी? राष्ट्रीय नेता को फायदा पहुंचाना, आबकारी मंत्री को नैतिक जिम्मेदारी लेना चाहिए। अफीम और गांजे की खेती को लेकर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा, छत्तीसगढ़ में बीजेपी सरकार के संरक्षण में अफीम और गांजे की खेती हो रही है। कोंडागांव केशकाल में मक्के के खेत में गांजे की खेती हो रही थी। अफीम और गांजे की खेती के साथ शराब के जरिए छत्तीसगढ़ को नशे का गढ़ बनाया जा रहा है। पेट्रोल, गैस आपूर्ति को लेकर साय बैठक ले रहे। इस मामले में दीपक बैज ने कहा, गैस की कोई दिक्क़त नहीं है कहते हैं और गैस सिलेंडर का दाम बढ़ा दिए। प्रदेश में पेट्रोल पम्प पर पेट्रोल के लिए लोग लाइन लगाए हैं। पेट्रोल के लिए देश में मारामारी चल रही है। सरकार सच्चाई बताए और आम जनता से माफी मांगे। गैस की कमी है ये स्वीकार करे। नक्सलवाद पर लोकसभा में चर्चा होगी। इस मामले में बैज ने कहा, सरकार ने 31 मार्च का डेडलाइन दिया है। 31 मार्च के बाद सरकार कोई नया बहाना न बना लें। सरकार निर्दोष आदिवासियों को जेल न भेजे। जल जंगल जमीन को उद्योगपतियों को न बेचे।

पेट्रोल-डीजल में टैक्स कटौती पर सियासत

भूपेश बघेल बोले – जनता को एक कौड़ी की राहत नहीं मिलेगी जनता को गुमराह न करें, कांग्रेस ने आपदा में बढ़ाया था टैक्स: चौधरी

■ तरुण छत्तीसगढ़

रायपुर,28 मार्च। पेट्रोल और डीजल में एक्साइज ड्यूटी करने पर सियासत गरमा गई है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि जिन जिन लोगों को इस कटौती से राहत मिले वे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का सार्वजनिक अभिनंदन करें और अगर न मिले तो उनको लानत भेजें सांय सांय। बघेल ने कहा, तेल कंपनियों के लिए राहत दी गई और चाटुकारिता करने के लिए जनता को लाभ मिलने की अफवाह फैला रहे हैं। जनता को एक कौड़ी राहत नहीं मिलने वाली। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री के पोस्ट पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने पलटवार किया है और जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया है। मंत्री ओपी चौधरी ने कहा है कि आपकी इन्हीं हरकतों के कारण जनता ने लानत भेजकर आपको बाहर का रास्ता तो पहले ही दिखा दिया। फिर भी जनता जनार्दन को गुमराह करने से पहले अपना इतिहास तो याद कर लिया करें। कोविड जैसी आपदा के समय जब पूरी दुनिया संकट से जूझ रही थी और लोग आर्थिक मुश्किलों में थे, तब आपने पेट्रोल पर वैट बढ़ाकर आपदा को अवसर बनाकर वसूली की थी। मंत्री चौधरी ने कहा, आज जब दुनिया युद्ध और वैश्विक हालात के कारण महंगे तेल से जूझ रही है, तब केवल भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों पर बोझ न बढ़े, इसलिए एक्साइज ड्यूटी कम करने का फैसला लिया है, लेकिन आपको तकलीफ इस बात से है कि जनता को राहत मिल रही है। साफ है कि आपके समय में आपदा वसूली का अवसर थी, मोदी जी के नेतृत्व में संकट में भी जनता को राहत देने का संकल्प है।

बहरीन और यूएई के होटलों को ईरान की चेतावनी

तेहरान,28 मार्च। मिडिल ईस्ट में ईरान के लगातार मिसाइल और ड्रोन हमलों के कारण कई अमेरिकी सैन्य अड्डे तबाह हो गए हैं, जिससे मजबूर होकर अमेरिकी सैनिकों को होटलों और दफ्तरों में शरण लेनी पड़ी है. इजरायल और अमेरिका के साथ चल रही जंग के बीच ईरान ने बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात के होटल मालिकों पर हमले करने की चेतावनी दी है. उसका कहना है कि इन होटलों में अमेरिकी सैनिक को ठहराया जा रहा है. उसने इन होटल मालिकों को अल्टीमेटम दिया है कि ये होटल उसकी सैन्य कार्रवाई का निशाना बन सकते हैं. ईरानी विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने खाड़ी देशों को वही नीति अपनाने को कहा है, जो अमेरिका की है कि वहां ऐसे अधिकारियों को बुकिंग देने से मना कर दिया जाता है जिनसे ग्राहकों को खतरा हो सकता है. सैयद अब्बास अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'इस युद्ध की शुरुआत से ही, अमेरिकी सैनिक जीसीसी (खाड़ी सहयोग परिषद) के सैन्य ठिकानों से भागकर होटलों और दफ्तरों में छिप गए हैं. वे जीसीसी के नागरिकों को मानव ढाल के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं.'

श्रद्धालुओं से भरी बस चट्टान से टकराई, 5 की मौत

भुबनेश्वर,28 मार्च। उडीसा के नयागढ़ जिले में शुक्रवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। दशपल्ला थाना क्षेत्र के टेकेराघाट के पास एक टूरिस्ट बस अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें 5 लोगों की जान चली गई और 20 से अधिक यात्री घायल हो गए। मृतकों में बस चालक के साथ चार महिलाएं शामिल हैं। उनकी पहचान हरि पात्रा, लक्ष्मी पात्रा, सुप्रभा साहू और सुमति साहू के रूप में हुई है। सभी मृतक बरहमपुर के निवासी बताए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, यह निजी बस बरहमपुर से करीब 40 श्रद्धालुओं को लेकर हरिशंकर यात्रा के लिए निकली थी। हनुमान घाटी के पास अचानक चालक का वाहन पर नियंत्रण बिगड़ गया, जिससे बस सड़क किनारे एक बड़ी चट्टान से टकरा गई और पलट गई।

लोकसभा में 30 मार्च को नक्सलवाद उन्मूलन पर होगी बड़ी चर्चा

■ तरुण छत्तीसगढ़

रायपुर,28 मार्च। पांच दशकों से भी अधिक समय से बस्तर के सामाजिक ताने-बाने को नष्ट कर रहा नक्सलवाद आज समाप्ति की है. यह नराकात्मक विनाशकारी विचारधारा ने न केवल बस्तर के विकास को अवरुद्ध किया, बल्कि निर्दोष आदिवासियों की जान भी ली. लेकिन मजबूत राजनीतिक इरादे की बदौलत आज बस्तर का 96 प्रतिशत क्षेत्र नक्सली गतिविधियों से मुक्त हो चुका है. विषय पर 30 मार्च को लोकसभा में अहम चर्चा होगी. 1967 में जो चिंगारी बंगाल के नक्सलबाड़ी में फूटी थी, उसने आने वाले दशकों में बस्तर के जंगलों को आग में बदल दिया, इस आग ने हजारों जिंदगियां लीं, अनगिनत घर उजाड़े, और एक पूरे क्षेत्र को बदल कर रख दिया. लेकिन बस्तर ओलम्पिक 2024 के मंच से देश के गृहमंत्री अमित शाह ने एक ऐसा बयान दिया, जिसने इस कहानी को एक तय समयसीमा दे दी, उन्होंने कहा कि 31 मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद पूरी तरह खत्म कर दिया जाएगा, यह पहली बार था जब इस लंबे संघर्ष के अंत की एक तारीख सामने आई, एक ऐसा वादा, जो सिर्फ शब्द नहीं बल्कि दशकों से चली आ रही इस लड़ाई का निष्कर्ष माना जा रहा है. अब जब 31 मार्च 2026 की तारीख जब करीब है, तो माहौल बदल चुका है. वो घोषणा सच्चाई में बदलती नजर आ रही है. इन 2 वर्षों में कुल 3000 नक्सली मुख्यधारा में जुड़ जाते हैं, 2000 नक्सली गिरफ्तार कर लिए जाते हैं, अभियान इतना तेज होता है कि 500 से अधिक नक्सली ढेर कर दिए जाते हैं, जिसमें नक्सलियों का महासचिव भी शामिल रहता है. कुल मिलाकर 5000 से अधिक नक्सली कम हो गए, हालांकि, नक्सल के इतिहास में 1987 से 2026 तक 1416 जवान शहीद हुए है. जबकि 1277 आईडी ब्लास्ट हुए, जिसमें 443 जवान शहीद और 915 जवान घायल हुए हैं. इसके अलावा 4580 आईडी बरामद की गई है.

छत्तीसगढ़ सरकार के आंकड़ों के अनुसार, आज बस्तर संभाग के पांच जिलों में से दंतेवाड़ा में अब महज एक नक्सली सक्रिय है, वहीं नारायणपुर में दो, सुकमा में 5, बीजापुर में 11 और कांकेर में गिनती के 19 नक्सली सक्रिय है. हालांकि, तय संकल्प में सशस्त्र नक्सलवाद का खत्मा तो हो गया है, लेकिन अभी भी सबसे बड़ा चुनौती जवानों के लिए जंगलों में बिछी बारूद है. समय के साथ यह भी खोजकर निकाल लिए

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पार कर रहे हैं तेल से लदे भारत के 2 और जहाज

नई दिल्ली,28 मार्च। ईरान और अमेरिका के बीच जारी अघोषित युद्ध के बीच भारत ईंधन संकट को लेकर चिंतित है। इस बीच एक राहत भरी खबर सामने आ रही है। सूत्रों के अनुसार, भारत के लिए पेट्रोलियम उत्पाद लेकर आ रहे दो और जहाज स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजर रहे हैं। दोनों पर तिरंगा लगा हुआ है। इन जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भारतीय नौसेना के युद्धपोतों को अलर्ट पर रखा गया है। आपको बता दें कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ वैश्विक तेल आपूर्ति का एक प्रमुख मार्ग है और यहां किसी भी तरह की बाधा का सीधा असर अंतरराष्ट्रीय बाजारों पर पड़ सकता है। सूत्रों के मुताबिक, आने वाले दिनों में भारत के लिए पेट्रोलियम उत्पाद लेकर और भी जहाज इस मार्ग से गुजरने वाले हैं। ऐसे में नौसेना की सक्रिय तैनाती यह सुनिश्चित करने के लिए की जा रही है कि किसी भी तरह की आपूर्ति बाधित न हो और जहाज सुरक्षित रूप से अपने गंतव्य तक पहुंच सकें। इससे भारत में पेट्रोल-डीजल या एलपीजी की दिक्कत नहीं हो। आपको बता दें कि हाल ही में ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा था कि उनके देश ने भारत, पाकिस्तान, रूस समेत 'मित्र राष्ट्रों' के समूह के जहाजों को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति दे दी है। मुंबई स्थित ईरानी दूतावास के पोस्ट में अराघची के हवाले से कहा गया है कि ईरान ने भारत, चीन, रूस, इराक और पाकिस्तान को उन देशों की सूची में शामिल किया है, जिनके जहाजों को इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से सुरक्षित आवाजाही की अनुमति दी जायेगी। उन्होंने इन देशों को 'मित्र राष्ट्र' बताया। होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक ऊर्जा व्यापार के लिए राह है, जो दुनिया की कुल तेल और गैस आपूर्ति के लगभग पांचवें हिस्से को नियंत्रित करता है। ईरान की नाकेबंदी ने वैश्विक समुद्री व्यापार को गंभीर रूप से बाधित किया है, जिसके नतीजे में ऊर्जा क्षेत्र की कीमतों में भारी उछाल आया है। वहीं, ऊर्जा आयात पर अत्यधिक निर्भर कुछ देशों ने 'राष्ट्रीय ऊर्जा आपातकाल' घोषित कर दिया है। ईरान ने कहा है कि यह मार्ग केवल 'मित्र' देशों के लिए खुला रहेगा और यह कुछ शर्तों पर निर्भर है। संयुक्त राष्ट्र में ईरानी मिशन ने पुष्टि की है कि केवल वे जहाज ही इस जलडमरूमध्य से गुजर सकते हैं, जिन्होंने न तो ईरान के खिलाफ कार्रवाइयों में भाग लिया है और न ही उनका समर्थन किया है और जो ईरानी अधिकारियों के साथ समन्वित सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करते हैं। यह घटनाक्रम ऐसे समय में आया है, जब खाड़ी क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है, जिससे शिपिंग में व्यवधान पैदा हुआ है, यातायात काफी कम हो गया है और ऊर्जा बाजार बढ़ते दबाव में हैं।

आईटीबीपी जवानों ने गर्भवती महिला को 5 किमी कंधों पर ढोकर बचाई जान

नारायणपुर,28 मार्च। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के घने जंगलों से मानवता की मिसाल पेश करने वाली खबर सामने आई है, जहां आईटीबीपी के जवानों और नारायणपुर पुलिस ने मिलकर एक गर्भवती महिला की जान बचाने के लिए कठिन परिस्थितियों में साहसिक रेस्क्यू ऑपरेशन को अंजाम दिया। यह मामला इंद्रावती राष्ट्रीय उद्यान के अबूझमाड़ क्षेत्र के सुदूर गांव बोटेर का है, जहां एक गर्भवती महिला की हालत अचानक गंभीर हो गई। दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों और सड़क सुविधा के अभाव के कारण महिला को तत्काल अस्पताल पहुंचाना बेहद चुनौतीपूर्ण था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए आईटीबीपी की 29वीं बटालियन और नारायणपुर पुलिस ने संयुक्त रूप से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। जवानों ने मानवता और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देते हुए महिला को स्ट्रेचर पर कंधों के सहारे लेकर करीब 5 किलोमीटर तक घने जंगल, पहाड़ी और कच्चे रास्तों को पार किया और सुरक्षित रोड तक निकाला।

एक नजर

सूने मकान में चोरी

भिलाई, 28 मार्च (तछसं.)। भिलाई छावनी थाना क्षेत्र के सूने मकान में हुई चोरी के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जब कि एक अपचारी बालक को भी पकड़ा गया है आरोपियों से चोरी गया सामान बरामद कर लिया गया है पुलिस के अनुसार यू, येल्लमा, निवासी श्याम नगर तेलगू मोहल्ला कैंप-2 ने 23 मार्च को शिकायत दर्ज कराई थी उन्होंने बताया कि आठ फरवरी को वह अपने परिवार के साथ घर में ताला लगाकर विशाखापट्टनम गई थीं लौटने पर घर का ताला टूटा मिला और अंदर से एलईडी टीवी, होम थिएटर, सोने-चांदी के आभूषण समेत करीब 45 हजार रुपए का सामान गायब था शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की मुखबिर की सूचना पर संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें उन्होंने चोरी करना स्वीकार कर लिया पकड़े गए आरोपियों में विवेक मिश्रा (20 साल) निवासी शास्त्री नगर कैंप-1 और एस. जगन (19 साल) निवासी सुंदर नगर कैंप-1 भिलाई शामिल हैं इनके साथ एक नाबालिग भी इस वारदात में शामिल था आरोपियों के पास से एलईडी टीवी, होम थिएटर, चांदी के आभूषण और पीतल के बर्तन सहित अन्य सामान जब्त किया गया है पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय में पेश कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

दीवार निर्माण को लेकर मारपीट,इलाज के दौरान मौत

भिलाई, 28 मार्च (तछसं.)। दुर्ग रानीतराई थाना क्षेत्र के ग्राम खपरी में दीवार निर्माण को लेकर हुए विवाद में मारपीट की घटना ने गंभीर रूप ले लिया, जिस में घायल व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हो गई मामले में न्यायालय ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए पांच वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक फकीरा राम शुक्ला गौठान के पास दीवार निर्माण कार्य कर रहा था इसी दौरान आरोपी भगत राम पटेल के साथ उसका विवाद हो गया विवाद बढ़ने पर आरोपी ने फकीरा राम के साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट की, जिससे वह गिट्टी के ऊपर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया घटना के बाद रानीतराई थाने में शिकायत दर्ज कराई गई, जिस पर पुलिस ने अपराध कायम कर मामले की जांच शुरु की घायल फकीरा राम को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई मामले की सुनवाई के दौरान आरोप प्रमाणित पाए जाने पर अपर सत्र न्यायाधीश दुलार सिंह निर्मलकर ने आरोपी भगत राम पटेल को दोषी करार देते हुए पांच वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई प्रकरण में शासन की ओर से लोक अभियोजक शेखर वर्मा ने प्रभावी पैरवी की ।

मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना को मिल रहा उत्साहजनक प्रतिसाद

दुर्ग, 28 मार्च। मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर दुर्ग नगर संभाग में युद्ध स्तर पर कार्य किया जा रहा है। कार्यपालन अभियंता श्री रवि कुमार दानी ने बताया कि नगर संभाग दुर्ग के अंतर्गत आने वाले बोरसी, बघेरा, दुर्ग शहर और जवाहर नगर जोन में 13 मार्च 2026 से निरंतर शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए मोबाइल वैन और माइक के माध्यम से पात्र उपभोक्ताओं को जागरूक किया जा रहा है, जिसका क्षेत्र में काफी सकारात्मक प्रतिसाद देखने को मिल रहा है।बिजली विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार संभाग के सभी 84 पात्र बीपीएल उपभोक्ताओं और 07 पात्र कृषि उपभोक्ताओं ने अपना पंजीयन शत-प्रतिशत पूर्ण कर लिया है। आंकड़ों के अनुसार बीपीएल श्रेणी में 06 उपभोक्ताओं ने 2200 रुपए, कृषि श्रेणी में 05 उपभोक्ताओं ने 20103 रुपए और एपीएल श्रेणी के 180 पात्र उपभोक्ताओं में से 86 के पंजीयन के साथ 24 उपभोक्ताओं ने 24800 रुपए की राशि जमा कर दी है। इस कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले और उपभोक्ताओं को योजना में शामिल करने हेतु प्रेरित करने वाले मीटर रीडरों के लिए प्रोत्साहन राशि का भी प्रावधान किया गया है। दुर्ग नगर संभाग ने आगामी 31 मार्च 2026 तक संभाग के अंतर्गत आने वाले सभी पात्र उपभोक्ताओं को इस योजना के दायरे में लाने का लक्ष्य निर्धारित किया है, ताकि अधिक से अधिक लोग इस छूट का लाभ उठा सकें।

डिप्टी सीएम ने जैतपुरी को दी नवीन विद्युत उपकेंद्र की बड़ी सौगात, ग्रामीणों में हर्ष

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा, 28 मार्च। रामनवमी के शुभ अवसर पर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कबीरधाम जिले के ग्राम जैतपुरी में विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में एक बड़ी सौगात देते हुए 2 करोड़ 98 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाले 33/11 के.व्ही., 5 एम.वी.ए. क्षमता के नवीन विद्युत उपकेन्द्र का विधिवत भूमि पूजन कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस उपकेन्द्र के स्थापित होने से जैतपुरी सहित आसपास के 12 गांवों के करीब 1 हजार 750 से अधिक उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा और उन्हें गुणवत्तापूर्ण, नियमित एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति उपलब्ध हो सकेगी। वर्षों से लो वोल्टेज, बार-बार बिजली बाधित होने और लंबी फीडर लाइन की समस्या से जूझ रहे क्षेत्रवासियों को राहत मिलेगी। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने ग्राम जैतपुरी में 5 लाख 20 हजार रुपए के सीसी रोड निर्माण की घोषणा की। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार गांव और वनांचल क्षेत्रों के विकास पर भी पूरा ध्यान दे रही है। उन्होंने बताया कि यह नया बिजली उपकेन्द्र बनने से क्षेत्र में बिजली की समस्या दूर होगी और विकास तेजी से बढ़ेगा। अब लोगों को लो-वोल्टेज और बार-बार बिजली जाने की परेशानी से राहत मिलेगी। इस परियोजना के पूरा होने के बाद बिजली व्यवस्था स्थायी रूप से बेहतर हो जाएगी।जिला पंचायत अध्यक्ष श्री ईश्वरी साहू,, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री कैलाश चंद्रवंशी, जिप्स बीजेपी महामंत्री नितेश अग्रवाल जनपद उपाध्यक्ष नंद श्रीवास, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि लोकचंद साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

नोरा में रामनवमी पर जोत-जवारा विसर्जन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई, 28 मार्च।बाबा दरबार पावन धाम धनोरा दुर्ग में 26 ता गुरुवार को शाम 4 बजे दरबार के श्री लक्ष्मण बाबा जी पंडित विनय दुवेदि द्वारा हवन कार्यक्रम संपन्न किया गया जिसमें सभी भक्तों ने हवन कुंड में हवन डाल कर अपने घर परिवार की मंगल कामना की प्रार्थना किया शुक्रवार शाम 4 बजे दरबार से जोत जवारा विसर्जन गलती भ्रमण के लिए रवाना हुआ जोकि बजरंग पारा बजार चौक मेन गली शितला पारा होते हुए सीधे शितला तलाब पहुंचे जहां पर दरबार के श्री लक्ष्मण बाबा जी नंद पंडा राजू यादव जी द्वारा खप्पर एवं जोत जवारा के पुजा पाठ करके फिर जोत जवारा विसर्जन किया गया आगे आगे गुलाब साहू एवं हेमंत साहू के मंडली द्वारा माता सेवा भजन गाते हुए चल रहे थे साथ ही काला लाल सादा बैरंग माताए सिर पर ज्योति कलश उठाए एक ही कलर का साड़ी पहने हुए एवं हाथो में केशर ईया झंडा लेकर माता रानी की जयकारे लगाते हुए साथ साथ चलरहे थे दरबार के जोत जवारा विसर्जन देखने पुरे गांव उमड़ पड़े थे अष्टमी हवन के बाद खीर प्रसाद वितरण किया गया जिसमें हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया आगे दरबार के श्री लक्ष्मण बाबा जी ने बताया कि हर साल चैत्र एवं कुंवार नवरात्रि में यहां पर जोत जंवारा भक्तों द्वारा जलाए जाते हैं विसर्जन देखने दुर दुर से हर साल भक्त गण बड़ी संख्या में आते हैं पुरे नौ दिन तक भक्ती में डुमे हुवे थे एवं अपनी सेवाएं दे रहे थे दरबार के श्री विनोद कुमार साहू नंद पंडा राजू यादव मनसुखा साहू मनोज पटेल रोमनाथ साहू बबलू गज्जू रायपुरीहा जीवराखन ठेकेदार बाबू लाल साहू डोरे लाल साहू दास भोलेनाथ योगेश साहू एम लाल देवांगन मारियल साहू वासुदेव स्प्रे पुर्व उपसरपंच कुंभकरण पटेल मुनना गंधर्व सुनील पेटर दिनेश यादव रामु यादव ओमकार साहू टीकम गुमान साहू भोलू खिलेशवर साहू सुंदर सपरे चन्द्र कांत देवांगन कल्याण देवांगन ललित साहू रोशन साहू डॉ धनेशवर साहू तोमन गजपाल उमेश साहू इतवारी पटेल हितेंद्र कुमार कुणाल साहू श्रीमती बबिता साहू ललिता यादव सुनीता साहू मितानिन कौशिलया सेन रुखमणि साहू पार्वती मंडलिन प्रभा साहू देवश्री अंजु देवांगन संगीता सपरे उपसरपंच टिकेशवरी साहू लक्ष्मी साहू हितेश पटेल नीरा साहू मुंगा सपरे गीता देवांगन मंजू साहू पुष्पा देवांगन दुर्गा साहू कु वेदू साहू कु सुरुचि छोटी कु डिंपल साहू कु पुजा साहू कु नेहा साहू कु विणनि साहू आदि भक्त गण बड़ी संख्या में पुरे नौ दिन तक अपने सेवा दे रहे थे यह जानकारी दरबार प्रति निधी चन्द्र कांत कोसरे एवं कुंज लाल साहू जी ने दी।

सरस मेला में साड़ी,अगरबत्ती, अचार की हुई खूब बिक्री, समूह की दीदियों में दिखा भारी उत्साह

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 28 मार्च। सरदार पटेल मैदान कवर्धा में संभागीय सरस मेला में महिला स्व सहायता समूह की दीदियों के लिए मिल का पत्थर बन गया है। मेले में जैविक खाद्य पदार्थों में दाल के विभिन्न प्रकार, अचार, पापड़, मिलेट बिस्किट्स, हर्बल फिनायल, साबुन, दोना पत्तल अगरबत्ती, हैंडलूम बिरनमाला, चूड़ी, कंगन जैसे अनेक वस्तुएं लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बन गए हैं। मेले में समूह द्वारा उत्पादित विभिन्न वस्तुओं की प्रदर्शनी सह विक्रय हेतु स्टाल लगाए गए हैं।स्टाल में लगी सामग्रियां लोगों को बाजार मूल्य से कम दरो पर मिल रही है जिसे लोगों ने हाथों-हाथ लिया है। उल्लेखनीय है कि पॉपकॉर्न चार्ट गुपचुप फल के स्टॉल एवं बच्चों के लिए लगाए गए ट्रम्पोलिन सहित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की संध्या ने मेले की रौनक को और बढ़ा दिया है। बड़ी संख्या में लोग मेला स्थल पहुँच कर ग्रामीण महिलाओं द्वारा निर्मित उपयोगी एवं आकर्षक वस्तुओं को कम दर में प्राप्त कर लाभ ले रहे हैं।इस संबंध में जानकारी देते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कबीरधाम श अभिषेक अग्रवाल ने बताया कि संभागीय सरस मेला में दुर्ग संभाग के सभी सात जिलों के महिला समूह ने अपने विभिन्न उत्पादनो की प्रदर्शनी सह विक्रय का स्टॉल लगाया है। आयोजन को लेकर समूह की दीदियों में बहुत उत्साह है और स्थानीय लोगो को इसका लाभ मिल रहा है। संभागीय सरस मेला से महिलाओं को अपना व्यवसाय आगे बढ़ाने के लिए बड़ा मंच प्रदान किया गया है। खरीदी बेहतर होने से उनका स्वरोजगार के साथ उत्साह वर्धन होगा। आजीविका की गतिविधियां से लाभान्वित होकर महिलाएं आत्मनिर्भर होगी सिद्धि स्व सहायता समूह बालोद अध्यक्ष निशा हैंडी क्राफ्ट की ट्रेनर ने बताया कि हम हैंडीक्राफ्ट फैब्रिक प्रोडक्ट बनाते है और जिसमें साड़ी या,बेडशीट, कुर्ती,बैग में कशीदाकारी एवं पेंटिंग के माध्यम से खूबसूरत डिजाइन बनाते है और इस कार्य के माध्यम से बहुत सारी महिलाओं को आजीविका प्राप्त हो रहा है और यह पर हमने बिक्री की जिसमें 6000 से अधिक की बिक्री हुई । पापड़ , आचार बेचने वाली महिलाएं भी खुश दिखी ।

30 मार्च को दिव्यांगों के लिए सहायक उपकरण वितरण शिविर

भिलाई, 28 मार्च। नगर निगम क्षेत्र के दिव्यांगजनों के लिए सहायक उपकरण वितरण हेतु विशेष शिविर का आयोजन 30 मार्च को किया जाएगा। यह शिविर दुर्ग स्थित मानस भवन रविशंकर स्टेडियम, बस स्टैंड के पास में आयोजित होगा। उल्लेखनीय है कि समाज कल्याण विभाग दुर्ग द्वारा 19 फरवरी को दिव्यांगों के लिए शिविर आयोजित कर आवेदन प्राप्त किए गए थे। अब उन सभी चिन्हांकित हितग्राहियों को आवश्यक सहायक उपकरण वितरित किए जाएंगे, जिससे उनके दैनिक जीवन में सुविधा हो सके। नगर निगम प्रशासन ने संबंधित क्षेत्रों के पात्र दिव्यांग जनों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि एवं स्थान पर समय पर उपस्थित होकर शिविर का लाभ लें। साथ ही, अधिक से अधिक लोगों तक जानकारी पहुंचाने के लिए प्रचार-प्रसार एवं मुनादी कराने के निर्देश भी दिए गए हैं, ताकि कोई भी पात्र हितग्राही इस योजना से वंचित न रहे।

वाईएचएआई का दो दिवसीय ट्रैकिंग व अध्ययन शिविर सम्पन्न

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 28 मार्च। यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन द्वारा नेचरए पुरातत्व व संस्कृति पर केन्द्रित दो दिवसीय ट्रैकिंग सह प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। जिसमें 37 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने नरसिंह नाथ मंदिर, माँ चण्डी मंदिर, लक्ष्मण मंदिर, गंधेश्वर महादेव मंदिर, राम मंदिर व चोकरधानी का भ्रमण कर प्राकृतिक व सांस्कृतिक धरोहरों का अध्ययन किया। आयोजन के दौरान प्रतिभागियों ने प्राकृतिक सौंदर्य, ऐतिहासिक महत्व और लोक संस्कृति का अनुभव किया। कार्यक्रम को ज्ञानवर्धक व यादगार बताया गया।

पुरखौती विरासत यात्रा में जुटे शिक्षाविद व नागरिक, धरोहर संरक्षण पर जोर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 28 मार्च। ऐतिहासिक नगर धमधा की सांस्कृतिक विरासत को समझने के उद्देश्य से आयोजित धमधागढ़ पुरखौती विरासत यात्रा में शिक्षाविदों, साहित्यकारों, कलाकारों और सजग नागरिकों की उल्लेखनीय भागीदारी रही। यात्रा की शुरुआत पंडितवा तालाब से हुई। विरासत कार्यकर्ता गोविन्द पटेल और वीरेन्द्र देवांगन ने धमधा के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला। इस दौरान प्रतिभागियों ने केवल मुनि नाम साहेब की समाधि, दानी तालाब, नईया तालाब, बुढ़वा नरवा, त्रिमूर्ति महामाया मंदिर, बूढ़ादेव स्थल, राजा किला, बूढ़ा तालाब, टार तालाब, विष्णु मंदिर, चौखड़िया और शीतला मंदिर सहित विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण किया। यात्रा के दौरान तमेर पारा में पारंपरिक कांसा उद्योग का अवलोकन भी किया गया, जहां अशोक कसार के कार्यों के साथ-साथ विमल चंद ताम्रकार के सौ वर्ष पुराने पारंपरिक मकान को देखा गया। शिक्षक विष्णु प्रसाद ताम्रकार द्वारा निर्मित जीवंत मूर्तियां आकर्षण का केंद्र रहीं। समापन अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. एस.के. पाण्डेय ने कहा कि धमधा का पारंपरिक कांसा उद्योग आज चुनौतियों का सामना कर रहा है। वहीं इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. एस.के. पाटिल ने प्राचीन तालाबों की वैज्ञानिक प्रणाली के अध्ययन और विलुप्त हो चुके तालाबों के पुनर्जीवन पर बल दिया। छत्तीसगढ़ राज्य साक्षरता प्राधिकरण के पूर्व सदस्य-सचिव डॉ. डी.एन. शर्मा ने धमधा की विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की आवश्यकता जताई। वरिष्ठ साहित्यकार रवि श्रीवास्तव ने कहा कि यहां का कांसा उद्योग और प्राचीन भवन वास्तविक धरोहर हैं, जिनका संरक्षण जरूरी है। नगर पंचायत अध्यक्ष श्वेता प्रशांत अग्रवाल ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों के लिए धरोहरों का संरक्षण आवश्यक है। कार्यक्रम में अनेक शिक्षाविद, साहित्यकार एवं स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

निस्तारी तालाबों की सफाई तेज, गर्मी से पहले जलभराव की तैयारी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 28 मार्च। ग्रीष्म काल को देखते हुए नगर में निस्तारी तालाबों की सफाई और जलभराव की तैयारी तेज कर दी गई है। नगर निगम द्वारा सभी तालाबों में पानी भरने से पहले व्यापक सफाई अभियान चलाया जा रहा है। जल संसाधन विभाग के निर्देशानुसार मार्च-अप्रैल माह में तालाबों में पानी भरने की योजना बनाई गई है। इसी के तहत निगम के विभिन्न जोनों में तालाबों से गाद निकालने, कचरा साफ करने तथा जल आवक के मार्गों को दुरुस्त करने का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने बताया कि तालाबों में पानी भरने से पहले उनकी समुचित सफाई अनिवार्य है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी कार्य समयसीमा में पूर्ण किए जाएं, ताकि गर्मी के दौरान जल संकट की स्थिति उत्पन्न न हो। उन्होंने कहा कि इस पहल से न केवल आम नागरिकों को राहत मिलेगी, बल्कि पशुओं के लिए भी पर्याप्त जल उपलब्ध हो सकेगा। निगम प्रशासन ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को इस कार्य को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

सीताराम साहू बने छग प्रदेश शिक्षा प्रकोष्ठ के रायपुर संभाग सह प्रभारी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा,28 मार्च। भाजपा के वरिष्ठ एवं सक्रिय नेता सीताराम साहू को प्रदेश भाजपा संगठन द्वारा एक महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है उन्हें भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ प्रदेश शिक्षा प्रकोष्ठ के रायपुर संभाग में सह प्रभारी के रूप में नया दायित्व दिया गया है । आपको बता दें सीताराम साहू लंबे समय से संगठन में सक्रिय भूमिका निभाते आ रहे हैं। उन्होंने ग्रामीण ए मंडल स्तर से अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू करते हुए जिला भाजपा कबीरधाम में उपाध्यक्ष एकोषाध्यक्ष व जिला संयोजक जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। इसके साथ ही हाल ही में हुए विधानसभा 2023 एवं लोकसभा 2024 चुनावों में मुंगेली विधानसभा प्रभारी के रूप में भाजपा की जीत सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई उनकी सक्रियताए संगठन के प्रति समर्पण और कार्यक्षमता को देखते हुए प्रदेश भाजपा छत्तीसगढ़ ने एक बार फिर उन पर विश्वास जताते हुए यह नई जिम्मेदारी सौंपी है। इस नियुक्ति से स्थानीय कार्यकर्ताओं में उत्साह और हर्ष का वातावरण है अपनी नियुक्ति पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सीताराम साहू ने कहा कि वे भाजपा के कार्यकर्ता है पार्टी जब भी जो भी छोटी . ब?ी जिम्मेदारी उन्हें देगी उस जिम्मेदारी को निष्ठापूर्वक निर्वहन करेंगे उन्होंने प्रदेश भाजपा व जिला भाजपा के शिर्ष नेतृत्व व भाजपा के कार्यकर्ताओं का धन्यवाद आभार व्यक्त किया ।

बीएसपी के खिलाड़ियों का खेलो मास्टर्स नेशनल गेम्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन

भिलाई, 28 मार्च। चंडीगढ़ में 20 मार्च से 22 मार्च तक आयोजित 5वीं खेलो मास्टर्स नेशनल गेम्स.2026 के अंतर्गत एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में संयंत्र के विभिन्न विभागों में कार्यरत खिलाड़ियों ने अनेक पदक अर्जित कर संयंत्र का गौरव बढ़ाया। प्रतियोगिता में एसपी.2 विभाग के भागवत राम नेताम ;55 प्लस आयु वर्गद्ध ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 5000 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक तथा 1500 मीटर एवं 800 मीटर दौड़ में रजत पदक अर्जित किए। वहीं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं विभाग के ज्ञान सिंह ;50 प्लस आयु वर्गद्ध ने 200 मीटर दौड़ एवं लंबी कूद में कांस्य पदक प्राप्त किया।

विसर्जन

भिलाई, 28 मार्च। आनंदी माता मंदिर में जोत-जवारा विसर्जन कार्यक्रम के दौरान भक्त-श्रद्धालुओं की श्रद्धा का अद्भुत नजारा।

बीएसपी में एमपीटी परीक्षण सुविधा का शुभारंभ, रेल वेल्ड गुणवत्ता होगी और बेहतर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 28 मार्च। भिलाई इस्पात संयंत्र में रेल वेल्ड जोड़ों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए नई मैग्नेटिक पार्टिकल्स टेस्टिंग (एमपीटी) सुविधा का शुभारंभ 26 मार्च को किया गया। यह उद्घाटन यूनिवर्सल रेल मिल के रेल वेल्डिंग कॉम्प्लेक्स में मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी तुषारकान्त द्वारा किया गया। यह पहल संयंत्र के निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र के नेतृत्व एवं कार्यपालक निदेशक राकेश कुमार के मार्गदर्शन में पूरी की गई। कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक राहुल श्रीवास्तव, महाप्रबंधक प्रभारी विशाल गुप्ता सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। रिसर्च डिजाइन्स एंड स्टैंडर्ड्स ऑर्गेनाइजेशन द्वारा जारी नए दिशा-निर्देशों के अनुसार स्टेशनरी फ्लैश बट वेल्डिंग से तैयार रेलों के सभी वेल्ड जोड़ों पर एमपीटी परीक्षण अनिवार्य किया गया है। इसी के अनुरूप भिलाई इस्पात संयंत्र ने अपनी रेल वेल्डिंग प्रणाली में इस अत्याधुनिक तकनीक को लागू किया है। नई एमपीटी सुविधा के माध्यम से भारतीय रेल को आपूर्ति की जाने वाली रेलों के वेल्ड जोड़ों की गुणवत्ता अब और अधिक सटीकता से जांची जा सकेगी। इससे आरडीएसओ के नवीनतम मानकों का पालन सुनिश्चित होगा और रेल पटरियों की विश्वसनीयता व सुरक्षा में वृद्धि होगी।

संक्षेप

रामनवमी पर श्रीराम-जानकी मंदिर में हुआ भव्य आयोजन

सिमगा,28 मार्च (तरुण छत्तीसगढ़)। रामनवमी के शुभ अवसर पर सरोपी तालाब स्थित श्री राम जानकी मंदिर रामनवमी के शुभ अवसर पर सरोपी तालाब स्थित श्री राम जानकी मंदिर (चिंताहरण हनुमान मंदिर) मे दोपहर 12 बजे राम जन्मोत्सव कराया गया तथा साथ मे आरती करते

हुए राम स्तुति का पाठ एवं पुरुष रामायण मंडली के द्वारा रामायण पाठ किया गया एवं दोपहर 3 बजे से महिला रामायण मंडली के दवारा रामायण पाठ किया गया शाम 6 बजे महाआरती के साथ 56 भोग का महाप्रसाद चढ़ाया गया एवं भक्तो को वितरित किया गया तत्पश्चात भजन कीर्तन किया गया..मे दोपहर 12 बजे राम जन्मोत्सव कराया गया तथा साथ मे आरती करते हुए राम स्तुति का पाठ एवं पुरुष रामायण मंडली के द्वारा रामायण पाठ किया गया एवं दोपहर 3 बजे से महिला रामायण मंडली के दवारा रामायण पाठ किया गया शाम 6 बजे महाआरती के साथ 56 भोग का महाप्रसाद चढ़ाया गया एवं भक्तो को वितरित किया गया तत्पश्चात भजन कीर्तन किया गया.

बाबा मरस पोटा धाम में शिव महापुराण के दौरान कन्या विवाह सम्पन्न

राजनांदगांव,**28 मार्च (तरुण छत्तीसगढ़)।** मुख्यालय से16 किलोमीटर दूर स्थित बाबा मरस पोटा धाम वनमनगटा वनचेतना मार्ग में 20 मार्च से 26 मार्च तक आयोजित संगीत मय श्री शिव महापुराण कथा नवरात्रि नवदिन भंडारा प्रसादी के साथ कन्या विवाह सम्पन्न * बाबा मरस पोटा धाम के संरक्षक श्री राकेश श्रीवास्तव ने बताया कि

नवरात्रि के पावन पर्व पर भक्ती मय कार्यक्रम श्री शिव महापुराण कथा कार्यक्रम आयोजित किया गया है कथा व्यास श्री खिलेश कृष्ण दुबे बहुत सुंदर तरीके से कथा का वर्णन किया जा शिव महापुराण का महत्व शिव लिंग प्राकट्य नारद मोह सति जन्म सति चरित्र मां पार्वती जन्म शिव विवाह कार्तिकिय जन्म श्री गणेश जन्म तारकासुर वघ विवाह कथा सम्पन्न हो चुका है शिव विवाह एवं श्री गणेश विवाह के दौरान के दौरान दो कन्याओं का विवाह भी सम्पन्न किया जा चूका कथा व्यास श्री दुबे जी को सुनने बढ़ी संख्या संख्या में भक्त बाबा मरस पोटा धाम पहुंच रहे हैं बाबा मरस पोटा में नवरात्रि नवदिन भंडारा प्रसादी जारी है समिति के पदाधिकारियों ने भक्तों से अपील की वे भक्ति मय कार्यक्रम शिव महापुराण में जरूर पहुंचे.

ओला इलेक्ट्रिक का EndICEAge अभियान

रायपुर ,28 मार्च (तरुण छत्तीसगढ़)। Ola Electric ने #EndICEAge अभियान लॉन्च किया है, जिसके तहत 31 मार्च 2026 तक EV सिर्फ ₹49,999 की शुरुआती कीमत पर उपलब्ध हैं और ₹50,000 तक के फायदे दिए जा रहे हैं। कंपनी ने ग्राहकों के लिए सर्विस ट्रस्ट गारंटी (देरी पर फ्री ओला कैब वाउचर), 60% तक बायबैक गारंटी और सभी वाहनों पर 8 साल की एक्सटेंडेड वारंटी की घोषणा की है। इस अभियान के तहत Gen 3 S1 X स्कूटर और रोडस्टर X बाइक जैसे मॉडल्स को किफायती कीमत में पेश किया गया है, जिनमें बेहतर रेंज, तेज एक्सीलरेशन और नई तकनीक दी गई है। कंपनी का कहना है कि बढ़ती ईंधन कीमतों के बीच यह पहल इलेक्ट्रिक वाहनों को आम लोगों के लिए ज्यादा सुलभ, भरोसेमंद और भविष्य के लिए बेहतर विकल्प बनाने की दिशा में उठाया गया कदम है।

महापौर ने किया सम्पत्तिकर, जलकर व समेकित कर का भुगतान

राजनांदगांव **,28 मार्च (तरुण छत्तीसगढ़)।** महापौर श्री मधुसूदन यादव ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के प्रारंभ में ही अपने आवास के सम्पत्तिकर, जलकर व समेकित कर का भुगतान कर दिया था वही वित्तीय वर्ष की समाप्ति को ध्यान में रखते हुए जिलाधीश श्री जितेन्द्र यादव एवं निगम आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा ने अपने शासकीय आवास के जलकर एवं समेकित कर का भुगतान किए। वित्तीय वर्ष की समाप्ति के माह अंत मार्च में करदाताओं की सुविधा के लिए निगम सीमांतर्गत सम्पत्तिकर, समेकितकर,जलकर एवं दुकान किराया की वसूली को दृष्टिगत रखते हुये निगम कार्यालय अवकाश के दिनों एवं शनिवार व रविवार को भी निगम कार्यालय के राजस्व विभाग में चालू रहेगा। महापौर श्री यादव ने नागरिको से अपील करते हुए कहा कि उन्होंने अपने सम्पत्तिकर, जलकर व समेकितकर का भुगतान वित्तीय वर्ष के प्रारंभ में ही कर दिया था, आप भी अपने बकाया कर सम्पत्तिकर, जलकर, समेकितकर के अलावा दुकान किराया का भुगतान कर नगर विकास में सहभागी बने। इसी प्रकार जिलाधीश श्री यादव एवं आयुक्त श्री विश्वकर्मा ने करदाताओं से अपील करते हुए कहा है कि, मैने अपने शासकीय आवास के जलकर एवं समेकितकर का भुगतान किया है, आप भी अपने करो का भुगतान कर सहयोग करे। उन्होंने कहा कि आपके राजस्व करो के भुगतान की राशि से निगम कर्मचारियों का वेतन भुगतान किया जाता है।

कलेक्टर ने पटेवा से पेण्ड्री तक सड़क निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

- पीएमजीएसवाई सड़क निर्माण में तेजी लाएं : कलेक्टर
- गुणवत्ता व समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के दिए सख्त निर्देश

■ तरुण छत्तीसगढ़

राजनांदगांव 28 मार्च। कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव ने आज राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम मासूम में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत ग्राम पटेवा से पेंड्री तक निर्माणाधीन सड़क का स्थल निरीक्षण किया। उन्होंने अलग-अलग स्थानों पर स्वयं सड़क की मोटाई मापकर निर्माण कार्य की गुणवत्ता का आकलन किया तथा वर्तमान प्रगति की जानकारी ली। कलेक्टर ने जिले में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत स्वीकृत एवं निर्माणाधीन सड़कों को बारिश के पूर्व पूर्ण करने के निर्देश दिए। ग्रामीणों को आवागमन में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं होनी चाहिए। उन्होंने सड़क निर्माण में गुणवत्ता मानकों का कड़ाई से पालन करने तथा निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों से निर्माण कार्यों की प्रगति, उपयोग की जा रही सामग्री, लेयरिंग एवं डामरीकरण की स्थिति की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना ग्रामीण क्षेत्रों की कनेक्टिविटी बढ़ाने की महत्वपूर्ण योजना है, इसलिए किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने निर्माण एजेंसी को कहा कि कार्य की गुणवत्ता से

किसी भी प्रकार का समझौता न हो। आवश्यकतानुसार तकनीकी परीक्षण नियमित रूप से कराए जाएं। कलेक्टर ने सड़क के सोल्डर को गुणवत्ता के साथ मजबूत बनाने के निर्देश दिए। जिससे सड़क लंबे समय तक चल सके और सड़क की टिकाऊ क्षमता बढ़ सके। साथ ही आवश्यक स्थानों पर स्पष्ट साइनेज बोर्ड स्थापित करने के निर्देश दिए। जिससे आवागमन करने वालों को किसी प्रकार की समस्या नहीं होनी चाहिए। उन्होंने निर्माण क्षेत्र में उचित बैरिकेटिंग कर कार्य को पूरी तरह सुरक्षित माहौल में संचालित करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने कहा कि पूरे निर्माण कार्य में गुणवत्ता सर्वोपरि रहे और किसी भी चरण में मानकों से समझौता न किया जाए। कलेक्टर ने सभी निर्माणाधीन मार्गों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए। बारिश के पूर्व गुणवत्ता के साथ निर्माणाधीन एवं लंबित कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने ग्रामीणों से भी बातचीत कर सड़क निर्माण के संबंध में उनकी प्रतिक्रिया ली।

बूढ़ादेव पहाड़ी पर लगी आग को वन विभाग ने बुझाया

डोंगरगढ़,28 मार्च

नगर के बीचो बीच स्थित प्राचीन बूढ़ादेव पहाड़ी में देर शाम लगभग 7.30 बजे अचानक भीषण आग लग गई। जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और पूरे पहाड़ी क्षेत्र को अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया। जिसकी सूचना डोंगरगढ़ सामान्य वन मंडल को लगते ही तत्काल पूरी टीम पहुंच आग पर काबू पाया गया। स्थानीय लोगों के अनुसार पहाड़ी पर सूखी घास और झाड़ियों के कारण आग तेजी से फैल रही थी। तेज हवा के चलते लपटें लगातार ऊपर की ओर बढ़ रही थी, जिससे आग पर काबू पाना मुश्किल होता जा रहा था। आग की लपटें और उठता धुआं शहर के कई हिस्सों से साफ दिखाई दे रहा था, जो तेजी से सोशल मीडिया में वायरल हो रहा था जिससे लोगों में दहशत का माहौल बन रहा था। फारेस्ट एसडीओ पूर्णिमा राजपूत ने बताया कि बूढ़ादेव पहाड़ी पर आग लगने की सूचना पर हमारी टीम पहुंची, आग पर जल्द ही नियंत्रण पा लिया गया है। घटना में किसी प्रकार कोई अन्य हानि नहीं हुई है।

सफाई कर्मियों की मौत दुखद पर्याप्त मुआवजा दिया जाए :बबीता कुलदीप

राजनांदगांव ,28 मार्च ■ तरुण छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ में सफाई कर्मियों की लगातार हो रही मौतों को लेकर राज्य सफाई कर्मचारी आंदोलन ने गहरी चिंता और आक्रोश व्यक्त किया है। प्रदेश उपाध्यक्ष बबीता कुलदीप ने रायपुर के रामकृष्ण केयर अस्पताल में हुई सफाई कर्मियों की मौत की घटना को बेहद दुखद बताते हुए मृतकों के परिजनों को पर्याप्त मुआवजा देने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

राज्य सफाई कर्मचारी आंदोलन की प्रदेश उपाध्यक्ष बबीता कुलदीप ने रायपुर स्थित रामकृष्ण केयर अस्पताल में सफाई कर्मियों की मौत की घटना पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि यह घटना न केवल दुखद है बल्कि प्रशासनिक लापरवाही का गंभीर उदाहरण भी है। उन्होंने मांग की कि मृतकों के परिजनों को उचित और सम्मानजनक मुआवजा दिया जाए। ताकि उनके परिवारों को कुछ राहत मिल सके। बबीता कुलदीप ने स्पष्ट कहा कि इस घटना के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए विस्तृत और निष्पक्ष जांच आवश्यक है। उन्होंने आगे बताया कि छत्तीसगढ़ में अब तक 3 सफाई कर्मचारियों की मौत खतरनाक परिस्थितियों में विशेषकर सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान हो चुकी है। इसके बावजूद राज्य सरकार द्वारा मृतकों के आश्रित परिवारों को घोषित मुआवजा पूरी तरह नहीं दिया गया है।

सिमगा में जवारा विसर्जन धूमधाम से किया गया

सिमगा ,28 मार्च ■ तरुण छत्तीसगढ़

चैत्र नवरात्रि के समापन अवसर पर शनिवार को सिमगा नगर सहित आसपास के गांवों में पारंपरिक श्रद्धा और उत्साह के साथ जवारा विसर्जन किया गया। सुबह से ही श्रद्धालु माता दुर्गा की पूजा-अर्चना कर जवारा लेकर जुलूस के रूप में निकले। ढोल-नगाड़ों, जसगीत और भक्ति गीतों के साथ पूरा नगर भक्तिमय माहौल में डूबा रहा।

नगर के प्रमुख मार्गों से होकर निकले जवारा जुलूस में बड़ी संख्या में महिला, पुरुष और युवा शामिल हुए। श्रद्धालु सिर पर जवारा रखकर नाचते-गाते विसर्जन स्थल तक पहुंचे। जगह-जगह स्वागत मंच लगाकर भक्तों का स्वागत किया गया तथा प्रसाद वितरण भी किया गया।

दोपहर बाद सभी जुलूस निर्धारित तालाब एवं नदी घाटों पर पहुंचे, जहां विधि-विधान से जवारा विसर्जन किया गया। प्रशासन द्वारा सुरक्षा और व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार नवरात्रि में बोए गए जवारे समृद्धि और शक्ति के प्रतीक होते हैं, जिन्हें अंतिम दिन जल में विसर्जित किया जाता है।

इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। पूरे क्षेत्र में आस्था, भक्ति और उल्लास का वातावरण देखने को मिला।

सिमगा में राम नवमीं का पर्व धूमधाम से मनाया गया

सिमगा ,28 मार्च ■ तरुण छत्तीसगढ़

पूरे क्षेत्र में राम नवमी का पर्व बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। सुबह से ही मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव के अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना और भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। स्थानीय राम मंदिरों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा कर सुख-समृद्धि की कामना की। दोपहर में भगवान श्रीराम के जन्म के समय शंख, घंटी और जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। इस अवसर पर भव्य शोभायात्रा भी निकाली गई जो राधे कृष्ण मंदिर से निकलकर पुरानी बस्ती मार्ग से होते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रतिनिधि सुनील माहेश्वरी के निवास कार्यालय के पास पंहुची जहां पर सुनील माहेश्वरी एवं नगर पालिका अध्यक्ष हरदीप सिंह भाटिया ने अपने साथी कार्यकर्ताओ के साथ शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया यहां से शोभायात्रा जय स्तंभ चौक पर पहुंची जहां श्रद्धालूओ की भीड़ पहले से ही शोभायात्रा का इंतजार कर रही थी यहां पर भाटापारा के विधायक इंद्र साव के नेतृत्व में शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया गया वहां से शोभायात्रा बिलासपुर रोड से होते हुए सिमगा थाना, बाजार चौक से होते हुए तिल्दा रोड पंहुची जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। शोभायात्रा में भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण और हनुमान की झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। जगह-जगह स्वागत मंच बनाकर श्रद्धालुओं ने शोभायात्रा का स्वागत किया और प्रसाद वितरण किया। प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। पूरे नगर में राम नवमी का उत्साह देखते ही बन रहा था।

दो माह बाद भी गिरफ्तारी नहीं: बोराई पुलिस की कार्यशैली पर उठे बड़े सवाल

नगरी ,28 मार्च ■ तरुण छत्तीसगढ़

बोराई थाना में दर्ज गंभीर आर्थिक अपराध के मामले में दो माह से अधिक समय बीत जाने के बावजूद एक भी आरोपी की गिरफ्तारी न होना अब पुलिस की कार्यशैली पर सीधे सवाल खड़े कर रहा है। मंडी कर अपवंचन जैसे संगीन मामले में जिला प्रशासन की सख्ती के बाद दर्ज एफआईआर अब ठंडे बस्ते में जाती नजर आ रही है, जिससे आमजन के बीच भी असंतोष पनपने लगा है। मामला नगरी कृषि उपज मंडी क्षेत्र का है, जहां प्रशासन ने 22 जनवरी 2026 को बड़ी कार्रवाई करते हुए घुटकेल स्थित थोक धान व्यापारी शिवम ट्रेडर्स को सीलबंद किया था। जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर फर्म संचालक संतोष खंडेलवाल समेत दो अन्य के खिलाफ बोराई थाना में भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4), 338, 339 और 340 के तहत एफआईआर दर्ज कराई गई थी।

जांच में सामने आई गंभीर गड़बड़ियां- अनुविभागीय दंडाधिकारी नगरी के निर्देश पर गठित चार सदस्यीय जांच दल ने 11 जनवरी को फर्म का निरीक्षण किया था। 14 जनवरी को प्रस्तुत रिपोर्ट में चौंकाने वाले खुलासे हुए थे।

ई-मंडी/एग्री पोर्टल के अनुज्ञा पत्रों और स्टॉक पंजी में भारी अंतर पीडीएफ दस्तावेजों में कथित छेड़छाड़ कर धान की मात्रा बढ़ाकर दिखाना बिना वैध अनुज्ञा पत्र के परिवहन चेक पोस्ट पर संशोधित दस्तावेज प्रस्तुत करना

जांच में यह भी पाया गया कि 47 अनुज्ञा पत्रों में हेरफेर कर करीब 5656 क्विंटल धान का अवैध परिवहन किया गया, जिससे लगभग 2.48 लाख रुपये के मंडी कर की चोरी की आशंका है।

जब इस मामले में बोराई थाना प्रभारी से जानकारी ली गई, तो उनका कहना था कि आरोपी फरार हैं और मोबाइल लोकेशन के आधार पर उनकी तलाश की जा रही है।

हालांकि, सूत्रों का दावा इससे बिल्कुल उलट है। सूत्रों के अनुसार, तीनों आरोपियों को कथित तौर पर स्थानीय पुलिस का संरक्षण प्राप्त है, जिसके चलते अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है। यहां सबसे अहम सवाल यही है कि जब मामला स्पष्ट जांच और दस्तावेजी प्रमाणों के आधार पर दर्ज हुआ है, तो आखिर गिरफ्तारी में इतनी देरी क्यों? क्या पुलिस की जांच वाकई कमजोर है? या फिर जानबूझकर कार्रवाई को टाला जा रहा है? अगर आरोपी फरार हैं, तो दो महीने में उन्हें पकड़ने की ठोस रणनीति क्यों नहीं बनी?

एक ओर जिला प्रशासन ने पारदर्शिता और राजस्व सुरक्षा को लेकर सख्ती दिखाई, वहीं दूसरी ओर पुलिस की धीमी कार्रवाई पूरे प्रयास पर सवाल खड़े कर रही है। इससे यह संदेश भी जा रहा है कि बड़े आर्थिक अपराधों में भी आरोपी आसानी से कानून की पकड़ से बच सकते हैं।

इस मामले ने आम लोगों के मन में कानून व्यवस्था को लेकर संदेह पैदा कर दिया है। यदि समय रहते गिरफ्तारी नहीं होती, तो यह न सिर्फ प्रशासन की साख को प्रभावित करेगा बल्कि पुलिस की निष्पक्षता पर भी गहरे सवाल छोड़ जाएगा। अब देखना होगा कि बोराई पुलिस इस मामले में कब तक ठोस कार्रवाई कर अपनी कार्यशैली पर उठ रहे सवालों का जवाब देती है, या फिर यह मामला भी फाइलों में ही दबकर रह जाएगा।

सांकरा बांध में मखाना खेती की शुरुआत, स्व-सहायता समूहों को मिलेगा रोजगार

नगरी/सांकरा ,28 मार्च ■ तरुण छत्तीसगढ़

ग्राम पंचायत सांकरा के बांध में मखाना खेती की विधिवत पूजा-अर्चना के साथ आज शुभारंभ किया गया। इस पहल के तहत स्व सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा मखाना के बीज डाले गए, जिससे क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर सृजित होने की उम्मीद जताई जा रही है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण सार्वा सहित जनप्रतिनिधि और ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अरुण सार्वा ने कहा कि सांकरा में मखाना खेती से आसपास के स्व सहायता समूहों को स्थायी रोजगार मिलेगा और महिलाओं की आजीविका मजबूत होगी। उन्होंने बताया कि इस पहल से 17 स्व सहायता समूहों की लगभग 200 महिलाएं जुड़ी हुई हैं, जो आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

ज्ञात हो कि मखाना खेती को बढ़ावा देने के लिए जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा स्वयं के व्यय से तालाब निर्माण कराया गया तथा केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान को भी इस संबंध में अनुशंसा की गई थी। उनके धमतरी दौरे के दौरान मखाना से बनी पुष्पमाला पहनाकर इस पहल की जानकारी दी गई थी। योजना के अनुसार सांकरा बांध में लगभग 100 एकड़ क्षेत्र में मखाना खेती की जाएगी, जिसकी शुरुआत फिलहाल 25 से 30 एकड़ में की गई है। यह खेती क्षेत्र में पहली बार हो रही है, जिसे लेकर महिलाओं और ग्रामीणों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य एवं वन सभापति अजय ध्रुव, जनपद उपाध्यक्ष हृदय साहू, जनपद सदस्य राजेश नाथ गोसाई, प्रेमलता नागवंशी, सरपंच नागेंद्र बोरझा, ग्राम विकास समिति अध्यक्ष गिरवर भंडारी सहित भाजपा नगरी मंडल महामंत्री सुलोचना साहू, जन्मजय साहू, सतीश साहू, जनक साहू एवं जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। स्थानीय लोगों ने इस पहल का स्वागत करते हुए इसे क्षेत्र के विकास, आत्मनिर्भरता और रोजगार सृजन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है।

महावीर जयंती पर 31 मार्च को मटन मार्केट बंद

राजनांदगांव 28 मार्च। राज्य शासन के निर्देशानुसार जैनों के 24वें तीर्थकर अहिंसा के अवतार भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याण दिवस पर्व के उपलक्ष्य में 31 मार्च 2026 दिन मंगलवार को नगर निगम सीमाक्षेत्र में स्थित पशुवध गृह एवं मटन मार्केट पूर्णरूपेण बंद रहेंगे। नगर निगम आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा ने स्वास्थ्य विभाग को उक्त दिवस पर पशुवध एवं विक्रय कार्य पूर्णतः प्रतिबंधित सुनिश्चित करने कहा है। आयुक्त श्री विश्वकर्मा ने स्वास्थ्य विभाग को उक्त दिवस पर मांस विक्रय करते पाये जाने पर मांस जप्त करने एवं संबंधित के विरूद्ध यथोचित कानूनी कार्यवाही करते हुये 5 हजार रूपये तक जुर्माना करने के निर्देश दिये है।

तारीफ तब होती है जब आदमी सफल होता है

विश्व राजनीति हो या देश की अंदरूनी राजनीति हो,किसी नेता की तब ही तारीफ की जाती है जब जो काम हाथ में लेता है, उसे पूरा करके दिखाता है।जो लक्ष्य तय किया उसे हासिल करके दिखाता है। जो कहा उसे करके दिखाता है। ऐसे नेता पर विश्व भी भरोसा करता है और देश भी भरोसा करता है। ऐसे नेता से ही यह उम्मीद की जाती है कि जो काम कोई और नेता नहीं कर पा रहा है, उसे यह नेता कर सकता है।उसके बारे में एक के बाद एक नेता कहते रहते हैं, उम्मीद जताते रहते हैं कि इस नेता को आगे आकर यह काम करना चाहिए। विश्व में इस समय ईरान,इजराइल व अमरीका के युध्द के कारण संकट में है। ऊर्जा सप्लाई बाधित होने से सभी देश कम ज्यादा प्रभावित हैं। ऐसे में विश्व के कई लोग कह चुके हैं कि पीएम मोदी ही यह युध्द रुकवा सकते हैं। उनको आगे आकर यह युध्द रुकवाने का प्रयास करना चाहिए। जब दुनिया के कई देश के नेता यह कहते हैं कि युध्द पीएम ही रुकवा सकते हैं तो यह देश के लोगों के लिए जहां गौरव की बात होती है वहीं कांग्रेस यह सुनकर जलभुन जाती है क्योंकि वह आज तक पीएम मोदी को असफल नेता मानती आई है और वह आए दिन हर मसले पर बयान देती रहती है कि पीएम मोदी इस मामले असफल है।

पीएम मोदी विदेश नीति मामले में असफल हैं।वह अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप के इस बयान पर तो यकीन करती है कि भारत पाक युध्द मैंने रुकवा दिया और पीएम मोदी पर आरोप लगाती है कि पीएम मोदी ने ट्रंप के सामने सरेंडर कर दिया। लेकिन वही ट्रंप जब यह कहते हैं कि विश्व में पीएम मोदी और मैं ही ऐसे दो नेता हैं जो काम हाथ में लेते हैं उसे पूरा करके दिखाते हैं।यह बात विश्व के और किसी नेता के बार में नहीं कही जा सकती। इस पर कांग्रेस यकीन नही करेगी, नहीं कहेगी की ट्रंप सच कह रहे हैं। कांग्रेस को ट्रंप तब सच कहते हुए लगते हैं जब उनके बयान के आधार पर पीएम मोदी को नीचा दिखाया जा सकता है,असफल बताया जा सकता हो।कांग्रेस तो ऐसे मौके की तलाश में रहती है जब वह पीएम को असफल बता सके। कंप्रोमाइस्ड नेता बता सके।हाल ही में कांग्रेस को ऐसा मौका फिर मिला जब अमरीका ने पाकिस्तान को ईरान से शांति वार्ता के लिए मैसेंजर की भूमिका सौंपी तो कांग्रेस की तरफ से कहा गया कि प.एशिया में शांति बहाली के लिए आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देने वाले पाकिस्तान का नाम सामने आना भारत की कूटनीतिक विफलता है। इससे पाकिस्तान विश्व मंच पर प्रासंगिक बनता जा रहा है।मोदी सरकार की कूटनीति,वैश्विक संपर्क और नैरेटिव प्रबंधन की कमजोरियों के कारण एक अस्थिर देश को पाकिस्तान को ब्रोकर की भूमिका मिल गई है। इससे भारत की विदेश नीति पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। कांग्रेस भूल सकती है कि पाकिस्तान तो कठपुतली है, उससे जो कहा जाता है वह करता है। अभी अमरीका ने उससे कहा कि शांति की संदेश ईरान को देना है तो वह देने को तैयार हो गया। उसकी कोई स्वतंत्र विदेश नीति नहीं है इसलिए वह इंकार नहीं कर सकता।उसकी कोई हैसियत विश्व में नहीं है, इसलिए ईरान ने ही साफ कह दिया कि उसे पाकिस्तान पर भरोसा नहीं है। कहां कांग्रेस मान रही थी कि विश्व में पाकिस्तान को महत्व मिल रहा है, कहां ईरान ने बात करने से ही मना कर दिया। इससे कांग्रेस की सोच पर देश के लोगों को हंसी आती है कि देश की सबसे पुरानी पार्टी मोदी से नफरत से चलते देश को भी कई बार नीचा दिखाने से बाज नही आती है। वह पीएम मोदी को असफल बताने के लिए देश को असफल बताने लगती है। इस नफरत के कारण वह समझ नहीं पाती है कि पाकिस्तान शांति के लिए मध्यस्थ हो ही नहीं सकता। वह डाकिया हो सकता है। पाकिस्तान और भारत की कोई तुलना नहीं हो सकती। पाकिस्तान की कोई स्वतंत्र विदेश नीति नहीं है,जबकि भारत की स्वतंत्र विदेश नीति है। यही वजह है कि भारत अमरीका की कोई भी बात मानने से मना कर सकता है और फिर भी अमरीका भारत के पीएम की तारीफ कर सकता है।यह तारीफ इसीलिए होती है कि पीएम मोदी शांति व संवाद पर यकीन रखने वाले नेता हैं और वह दुनिया में शांति के लिए कई देशों से संवाद करते रहते है।वह हर देश से बात करने की क्षमता रखते हैं। हर देश उनकी बात सुनता भी है और मानता भी है क्योंकि वह विश्व के हित में बात करते है। जब युध्दरत देश शांति चाहेंगे तो ही मोदी पीसमेकर की भूमिका निबाहने सामने आएंगे। कांग्रेस चाहती है कि वह पाकिस्तान के पीएम की तरह भूमिका निबाहें तो यह कांग्रेस की सोच है, पीएम मोदी की सोच कांग्रेस की सोच से बेहतर है। कांग्रेस उनके समान सोच नहीं सकती।

धर्म या धंधा

धर्म की आड़ में अधर्म और अमानवीयता के धंधेबाज

मनोज कुमार अग्रवाल

इक्कीसवीं सदी में पहुंच कर भी भारतीय समाज का एक बड़ा हिस्सा आज भी टोना टोटका डायन भूत प्रेत और बाबाओं के चमत्कार पर भरोसा रखता है इतना ही नहीं ये संत

के चोले में छिपे शैतान न सिर्फ अरबों करोड़ों की संपत्ति इकठ्ठा कर रहे हैं वरन हर तरह की पोपलीला भी टकर रहे हैं धर्म की आड़ में आर्थिक दैहिक शोषण बलात्कार, हत्या, ब्लैकमेलिंग करने जैसे गंभीर अपराधों को अंजाम देने वाले ढोंगी बाबाओं की सूची में अब एक नया नाम नासिक के अशोक खरात का जुड़ गया है। अशोक खरात की कहानी भी राम रहीम और आसाराम जैसे लोगों से अलग नहीं है। धर्म के नाम पर अपनी निजी जीवन की परेशानियों के निराकरण के लिए बाबा पर भरोसा कर आए लोगों को वाकजाल में फंसाना, उनसे धन ऐंठना और महिलाओं का यौन शोषण करना धंधा बन गया है । अब सामने आया है कि लम्बे समय से ये अपराध होते रहें और ढोंगी व्यक्ति खुद को भगवान बताकर चमत्कार दिखाता रहे तो यह न स्वस्थ समाज की पहचान है, न स्वस्थ राजनीति और प्रशासन की। क्योंकि ताकतवर लोगों के प्रोत्साहन के बिना ठगी और अपराध की ऐसी दुकानें चल ही नहीं सकतीं। हो सकता है कि अभी पुलिस हिरासत में आए इस अपराधी को कुछ वक्त तक सलाखों के पीछे ही रहना पड़े, लेकिन इस समय ज्यादा चिंता की बात यह है कि समाज जिस तरह चमत्कारों, अंधविश्वासों और अतार्किक प्रथाओं की सलाखों में कैद है, उससे वह कब आजाद हो पाएगा।

कितनी बड़ी विडंबना है कि जिस महाराष्ट्र में संत तुकाराम संत नामदेव महात्मा ज्योतिबा फुले, सावित्रीबाई फुले, जैसे महापुरुषों की कतार दी, वहां अशोक खरात लोगों को अंधविश्वास की आग फैलाने का मौका मिला। नरेन्द्र दाभोलकर जैसे लोग अंधश्रद्धा के खिलाफ आवाज उठाएं तो उनकी हत्या कर दी जाए और अशोक खरात जैसे लोग अंधश्रद्धा के बूते खुद को गॉडमैन कहलवाएं। यह बेहद हैरत की बात है क्योंकि सरकारें भी ऐसी बातों पर तभी एक्शन लेती है जब बात बहुत आगे बढ़ जाती है। यूं तो देश का राजनीतिक दल इस किस्म के बाबाओं से खुद को दूर रखा है, हर दल में ऐसे नेता मिल जाएंगे, जो ढोंगी चोगों को बढ़ावा देते रहे हैं। लेकिन पिछले कुछ सालों में समस्या कुछ ज्यादा बढ़ चुकी है, यह मानने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए।

आज जब राष्ट्रपति के गरिमामयी पद पर आसीन माननीय किसी संत के स्थान पर आकर कथित एकांतिक वार्तालाप के लिए समय दे रहीं हैं ऐसे समय में समाज संत और कालनेमी संत की पहचान कैसे करे? विचारणीय बात यह है कि भगवदभक्ति में लगे लोगों को भौतिक चकाचौंध की दरकार क्यों होनी चाहिए। लेकिन इस सवाल की परतें खोलें तो समझ आता है कि ऐसे लोगों को न भगवदभक्ति से मतलब है, न धर्म की रक्षा से, इन्हें तो अपने उन राजनैतिक और व्यापारी आकाओं की सेवा करनी है, जिनके काले धन को धर्म के धंधे से ये सफेद करते हैं। अशोक खरात का मामला भी कुछ ऐसा ही लगता है।

ताज़ा जानकारी के अनुसार नासिक में कथित 'फर्जी बाबा' अशोक खरात के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नरबलि और अंधश्रद्धा से जुड़े गंभीर आरोपों में मामला दर्ज किया है. नासिक पुलिस ने खरात के खिलाफ अब तक कुल 8 एफआईआर दर्ज की हैं, जिससे इस मामले की गंभीरता और बढ़ गई है. पुलिस ने आरोपी की लाइसेंसी रिवॉल्वर भी जब्त कर ली है और उसका लाइसेंस रद्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. पुलिस के मुताबिक, ताजा एफआईआर उस व्यक्ति की शिकायत पर दर्ज की गई है, जिसके खिलाफ पहले अशोक खरात ने खुद मामला दर्ज कराया था. अब उसी व्यक्ति ने खरात पर संगीन आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है. शिकायत में दावा किया गया है कि 2018 से 2025 के बीच आरोपी ने जान से मारने की धमकी देकर शिकायतकर्ता से भारी आर्थिक ठगी की आरोप है कि फरवरी 2020 से मार्च 2026 के बीच आरोपी ने एक महिला को अपने ऑफिस बुलाया. तांबे की बोतल में 'मंत्रित

पानी' पिलाया गया. इसके बाद धार्मिक अनुष्ठान के नाम पर बार-बार शारीरिक संबंध बनाए. जब पीड़िता गर्भवती हुई तो बाद में गर्भपात के लिए दबाव डाला गया. मना करने पर जान और बच्चे को खतरे की धमकी दी गई. इस प्राथमिक रिपोर्ट में आरोप है कि 'दिव्य औषधि'के नाम पर महिला का मानसिक और शारीरिक शोषण किया गया.

स्वयंभू चमत्कारी बाबा यह शख्स अब महिलाओं के साथ शारीरिक शोषण, ब्लैकमेलिंग और करोड़ों की बेनामी संपत्ति बनाने के आरोपों में घिरा हुआ है। दरअसल 29 दिसंबर 2025 को अशोक खरात खुद वावी पुलिस स्टेशन पहुंचा और उसने शिकायत दर्ज कराई कि कुछ लोग उसके आपत्तिजनक फोटो और वीडियो के जरिए उसे ब्लैकमेल कर रहे हैं। शुरुआत में मामला ब्लैकमेलिंग का लगा, लेकिन जब पुलिस ने जांच शुरू की तो मोबाइल डेटा और साइबर जांच में कोई ठोस सबूत नहीं मिला। जिन लोगों पर आरोप लगाए गए थे, उन्हें भी अदालत से राहत मिल गई। यहीं से पुलिस को शक हुआ कि मामला कुछ और ही है। करीब डेढ़ महीने बाद 18 फरवरी 2026 को शिर्डी से एक और शिकायत सामने आई। एक महिला ने आरोप लगाया कि उसे एआई से तैयार अश्लील फोटो भेजकर धमकाया गया। इसी दौरान एक अहम गवाह सामने आया, जिसने पुलिस को कुछ ऐसे वीडियो दिखाए जिनमें कई महिलाओं के साथ अशोक खरात की आपत्तिजनक हरकतें नजर आई।

आरोप है कि वह महिलाओं को धार्मिक झांसा देकर अपने जाल में फंसाता था और फिर उनका शोषण करता था। गवाह पहले डरा हुआ था, लेकिन पुलिस की सुरक्षा मिलने के बाद उसने ये सबूत सौंप दिए। मामला आगे बढ़ा तो 10 मार्च 2026 को अशोक खरात के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया और एयरपोर्ट पर उसे रोक दिया गया। फिर फड़नवीस सरकार ने 13 मार्च को एसआईटी गठित की और लगातार नए खुलासे सामने आने लगे। 17 मार्च को सरकारवाड़ा पुलिस स्टेशन में एक महिला ने बताया कि अशोक खरात ने खुद को दैवी शक्तियों वाला बताकर उसे अनुष्ठान के नाम पर अपने ऑफिस बुलाया। वहां उसे नशीला पदार्थ देकर बेहोश किया गया और उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया गया।

इस शिकायत के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उसके ठिकानों पर छापेमारी की गई, जहां से कई अहम सबूत मिले। आरोपी के पास से लाखों रुपये नकद, लैपटॉप, डिजिटल रिकॉर्डिंग डिवाइस और हथियार तक बरामद किए गए हैं। जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ी, यह भी सामने आया कि आरोपी ने अलग-अलग जगहों पर करोड़ों की संपत्ति जमा कर रखी है। नासिक, शिर्डी, पुणे और पनवेल जैसे शहरों में जमीन, बंगले और फार्महाउस उसके नाम या बेनामी रूप से जुड़े हुए पाए गए। कुल संपत्ति का अनुमान करीब 40 करोड़ रुपये से ज्यादा लगाया जा रहा है।

पुलिस का आश्वासन मिलने के बाद अब कई पीड़िताएं सामने आई हैं और जादूटोना, यौन शोषण और ब्लैकमेलिंग जैसे गंभीर आरोप खरात पर लगे हैं। सबसे गंभीर बात यह है कि एनसीपी अजित गुट की नेता और महाराष्ट्र महिला आयोग की अध्यक्ष रूपाली चाकणकर का भी एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वो अशोक खरात के पैर धोती दिखाई दे रही हैं। हालांकि अब देवेन्द्र फड़नवीस ने उचित कदम उठाते हुए चाकणकर से इस्तीफा ले लिया है। वहीं चाकणकर का भी कहना है कि वो आरोपी को 2019 से जानती थीं और उसके काले कारनामों से परिचित नहीं थी। लेकिन उन्हें यह भी बताना चाहिए कि किसी पुरुष के पैर धोने जैसे काम क्या राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष को करना चाहिए। क्या इससे गैरबराबरी का संदेश नहीं जाता है।

बहरहाल अब अशोक खरात तो पुलिस हिरासत में है, इस मामले में अब जांच का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। पहले इस केस की आंच राजनीति तक पहुंची थी और अब प्रशासनिक अधिकारी भी इसकी चपेट में आते नजर आ रहे हैं। इसी क्रम में मुंबई में उपजिलाधिकारी के पद पर कार्यरत अधिकारी अभिजीत भांडे पाटिल का तबादला कर दिया गया है। सरकार ने उनकी प्रतिनियुक्ति को तत्काल प्रभाव से समाप्त करते हुए उन्हें मंत्रालय भेजने के आदेश जारी किए हैं।लेकिन क्या एक अशोक खरात की गिरफ्तारी और सजा के बावजूद समाज से अंधविश्वास खत्म हो पाएगा, या समाज में धार्मिक चोले में रंगे शियार ऐसे ही धर्म को धंधा बना कर दैहिक मानसिक व आर्थिक शोषण कर फाइव स्टार सुविधा वाले महलनुमा आश्रमों में रंगरेलियां मनाते रहेंगे? (लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 38 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता से जुड़े हैं) सम्पर्क 9219179431 journalist-manoj453@gmail.com

आज का राशिफल

मेष राशिः आज आप पिता का कोई जरूरी काम पूरा करायेंगे। जीवनसाथी के साथ रिश्तों में और मधुरता बढ़ेगी। आज आपके मन में नए-नए विचार आयेंगे, लेकिन आपको अपने मन को नियंत्रित करना होगा। किसी के साथ बहसबाजी में ना पड़े। वैवाहिक जीवन को बेहतर बनाने के लिए किसी भी तरह की गलतफ़हमी ना पालें। आज आप किसी नए कार्य की योजना बनायेंगे। राम जी के दर्शन करें, रुके हुए कार्य पूरे होंगे।

वृष राशिः आज नवरात्र के नौवें दिन भगवान श्रीराम की कृपा आप पर बनी रहेगी। आज आप सभी कार्यों में बहुत हद तक सफल रहेंगे। इस राशि की महिलाओं को आज के दिन कोई खुशखबरी मिलेगी। आज आपका आर्थिक पक्ष पहले की अपेक्षा और भी बेहतर होगा। आपको माता-पिता का सहयोग मिलेगा जिससे आप जीवन में आगे बढने में सक्षम होंगे। कई दिनों से ऑफिस का रुका कार्य पूरा हो जाने से राहत महसूस करेंगे। भगवान श्री राम को खीर का भोग लगायें, समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मिथुन राशिः आज प्रॉपर्टी लेने का मन बनायेंगे। कोई रूका हुआ काम पूरा होने से आपको ख़ुशी मिलेगी। शाम तक आपको कोई शुभ समाचार प्राप्त होगा, जिससे घर का माहौल खुशियों से भर जायेगा। आसपास के लोग आपके व्यक्तित्व से प्रसन्न होंगे। आज आप ताजगी से परिपूर्ण रहेंगे। दाम्पत्य जीवन में नयी-नयी खुशियाँ आयेंगी। लवमेट के लिये आज का दिन अच्छा है। अपने इष्ट देव को प्रणाम करें, आपका दिन अच्छा रहेगा।

कर्क राशिः घर के सहयोग से आप हर चीज़ को अच्छे से संभालने में सफल होंगे। आज आप किसी बात को लेकर विचारों में खोए रहेंगे। आज नए लोगों से आपकी मुलाकात होगी, जो आगे चलकर आपके व्यापार में धन लाभ करायेंगे। घर पर किसी पार्टी के आयोजन का प्लान बनायेंगे। आज नवरात्रि के नौवें दिन घर में किसी धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन करने का मन बनायेंगे। आज के दिन श्री राम जी को चने से बने सत्तू का भोग लगायें, आप हर काम को अच्छे से पूरा करेंगे।

सिंह राशिः आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आपको कुछ जरूरी कार्यों में दोस्तों की मदद मिलेगी। कई दिनों से अटका हुआ पैसा आज आपको वापस मिलेगा। स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बेहतर परिणाम लेकर आया है। पहले दी हुई किसी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति में स्थिरता बनी रहेगी। परिवार में सुखद वातावरण का माहौल रहेगा। आज आपकी रुचि किसी धार्मिक कार्य में रहेगी। घर पर हवन करें, व्यापार में वृद्धि होगी।

कन्या राशिः आपको अपनी कार्य कुशलता में बढ़ोतरी करने की जरूरत है। आज लोगों के बीच आपके काम की तारीफ होगी। वहीं आर्थिक लाभ पाने के लिए आज आपको थोड़ी ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। आप किसी नए कार्य को लेकर योजना बनायेंगे। आज वाहन चलाते समय सावधानी ज़रूर बरतें। किसी मामले पर आपको बातचीत करते समय अपनी वाणी पर संयम बरतना चाहिए। व्यापार में अच्छा धन लाभ होने के योग बने हुये है। गायत्री मन्त्र का जप करें, विरोधियों से छुटकारा मिलेगा।

तुला राशिः आज बच्चों के किसी काम में आपके पैसे खर्च होंगे। आपके व्यवहार से कुछ लोग आज काफी प्रभावित होंगे। लोगों से आपको काम में मदद मिलेगी। आपसी विश्वास के सहारे आपके रिश्तों में मजबूती आयेगी। आपकी कोई खास इच्छा जो काफी समय से अधूरी थी वो आज पूरी होगी। ऑफिस में अधिकारियों से मिला सहयोग आपके उत्साह में इजाफ़ा करेगा। काम के मामले में आपको अनुभवी लोगों से सम्पर्क बढ़ाने की जरूरत है। घर के बड़ों का आशीर्वाद लें, पूरे दिन मन प्रसन्न रहेगा।

वृश्चिक राशिः अगर आप किसी से अपने दिल की बात कहना चाहते हैं, तो आज का दिन आपके लिये बहुत ही अच्छा रहने वाला है। ऑफिस में आपके काम की तारीफ होगी। इससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। पारिवारिक रिश्ते आज और बेहतर होंगे। कलात्मक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। किसी नए प्रोजेक्ट को शुरू करने से पहले मित्रों से सलाह करेंगे। आज पूरे दिन आपका मन पूजा पाठ में लगा रहेगा। राम रक्षास्त्रोत का पाठ करें, समस्त कार्यों में सफलता मिलती रहेगी।

धनु राशिः आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज आपके परफॉरमेंस से लोग प्रभावित होंगे। व्यवसाय में आपको फायदा हो सकता है। ऑफिस में किसी जरुरी काम को पूरा करने के लिए किसी सहकर्मी की मदद मिलेगी और आपको कार्य में सफलता भी हासिल होगी। आज किसी से भी बेवजह उलझने से बचें। आज अपने स्वास्थ्य का खास ख्याल रखने की जरूरत है। शाम को परिवार के सदस्यों के साथ किसी महत्वपूर्ण विषय पर बातचीत करेंगे। जरूरतमंद को जौ दान करें, व्यापार में बढ़ोतरी होगी।

मकर राशिः आज आप अपने जीवनासाथी से बिजनेस की कोई बात शेयर करेंगे। पारिवारिक काम को पूरा करने में घर के सभी सदस्यों का सहयोग प्राप्त होगा। आज आपके सहपाठी किसी प्रश्न को समझने के लिए आपसे मदद लेंगे। इस राशि के छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। सेहत के लिहाज से आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज परिवार सहित माता सिद्धिदात्री की आरती करें, आर्थिक स्थिति अच्छी होगी।

कुंभ राशिः आज आप कोई नया बिजनेस शुरू करने के बारे में सोचेंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आज आपके भाग्य के सितारे बुलंद होंगे। आज आपके सभी कार्य सिद्ध होंगे और आपका दिन शानदार रहेगा। नवविवाहित दंपत्ति के रिश्तें में मिठास बढ़ेगी। आज का दिन व्यावसायिक प्रगति के साथ-साथ स्वास्थ्य के लिहाज़ से सफल रहेगा। आज ऑफिस में आपके कार्यों की प्रशंसा होगी। आज आपकी मुलाकात अपने पुराने दोस्तों से हो सकती है। माता के दर्शन करें, जीवन में खुशियां बनी रहेंगी।

मीन राशिः आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। जीवनसाथी के साथ आपके रिश्ते मजबूत होंगे। किसी काम में की गई मेहनत आज रंग लायेगी। करियर के लिए आज का दिन फेवरेबल रहेगा। ऑफिस में अधूरे पड़े कार्य आज पूरे हो जाएंगे, काम में सीनियर्स का पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। वहीं अगर बिजनेस करते हैं तो आज धन लाभ होने की संभावना है। सरकारी संस्थान से जुड़े लोगों का दिन शानदार रहेगा। आज आपको ऑफिस का काम घर पर ही करना पड़ेगा।

शब्द सामर्थ्य -356

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 355 का हल

सु- दोकु क्र.356

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

सु-दोकु क्र.355 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

धर्म, जाति और धर्मांतरणः सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक निर्णय

ललित गर्ग

धर्म, जाति और धर्मांतरण का प्रश्न भारत के सामाजिक, संवैधानिक और राष्ट्रीय जीवन से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील और जटिल विषय है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया यह निर्णय कि यदि अनुसूचित जाति का कोई व्यक्ति हिन्दू, सिख या बौद्ध धर्म छोड़कर किसी अन्य धर्म को स्वीकार कर लेता है तो वह अनुसूचित जाति का संवैधानिक दर्जा और उससे जुड़े लाभों का अधिकारी नहीं रहेगा, केवल एक सामान्य कानूनी निर्णय नहीं है, बल्कि यह भारतीय संविधान की मूल भावना, सामाजिक न्याय की अवधारणा और राष्ट्रीय एकता की आवश्यकता को ध्यान में रखकर दिया गया एक दूरगामी और ऐतिहासिक निर्णय है। इस निर्णय को भारतीय न्याय व्यवस्था की परिपक्वता, संतुलन और दूरदर्शिता का प्रतीक कहा जा सकता है।

भारत में अनुसूचित जाति की व्यवस्था का निर्माण किसी धर्म विशेष को लाभ देने के लिए नहीं किया गया था, बल्कि उन सामाजिक वर्गों को संरक्षण और अवसर देने के लिए किया गया था, जो सदियों से सामाजिक भेदभाव, अस्पृश्यता और सामाजिक बहिष्कार का सामना करते रहे थे। संविधान निर्माताओं ने यह माना था कि समाज में जो ऐतिहासिक अन्याय और सामाजिक असमानता रही है, उसे दूर किए बिना वास्तविक समानता स्थापित नहीं की जा सकती। इसी कारण आरक्षण और विशेष कानूनी संरक्षण की व्यवस्था की गई। यह व्यवस्था मूलतः सामाजिक भेदभाव पर आधारित थी, आर्थिक आधार पर नहीं। इसलिए अनुसूचित जाति का प्रश्न धर्म से अधिक सामाजिक संरचना से जुड़ा हुआ था। जब कोई व्यक्ति धर्म परिवर्तन कर ऐसे धर्म को स्वीकार करता है, जहां जाति व्यवस्था को मान्यता नहीं दी जाती, तो फिर यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या उसे उसी आधार पर अनुसूचित जाति के लाभ मिलते रहने चाहिए। इसी प्रश्न को लेकर वर्षों से देश में बहस चलती रही है। कई मामलों में यह देखा गया कि व्यक्ति ने धर्म परिवर्तन कर लिया, वह दूसरे धर्म की धार्मिक और सामाजिक व्यवस्था में सक्रिय भी हो गया, लेकिन वह अनुसूचित जाति के आरक्षण, छात्रवृत्ति, नौकरी में आरक्षण और एससी/एसटी एक्ट जैसे कानूनों का लाभ लेना चाहता था। इससे एक प्रकार की कानूनी और सामाजिक विसंगति उत्पन्न हो रही थी। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इसी विसंगति को दूर करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है और यह स्पष्ट करता है कि संविधान द्वारा दी गई सुविधाओं का उपयोग उसी सामाजिक संदर्भ में किया जा सकता है, जिसके लिए वे बनाई गई थीं। धर्मांतरण का प्रश्न भारत में केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं रहा है, बल्कि कई बार यह सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और जनसंख्या संतुलन से भी जुड़ जाता है। देश के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषकर गरीब, वंचित और अनुसूचित जाति तथा जनजाति वर्गों में धर्मांतरण की घटनाएँ समय-समय पर सामने आती रही हैं। कई बार धर्मांतरण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक सहायता के माध्यम से हुआ, तो कई बार लालच, प्रलोभन, दबाव या सामाजिक परिस्थितियों के कारण भी धर्म परिवर्तन के आरोप लगे। इसी कारण कई राज्यों ने धर्मांतरण को नियंत्रित करने के लिए कानून बनाए, ताकि बल, प्रलोभन या धोखे से होने वाले धर्म परिवर्तन को रोका जा सके, लेकिन इन कानूनों का प्रभाव उतना व्यापक नहीं हो पाया जितनी अपेक्षा थी।जब किसी विशेष सामाजिक वर्ग का बड़े पैमाने पर धर्म परिवर्तन होता है, तो उसका प्रभाव केवल धर्म पर ही नहीं पड़ता, बल्कि जातीय संरचना, सामाजिक संतुलन, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और सामाजिक संबंधों पर भी पड़ता है। धीरे-धीरे यह स्थिति सामाजिक और धार्मिक संतुलन को प्रभावित करने लगती है। भारत जैसे बहुधर्मी और बहुजातीय देश में सामाजिक और धार्मिक संतुलन का बने रहना राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए अत्यंत आवश्यक है। यदि समाज लगातार जाति, धर्म और वर्ग के आधार पर बदलता और विभाजित होता रहेगा, तो इसका प्रभाव सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता पर पड़ना स्वाभाविक है। इस दृष्टि से धर्मांतरण का प्रश्न केवल व्यक्तिगत स्वतंत्रता का प्रश्न नहीं रह जाता, बल्कि यह सामाजिक और राष्ट्रीय संतुलन का भी प्रश्न बन जाता है।

आरक्षण व्यवस्था का उद्देश्य भी यही था कि जो लोग सामाजिक रूप से वंचित हैं, उन्हें शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सम्मान के क्षेत्र में अवसर मिल सके। लेकिन यदि धर्म परिवर्तन के बाद भी लोग आरक्षण का लाभ लेते रहेंगे, तो इससे आरक्षण व्यवस्था का मूल उद्देश्य प्रभावित होगा और वास्तविक जरूरतमंद लोगों के अधिकारों पर भी प्रभाव पड़ेगा। इससे समाज में असंतोष और असंतुलन भी उत्पन्न हो सकता है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय आरक्षण व्यवस्था को अधिक न्यायसंगत, पारदर्शी और उद्देश्यपूर्ण बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण माना जा सकता है। यह निर्णय यह स्पष्ट करता है कि संविधान की सुविधाएँ अधिकार हैं, लेकिन उनका दुरुपयोग नहीं होना चाहिए। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विविधता में एकता है। यहां अनेक धर्म, जातियां, भाषाएं और संस्कृतियां होते हुए भी देश एक है। लेकिन यदि धर्म, जाति और जनसंख्या संतुलन को लेकर लगातार राजनीतिक और सामाजिक प्रयोग होते रहेंगे, तो इससे राष्ट्रीय एकता प्रभावित हो सकती है। धर्मांतरण यदि पूरी तरह से व्यक्तिगत आस्था और विचार की स्वतंत्रता के आधार पर हो तो वह व्यक्ति का अधिकार है, लेकिन यदि वह लालच, भय, दबाव, सामाजिक अलगाव या राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित हो, तो वह केवल धार्मिक परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय संतुलन को प्रभावित करने वाली प्रक्रिया बन जाता है। इसलिए इस विषय पर संतुलित, संवेदनशील और राष्ट्रीय दृष्टि से विचार करना आवश्यक है।

सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में महत्वपूर्ण है। यह निर्णय केवल यह नहीं कहता कि धर्म परिवर्तन के बाद अनुसूचित जाति का दर्जा समाप्त हो जाएगा, बल्कि यह निर्णय संविधान की मूल भावना को भी स्पष्ट करता है कि सामाजिक न्याय का आधार सामाजिक वास्तविकता है, न कि केवल कानूनी तकनीक। यह निर्णय यह भी स्पष्ट करता है कि संविधान द्वारा दी गई सुविधाओं का उद्देश्य समाज में समानता और न्याय स्थापित करना है, न कि कानूनी व्यवस्था का दुरुपयोग होने देना। आज भारत एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है, जहां कानून, संविधान और न्याय व्यवस्था केवल तकनीकी व्याख्याओं तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि सामाजिक वास्तविकता, राष्ट्रीय हित और सामाजिक संतुलन को ध्यान में रखकर निर्णय दिए जा रहे हैं। इस दृष्टि से यह निर्णय नए भारत की कानूनी सोच और संवैधानिक दृष्टि का प्रतीक भी कहा जा सकता है। यह निर्णय यह संदेश देता है कि सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय एकता दोनों साथ-साथ चल सकते हैं और संविधान दोनों की रक्षा करने में सक्षम है। अंततः यह कहा जा सकता है कि धर्म, जाति, आरक्षण और धर्मांतरण का प्रश्न भारत में लंबे समय से विवाद और बहस का विषय रहा है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इस जटिल विषय को स्पष्ट करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम है। इससे न केवल आरक्षण व्यवस्था अधिक स्पष्ट और न्यायसंगत बनेगी, बल्कि धर्मांतरण और कानूनी लाभ के बीच जो विसंगतियाँ थीं, वे भी काफी हद तक समाप्त होंगी।

पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में बड़ी कटौती बस्तर सांसद ने बताया ऐतिहासिक फैसला

■ नरेंद्र मोदी सरकार के निर्णय पर सांसद महेश कश्यप ने जताया आभार, श्रीराम नवमी पर जनता को मिला बड़ा तोहफा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर,28 मार्च। केंद्र की भारत सरकार द्वारा पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में की गई बड़ी कटौती को बस्तर लोकसभा सांसद महेश कश्यप ने ऐतिहासिक और जनहितैषी निर्णय बताया है। उन्होंने इस फैसले के लिए बस्तर लोकसभा क्षेत्र की जनता की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया है।सांसद कश्यप ने कहा कि केंद्र सरकार ने ईंधन की कीमतों को नियंत्रित करने के उद्देश्य से उत्पाद शुल्क में अभूतपूर्व कमी की है। उनके अनुसार पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी में 10 रुपये की कटौती कर इसे घटाकर 3 रुपये कर दिया गया है, जबकि डीजल पर लगने वाले शुल्क को पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि राम नवमी के पावन अवसर पर लिया गया यह निर्णय देश की 140 करोड़ जनता के

लिए किसी बड़े उपहार से कम नहीं है।सांसद ने केंद्र सरकार की सराहना करते हुए कोरोना काल की विषम परिस्थितियों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक महामारी छ्हङ्कद्धष्ठ-19 का सफलतापूर्वक सामना किया। इस दौरान करोड़ों लोगों को मुफ्त राशन और स्वदेशी वैक्सीन उपलब्ध कराकर उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की गई।उन्होंने आगे कहा कि जब दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाएं महामारी के दौरान संकट से जूझ रही थीं, तब भारत ने मजबूती से खुद को संभाला। आज भी वैश्विक आर्थिक अस्थिरता के बीच केंद्र सरकार जनता के हित में ठोस निर्णय ले रही है।सांसद कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शिता और 'सबका साथ, सबका विकास' के संकल्प के चलते भारत अपने नागरिकों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने में सक्षम है।

बस्तर के युवाओं के लिए सेना में भर्ती का सुनहरा अवसर 1 अप्रैल तक

जगदलपुर, 28 मार्च । देश सेवा का जज्बा रखने वाले बस्तर के युवाओं के लिए भारतीय थल सेना में शामिल होने का एक शानदार अवसर सामने आया है। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र जगदलपुर से मिली जानकारी के अनुसार वर्ष 2026 की अग्निवीर भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया वर्तमान में संचालित है। सेना में जाने के इच्छुक और पात्र अभ्यर्थी आगामी 1 अप्रैल 2026 तक भारतीय थल सेना की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपना पंजीकरण करा सकते हैं। इस भर्ती प्रक्रिया के तहत पुरुष अभ्यर्थी जनरल ड्यूटी, तकनीकी, लिपिक, स्टोरकीपर और ट्रेड्समैन जैसे पदों के लिए आवेदन कर सकेंगे, वहीं महिला अभ्यर्थियों के लिए सैन्य पुलिस और स्थायी कैडर में नर्सिंग असिस्टेंट वेट और सिपाही फार्मा के पदों पर भर्ती के अवसर उपलब्ध कराए गए हैं।

समाचार संक्षेप

पेंशन योजनाओं के हितग्राहियों का आधार नंबर की सीडिंग बैंक खातों के साथ किया जाना आवश्यक

कांकेर, 28 मार्च (तछसं.)। सामाजिक सहायता कार्यक्रम के तहत संचालित पेंशन योजनाओं में हितग्राहियों को पेंशन राशि का भुगतान आधार आधारित एवं बिना आधार आधारित खाते दोनों ही प्रकार से पीएफएमएस के माध्यम से डीबीटी किया जा रहा है। भारत सरकार द्वारा केंद्र प्रवर्तित योजनाओं को सीएसएस को पीएफएमएस-एसएनए से एसएनए-एसपीएआरएसएच मॉडल में ऑनबोर्ड करने के निर्देश दिए गए हैं। भविष्य में हितग्राहियों को केवल आधार आधारित एकाउंट होने पर ही भुगतान किया जा सकेगा।समाज कल्याण विभाग के उप संचालक द्वारा प्राप्त अनुसार अब पेंशन भुगतान पूरी तरह आधार आधारित डीबीटी प्रणाली के जरिए किया जाएगा। वर्तमान में पेंशनधारियों को पीएफएमएस के माध्यम से आधार लिंक और बिना आधार लिंक दोनों प्रकार के खातों में राशि दी जा रही है। आगामी माह से केंद्रीय योजनाओं की पेंशन राशि का भुगतान एसएनए के माध्यम से किया जाएगा। जिसके लिए सभी हितग्राहियों का आधार आधारित खाता होना आवश्यक होगा। अन्यथा हितग्राही को पेंशन राशि का भुगतान नहीं हो पायेगा। हितग्राहियों के आधार नंबर की सीडिंग बैंक खातों के साथ किया जाना आवश्यक है। हितग्राहियों के खातों को आधार से लिंक किए जाने के लिए सभी जनपद पंचायत एवं नगरीय निकायों में शिविर लगाने के लिए निर्देशित किया गया है।

पर्णकुटी श्रीराम मंदिर में भक्तिभाव से मनाई गई रामनवमी

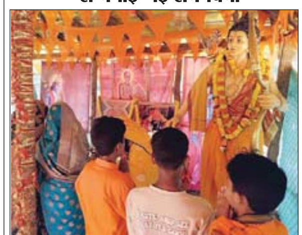

दंतेवाड़ा 28 मार्च (तछसं.)। इस वर्ष भी चैत्र नवरात्रि पर्व पर पर्णकुटी श्रीराम मंदिर, डंकनी नदी तट दंतेवाड़ा में पूजा पाठ व अनुष्ठान आयोजित किया गया। पूरे पर्व के दौरान रोजाना शाम को अलग अलग मंडलियों द्वारा रामायण पाठ किया गया। शुक्रवार को राम नवमी पर्व मनाया गया, जिसमें सुबह विधिवत पूजन किया गया, जिसमें शामिल होकर भक्तों ने मंगल कामनाएं की। इसके बाद हुए हवन में पूर्णाहुति दी गई। दोपहर भंडारा, प्रसाद वितरण किया गया। साथ ही विभिन्न रामायण मंडलियों द्वारा भजन कीर्तन का क्रम चलता रहा। बालपेट, घोटपाल, पेंटा, चंदेनार, बालूद की मानस मंडलियों के कलाकार इसमें शामिल हुए। विधायक चैतराम अटामी ने भी यहां पहुंचकर भगवान श्रीराम की पूजा अर्चना की।बता दें कि चैत्र नवरात्र पर्व के पहले दिन कलश स्थापना की गई। इसके बाद रोजाना पूजा-पाठ का आयोजन किया जा रहा है।

बाढ़ में भी अडिग रहे थे श्रीराम-डंकनी नदी तट पर स्थित पर्णकुटी श्रीराम मंदिर में 26 अगस्त को जिले में आई विनाशकारी बाढ़ के बावजूद श्रीराम की आदमकद प्रतिमा चमत्कारिक ढंग से अपनी जगह पर अडिग रह गई थी। बाद में इस पर्णकुटी का पुनर्निर्माण किया गया।

पाहुरबेल में पारंपरिक बाली जात्रा का भव्य आयोजन, विधायक लखेश्वर बघेल हुए शामिल

जगदलपुर, 28 मार्च (तछसं.)। विकासखंड बकावंड की ग्राम पंचायत पाहुरबेल में आयोजित पारंपरिक बाली जात्रा का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बस्तर विधायक एवं छत्तीसगढ़ विधानसभा के उपनेता प्रतिपक्ष लखेश्वर बघेल विशेष रूप से शामिल हुए।विधायक लखेश्वर बघेल के ग्राम आगमन पर ग्रामीणों ने आतिशबाजी और पारंपरिक तरीके से उनका भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया। गांव में उत्सव का माहौल देखने को मिला और स्थानीय लोगों ने अपनी समृद्ध संस्कृति और परंपराओं का जीवंत प्रदर्शन किया।बाली जात्रा स्थल पहुंचने पर माताओं और बहनों ने बस्तर की परंपराओं के अनुरूप तिलक, आरती एवं पारंपरिक वेशभूषा में उनका स्वागत करते हुए नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। इस दौरान लखेश्वर बघेल ने ग्राम के देवी-देवताओं की विधिवत पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की।उन्होंने कहा कि बस्तर की पहचान उसकी समृद्ध संस्कृति और परंपराओं से है। बाली जात्रा जैसे आयोजनों में शामिल होना न केवल परंपराओं को जीवित रखने का माध्यम है, बल्कि इससे समाज में एकता और भाईचारे की भावना भी मजबूत होती है।विधायक बघेल ने कहा कि पूर्वजों द्वारा स्थापित देवी-देवताओं की आराधना और ग्राम संस्कृति आज भी जीवंत है, जो हम सभी के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने लोगों से अपील की कि इन परंपराओं को संजोकर आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है।

कार्यस्थल पर महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न रोकथाम अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु निर्देश

दंतेवाड़ा, 28 मार्च । कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशानुसार महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं जन जागरूकता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में बताया गया कि अधिनियम के अंतर्गत ऐसे सभी विभागों, संगठनों, उपक्रमों, गैर-शासकीय संस्थाओं, कंपनियों, निगमों, अस्पतालों, नर्सिंग होम, खेल संस्थानों, शैक्षणिक एवं मनोरंजन स्थलों में, जहां 10 या उससे अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं, वहां आंतरिक शिकायत समिति का गठन करना अनिवार्य है। जिन संस्थानों में 10 से कम कर्मचारी कार्यरत हैं या जहां शिकायत स्वयं नियोक्ता के विरुद्ध हो, वहां प्रकरण जिला स्तर पर गठित स्थानीय शिकायत समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जा सकेगा।

एक नजर

शासकीय लेनदेन हेतु संबंधित बैंक शाखा 31 मार्च को खुले रहेंगे

कांकेर, 28 मार्च (तछसं.)। वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतिम कार्य दिवस होने से बैंकों को शासकीय संव्यवहार के लिए जिस बैंक शाखा में शासकीय लेनदेन होता है, उन्हें 31 मार्च को रात्रि 12 बजे तक खुला रखने के लिए निर्देशित किया गया है। अपर कलेक्टर कांकेर द्वारा इस संबंध में लीड बैंक मैनेजर को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष के अंतिम दिवस को किसी भी चालान जमाकर्ता द्वारा शासन के पक्ष में राशि जमा करने पर उनका लेखांकन इसी दिनांक को किया जाना आवश्यक है। इसके लिए जिले के सभी शासकीय लेनदेन वाले बैंकों को खुला रखने के लिए कहा गया है।

महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों को ई-केवाईसी कराना अनिवार्य

कांकेर, 28 मार्च (तछसं.)। राज्य शासन द्वारा महतारी वंदन योजना के सभी हितग्राहियों का ई-केवायसी कराने के निर्देश दिए दिए गए हैं। ऐसी महिलाएं जो महतारी वंदन योजना के लाभार्थी हैं तथा जिनका आधार प्रमाणीकरण (ईकेवाईसी) नहीं हुआ है, ऐसे सभी हितग्राहियों का ई-केवाईसी का कार्य त्रुटिरहित एवं समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाना है। जिले के लगभग 01 लाख 80 हजार महिला हितग्राहियों का ई-केवाईसी कराया जाना है।कलेक्टर श्री निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने महतारी वंदन योजना के समस्त हितग्राहियों का ई-केवाईसी कराने के निर्देश जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, एकीकृत बाल विकास परियोजना अधिकारी और सीएससी डिस्ट्रिक्ट मैनेजर को दिए हैं। ई-केवायसी कार्य प्रारंभ करने के पूर्व सभी वी.एल.ई., सीएससी ऑपरेटर्स एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के पर्यवेक्षकों को ई-केवायसी प्रशिक्षण कराये जाने के लिए विकासखण्डवार तिथि निर्धारित किया गया है। प्रशिक्षण के लिए निर्धारित तिथि अनुसार 30 मार्च को जनपद पंचायत कांकेर में, 01 अप्रैल को जनपद पंचायत चारामा, 02 अप्रैल को जनपद पंचायत नरहरपुर में ई-केवायसी प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसी प्रकार 04 अप्रैल को विकासखण्ड भानुप्रतापपुर एवं दुर्गूकोंदल के प्रतिभागियों को जनपद पंचायत भानुप्रतापपुर में, 06 अप्रैल को जनपद पंचायत अंतागढ़ और 07 अप्रैल को कोयलीबेड़ा/पखांजूर के प्रतिभागियों को जनपद पंचायत पखांजूर में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

बस्तर कमिश्नर का बकावंड में सघन निरीक्षण स्वास्थ्य-शिक्षा सेवाओं को लेकर दिए कड़े निर्देश

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 28 मार्च। बस्तर संभाग के कमिश्नर डोमन सिंह ने शुक्रवार को जिले के बकावंड विकासखंड का सघन भ्रमण कर स्वास्थ्य केंद्र, स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा एवं एकीकृत बाल विकास सेवाओं की समुचित उपलब्धता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया।कमिश्नर ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बकावंड में ओपीडी, आईपीडी और पोषण पुनर्वास केंद्र का निरीक्षण कर मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कुपोषित बच्चों के उपचार के लिए पोषण पुनर्वास केंद्र में रोस्टर के अनुसार भर्ती

सुनिश्चित करने और स्वास्थ्य व महिला एवं बाल विकास विभाग के बीच समन्वय बढ़ाने की बात कही।उन्होंने मोतियाबिंद से पीड़ित मरीजों को प्राथमिकता के आधार पर महारानी अस्पताल में ऑपरेशन कराने के निर्देश दिए। साथ ही दिव्यांगजनों के लिए कृत्रिम उपकरण उपलब्ध कराने हेतु ग्राम पंचायतों से सूची तैयार कर चिन्हांकन करने पर बल दिया।कमिश्नर ने आयुष्मान कार्ड से वंचित लोगों को लाभ दिलाने के लिए पंचायत स्तर पर सूची नियमित अपडेट करने के निर्देश दिए। इसके अलावा सीएचसी बकावंड में मरीजों के परिजनों के लिए प्रतीक्षालय निर्माण कराने की बात कही।निरीक्षण के दौरान उन्होंने सक्षम आंगनबाड़ी केंद्र ढोडरेपाल में बच्चों से संवाद किया और उन्हें प्रोत्साहित किया। यहां गर्भवती महिलाओं और बच्चों को दी जा रही सेवाओं की जानकारी लेकर सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।वहीं सरगीपाल और करपावंड स्थित स्कूलों में अटल टिंकरिंग लैब, विज्ञान प्रयोगशाला और स्मार्ट क्लास का निरीक्षण कर शिक्षकों को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु समर्पित भाव से कार्य करने की समझाइश दी। उन्होंने दोनों स्कूलों में स्वीकृत भवन निर्माण कार्य को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। इस दौरान एसडीएम बकावंड विपिन दुबे, जिला शिक्षा अधिकारी बीआर बघेल, जनपद पंचायत सीईओ पारेश्वर कुर्रे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

चिकित्सा अवकाश आवेदनों के परीक्षण हेतु जिला स्तरीय समिति का गठन

दंतेवाड़ा, 28 मार्च । भारत सरकार, गृह मंत्रालय एवं भारत के महारजिस्ट्रार के निर्देशानुसार जनगणना 2027 के अंतर्गत प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य 01 मई 2026 से 30 मई 2026 तक निर्धारित किया गया है। इस महत्वपूर्ण कार्य को सुचारू रूप से संपादित करने के उद्देश्य से जिले के अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा प्रस्तुत चिकित्सा अवकाश संबंधी समस्त आवेदनों के परीक्षण एवं सत्यापन के लिए जिला चिकित्सालय दंतेवाड़ा में गठित मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट के आधार पर निर्णय लेने हेतु जिला स्तरीय समिति का गठन किया गया है।गठित समिति में श्री मूलचंद चोपड़ा, जिला जनगणना अधिकारी, जिला दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा को नोडल अधिकारी बनाया गया है। वहीं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला दंतेवाड़ा तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सिविल सर्जन), जिला दंतेवाड़ा को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है।

दलपत सागर की स्थिति बदहाल, कांग्रेस ने किया निरीक्षण,निगम पर लापरवाही का आरोप

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 28 मार्च। जगदलपुर नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष राजेश चौधरी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्षद दल द्वारा शहर की मूलभूत सुविधाओं के निराकरण को लेकर लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में आज कांग्रेस पार्षद दल ने दलपत सागर का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान नेता प्रतिपक्ष राजेश चौधरी ने निगम प्रशासन और महापौर पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि सत्ता में आने के बाद महापौर पांडे ने शपथ के दौरान वादा किया था कि छह माह के भीतर दलपत सागर की स्थिति में सुधार कर उसे उसके मूल स्वरूप में लाया

जाएगा। इसके लिए राज्य सरकार से करोड़ों रुपये की राशि भी स्वीकृत कराई गई, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति इसके विपरीत नजर आ रही है।चौधरी ने आरोप लगाया कि बड़े-बड़े विज्ञापन, बैनर-पोस्टर और सोशल मीडिया के जरिए केवल वाहवाही लूटी गई, जबकि वास्तविक कार्य अपेक्षित स्तर पर नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में भी दलपत सागर के विकास कार्य हुए थे, लेकिन उसके बेहतर रखरखाव पर विशेष ध्यान दिया गया था।उन्होंने बताया कि वर्तमान में दलपत सागर फिर से जलकुंभी से भर चुका है, जो निगम प्रशासन की निष्क्रियता को दर्शाता है। सामान्य सभा में इस मुद्दे को उठाए जाने पर भी महापौर की ओर से कोई ठोस जवाब नहीं दिया जाता।नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि निगम प्रशासन की अनदेखी के कारण सागर के आसपास अतिक्रमण का खतरा भी बढ़ता जा रहा है। बंध (बंड) के दोनों ओर से आवाजाही बाधित कर अतिक्रमण को बढ़ावा दिया जा रहा है, जो चिंताजनक है।उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द स्थिति में सुधार नहीं हुआ, तो कांग्रेस पार्षद दल जिला प्रशासन और कलेक्टर से मिलकर इसकी औपचारिक शिकायत करेगा।इस दौरान उपनेता प्रतिपक्ष कोमल सेना, जाहिद हुसैन, गौतम पाणिग्रही, राकेश मौर, आभाष महंती, कैलाश नाग, अफरोज बेगम और जस्टिन भवानी सहित अन्य पार्षद मौजूद रहे।

बस्तर में लंबित पदस्थापना प्रक्रिया जल्द पूरी कराने की मांग शिक्षक संघ ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष से की मुलाकात

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 28 मार्च। बस्तर संभाग स्तर पर प्राथमिक शालाओं के प्रधान पाठकों की पदोन्नति के बाद पदस्थापना प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण कराने की मांग को लेकर छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव से मुलाकात की।प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें अवगत कराया कि रायपुर संभाग और दुर्ग संभाग में पदोन्नति एवं पदस्थापना आदेश जारी किए जा चुके हैं, जबकि बस्तर संभाग में यह प्रक्रिया अब तक लंबित है। उन्होंने इस माह के भीतर पदस्थापना प्रक्रिया पूर्ण कराने की पहल करने का आग्रह किया।इस पर किरण सिंह देव ने तत्काल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव से चर्चा कर लंबित प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश संयुक्त संचालक, बस्तर संभाग के माध्यम से सुनिश्चित करने की अपेक्षा जताई।यह सौजन्य भेंट छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रवीण श्रीवास्तव एवं प्रदेश सह सचिव शिवसिंह चंदेल के निर्देशन में जिलाध्यक्ष डॉ. लुदरसन कश्यप के नेतृत्व में की गई। प्रतिनिधिमंडल में जिला कोषाध्यक्ष अमित पॉल, डॉ. तुलादास मानिकपुरी, मनीष ठाकुर, अनुपम सरकार, विकास साहू और मनीष अहीर सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

चपका में प्रस्तावित स्टील प्लांट का विरोध तेज, ग्रामीणों ने उठाए कानूनी और पर्यावरणीय सवाल

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

जगदलपुर, 28 मार्च। बस्तर जिले के चपका गांव में प्रस्तावित स्टील प्लांट को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश खुलकर सामने आ गया है। गोपाल स्पंज एंड पावर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा नेशनल हाईवे किनारे बिना ग्राम सभा की अनुमति बाउंड्री वॉल निर्माण किए जाने का आरोप लगाया जा रहा है।ग्रामीणों का कहना है कि यह पूरा क्षेत्र पांचवीं अनुसूची के अंतर्गत आता है, जहां पेसा कानून लागू है। ऐसे में ग्राम सभा की सहमति के बिना किसी भी औद्योगिक परियोजना की शुरुआत को अवैधानिक बताया जा रहा है।अविभाजित मध्यप्रदेश के पूर्व भाजपा विधायक राजाराम तोड़ेम ने भी इस मामले को गंभीर बताते हुए कहा कि ग्राम सभा की अनुमति के बिना परियोजना शुरू करना कानून का उल्लंघन है। उन्होंने इस संबंध में कलेक्टर को शिकायत भी सौंपी है।प्रशासन की ओर से भी जमीन की वैधता पर सवाल उठाए गए हैं। अधिकारियों के अनुसार प्रस्तावित क्षेत्र

में शासकीय भूमि और वनाधिकार पट्टों की जमीन शामिल हो सकती है, जिससे खरीद-फरोख्त की प्रक्रिया जांच के दायरे में आ गई है। इस मामले में धारा 248 के तहत अपील की प्रक्रिया का भी उल्लेख किया गया है।वहीं ग्रामीणों ने पर्यावरणीय चिंताओं को भी प्रमुखता से उठाया है। उनका कहना है कि भोरिया नदी और मारकंडी नदी के संगम स्थल पर प्लांट लगाने की तैयारी की जा रही है, जो हर साल बाढ़ प्रभावित क्षेत्र रहता है। ऐसे में प्लांट से जल और वायु प्रदूषण बढ़ने के साथ 10 से 15 पंचायतों के किसानों की आजीविका पर सीधा असर पड़ेगा।ग्रामीणों का यह भी कहना है कि उन्हें खेती से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन फैक्ट्री लगने से उनके जीवन, पर्यावरण और धार्मिक आस्था पर असर पड़ेगा। इसी क्षेत्र में उनके प्राचीन मंदिर और पारंपरिक धार्मिक स्थल स्थित हैं।इसके अलावा कुछ जमीनों की खरीद-फरोख्त में अवैध सौदेबाजी के आरोप भी लगाए जा रहे हैं, जिससे पूरे प्रोजेक्ट की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो गए हैं। फिलहाल चपका में ÷विकास बनाम अधिकार÷ की लड़ाई तेज होती नजर आ रही है और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी लोगों की पैनी नजर बनी हुई है।

रामनवमीं पर शक्तिपीठ राममय,माईजी की धरा पर निकली रामजी की भव्य शोभायात्रा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दंतेवाड़ा 28 मार्च। मांई दंतेश्वरी देवी की धर्मनगरी शक्तिपीठ दंतेवाड़ा में रामनवमीं का पर्व बड़े ही धुमधाम के साथ मनाया गया। रामनवमी के उपलक्ष्य में रामनवमीं उत्सव समिति द्वारा प्रभू श्री रामचन्द्र जी की भव्य शोभायात्रा एवं बाईक रैली का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में रामभक्त दंतेवाड़ा में एकत्र हुए थे। पूरा नगर मानों कुछ समय के लिए राममय हो गया था। हर तरफ भगवा ही भगवा ध्वज लहराता दिखाई पड़ रहा था। बच्चे बच्चे की जुबां से जय जय श्रीराम का जयघोष निकल रहे थे। शोभा यात्रा आंवराभाटा माईजी डोली विश्राम स्थल से शाम 5 बजे को निकाली गई जो रात्रि 11 बजे बस स्टेंड परिसर में आकर संपन्न हुई। शोभायात्रा के दौरान नगर के चौक चौराहों पर भव्य आकर्षक आतिशबाजी भी की गई। इस दौरान सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे।

चौक चौराहों पर पुलिस बल, एवं ट्रेफिक जवान पुरी मुस्तैदी के साथ कार्यक्रम को व्यवस्थित करने में जुटे रहे।

प्रतिवर्ष की भांति इस बार भी नगर में रामनवमीं का पर्व रामनवमीं उत्सव समिति द्वारा भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। भगवान राम के जन्मोत्सव श्रीरामनवमीं के अवसर पर पूरे नगर को भगवा झण्डे, बैनर, तोरण से सजाया गया था। आंवराभाटा स्थित दंतेश्वरी विश्राम स्थल से शाम 5 बजे श्रीराम की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस शोभायात्रा मे बडी संख्या में रामभक्त शामिल हुए। शोभायात्रा से पूर्व युवाओं ने शहर में विशाल बाईक रैली भी निकाली। इस दौरान युवा भगवा झण्डा हाथों में लिये बाईक पर सवार होकर पूरे नगर की परिक्रमा कर वापस आंवराभाटा शोभायात्रा स्थल में एकत्र हुए। बाईक रैली के तुरंत बाद शोभायात्रा का शुभारंभ किया गया। शोभायात्रा में भगवान श्रीराम चंद्रजी की आकर्षक रथ बनाई गई थी जिसमें राम सीता का रूप धारण कर नगर के सोनी दंपत्ति विराजमान थे। शोभा यात्रा के दौरान लोगों ने बड़ी संख्या में अपने हाथों में भगवा झण्डा थाम रखा था। कई युवा भक्त यात्रा के दौरान पारंपरिक शस्त्र भी लेकर चल रहे थे। झांकी में डीजे की धुन पर नाचते गाते रामभक्त पीछे चल रहे थे शोभायात्रा में राजनांदगांव से आए हुए राजन आर्ट ग्रूप की शिव अघोरी तांडव आकर्षण का केंद्र रहे। युवा व बच्चे अघोरी तांडव देख काफी खुश हुए। शोभायात्रा में विशाल हनुमान एवं सिंह देव को भी देखने एवं उसके साफ सेल्फी लेने भक्तों की काफी गहमा गहमी लगी रही। शोभायात्रा आंवराभाटा माईजी विश्राम डोली स्थल से निकलकर मुख्य मार्ग से होती हुई बैंक चौक से वापस बस स्टेंड में आकर रूकी जहां एक बार पुनः शिव अघोरी तांडव का भव्य प्रदर्शन किया गया जिसे देखने बस स्टेंड परिसर में लोगों की भारी भीड़ जुटी थी। आयोजन समिति ने यहां पर भक्तों के लिए हल्वा पूरी का प्रसाद भी तैयार किया था। सभी भक्तों को हल्वा पूरी का प्रसाद बांटा गया। श्री राम की शोभा यात्रा को देखने व रामलला के दर्शन करने भारी तादात में लोग घरों व दुकानों से सड़कों पर निकल आए थे। आयोजन समिति के लोग पिछले पखवाड़े भर से रामनवमीं की तैयारियों में लगे हुए थे। बेहद ही भव्य रामनवमीं का कार्यक्रम दंतेवाड़ा नगर में आयोजित किया गया जिसकी सभी ने खुलेमन से सराहना की और आयोजन समिति को इसके लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग प्रदान करने वाले सभी लोगों का एवं सुरक्षा में लगे पुलिस के जवान एवं ट्रेफिक पुलिस से मिले भरपुर सहयोग के लिए भी आयोजन समिति ने आभार जताते धन्यवाद ज्ञापित किया है।

निधन

श्रीमती गंगा बाई सोनकर

चारमा,28 मार्च। नगर पालिका धमतरी के ब्राह्मण पारा वार्ड निवासी श्रीमती गंगा बाई सोनकर 65 वर्ष पति श्री घासी राम सोनकर का आकस्मिक निधन गुरुवार शाम 5 बजे हो गया जिनका अंतिम संस्कार सामाजिक रीतिरिवाज से शुक्रवार को नगर के शांति घाट मुक्तिधाम में किया गया जिसमे बड़ी संख्या में उनके परिवार एवं समाज के लोगों ने उपस्थित होकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किए।

श्रीराम के जयकारे की सर्वत्र रही गूंज

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़,28 मार्च। अनंत ब्रम्हांड के महानायक, सृष्टि के पालनहार भगवान श्रीहरि विष्णु के सातवें अवतार करोड़ों हिंदूओं के आराध्य देव तीनों ब्रम्हांड में सर्वत्र पूजनीय जन - जन के आराध्य देव की जयंती श्री रामनवमी महापर्व का पावन त्योहार है और जन - जन को भगवान श्रीराम के प्रति अटूट आस्था भी है। वहीं नवमीं तिथि को माता भवानी के नौवें रुप की भी आराधना पूजा की जाती है। आज 27 मार्च को माता सिद्धिदात्री की पूजा अर्चना व महाभंडारा के पश्चात करोड़ों हिंदू श्रद्धालुओं ने व शहरवासियों ने आराध्य देव मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री रामलला की पूजा शुभ मुहूर्त सुबह 11 बजे से दोपहर 1-35 बजे तक श्रद्धा व उत्साह के साथ पूजा अर्चना केतकी के फूल, चंपा, मालती, कमल, गेंदा, गुलाब और कुंद के फूल, तुलसी, बिल्वपत्र, कुशा, शमी और भृंगराज के पत्ते व विभिन्न प्रकार के मिष्ठान्न भोग अर्पित व महाआरती, रामायण पाठ, माता सीता, हनुमान जी की पूजा कर अपने - अपने घर व मंदिरों में श्रीराम जन्मोत्सव को बड़ी श्रद्धा से मनाए और श्रद्धा के दीपों से अपने घर - द्वार को रौशन किए व समूचा अंचल प्रभु श्रीराम

के जयकारे से गुंजित हो गया।

महापर्व है श्रीरामनवमीं

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम जी का राम नवमीं का महा पर्व हमारे देश के अतिरिक्त विश्व के अनेक देशों में बड़ी श्रद्धा व धूमधाम से मनाया जाता है। वहीं पुराणों में उल्लेख है कि चैत्र मास की नवमी तिथि को भगवान विष्णु के अवतार मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम का जन्म त्रेतायुग में अयोध्या के महाराजा दशरथ के यहां हुआ था।और उनके ज्येष्ठ सुपुत्र माना जाता है। यही कारण है कि इस पवित्र दिन को राम नवमीं महापर्व कहा जाता है और श्रद्धा व विधि विधान के साथ भगवान राम की पूजा अर्चना और रामायण का पाठ और राम रक्षा स्तोत्र का पाठ करने से सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है और सभी तरह के रोग व कष्ट से मुक्ति मिलती है। वहीं शास्त्रों के मुताबिक इस दिन व्रत करने से ज्ञान, पवित्रता, बुद्धि, धैर्य शक्ति का विस्तार होता है और धन धान्य में वृद्धि भी होती है. साथ ही सभी ग्रह-नक्षत्रों का शुभ फल प्राप्त होता है और सभी कार्य भगवान श्रीराम के आशीर्वाद से संपन्न होते हैं साथ ही मोक्ष की प्राप्ति भी होती है। यही वजह है कि करोड़ों हिंदू श्रद्धालुगण आराध्य देव भगवान श्री राम जी की पूजा आराधना पवित्र मन व हृदय से पुलकित होकर करते हैं।

आदिवासी नृत्य के साथ झूमे लोग

कर्मा पार्टी, आदिवासी नृत्य ने हजारों लोगों को मुग्ध किया वे आदिवासी संस्कृति वेशभूषा में सजे थे और कर्मा के मधुर थाप संग निहाल होकर झूम रहे थे उनके साथ - साथ शोभा यात्रा में शामिल श्रद्धालुगण भी मस्त झूमे। हर किसी के लिए आकर्षण का केंद्र रहा। इसी तरह इस बार शहर के हिंदू समाज द्वारा मनभावन झांकियां निकाली गई ।समाज की सभी झांकियों ने श्रद्धालुओं को हर्षित किया। वहीं तीन किलोमीटर तक की लंबी यादगार झांकियों ने महारिकार्ड भी बना दिया।

शानदार रही व्यवस्था

कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी और एसएसपी शशि मोहन सिंह की अभिनव पहल से शोभायात्रा में शहर में 3 से 4 जगह एम्बुलेंस की भी व्यवस्था की गई थी। जिसमें डॉक्टर्स और चिकित्सा दल मौजूद रहते हुए आपातकालीन समय में मोर्चा सम्हालने सजग रहे । इसी तरह नगर निगम की टीम भी शोभा यात्रा के साथ सफाई व्यवस्था में सक्रिय रही। वहीं ट्रैफिक पुलिस विभाग यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने में अपना बहुमूल्य योगदान दिए।

सौंदर्य की बिखरी रंगीन छटाएं

भगवान श्रीराम जी की जयंती श्रीराम जन्मोत्सव को शहरवासी अत्यंत श्रद्धा, उत्साह व भव्यता के साथ मनाते हैं। जिसकी ख्याति पूरे छत्तीसगढ़ में है। वहीं विगत 2014 से शहर के हिंदू समाज के श्रद्धालुगण इसे और भी भव्यता दे रहे हैं। इस बार भी श्रीराम नवमीं आयोजन समिति के सभी सदस्यगण व शहरवासी श्रीराम जन्मोत्सव की खुशी में पूरे शहर को खूबसूरत झालरों, तोरण, भगवा ध्वज, भगवान श्रीराम की प्रतिमा व फूलों के मनभावन हार से सजाए हैं। जिसकी खूबसूरती ने हर किसी के मन और हृदय को आकर्षित व आनंदित किया। श्रद्धालुओं को यह भान हुआ कि आज शहर में आराध्य देव प्रभु श्रीराम अवतरित हुए हैं।

हर उम्र के लोग हुए शामिल

शहर के ऐतिहासिक भव्य श्रीराम नवमी शोभा यात्रा में इस बार भी 54 समाज के लोगों की सहभागिता व 60 से अधिक बिरादरी और संगठनों के प्रतिनिधियों ने रामनवमी शोभायात्रा में शामिल होकर नव इतिहास बनाए। वहीं रायगढ़ के हर चौक-चौराहे को लाइटिंग और खूबसूरत तोरण से सजाया गया था जिसकी खूबसूरती देखते ही बनी। वहीं समूचा शहर भगवान श्री राम जी के जयकारे से गुंजायमान हो गया। मौसम का मिजाज में जरा सा परिवर्तन होने व हल्की बारीश व हवाएँ चलने के बावजूद भी लोगों की श्रद्धा में कोई कमी नहीं आई। वहीं पूरी शोभा यात्रा के संग शहरवासी भाव विभोर होकर भगवान श्री राम के मधुर गीतों व जयकारे के साथ मस्त झूमते रहे और शहर श्रीराममय हो गया।

एक नजर

सही समय पर टीकाकरण से बेटियों को कैंसर की आशंका से मिलेगी सुरक्षा

रायगढ़, 28 मार्च । जिले में बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से किरोड़ीमल शासकीय जिला अस्पताल में 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं के लिए निःशुल्क एचपीवी (एचपीवी) टीकाकरण अभियान संचालित किया जा रहा है। यह टीकाकरण प्रतिदिन सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक किया जा रहा है। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने कहा कि सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में होने वाले प्रमुख कैंसरों में से एक है, जिससे बचाव के लिए समय पर टीकाकरण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपनी बालिकाओं का पंजीयन कराकर इस जीवनरक्षक टीके का लाभ अवश्य दिलाएं।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जगत ने जानकारी दी कि जिले में सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में निःशुल्क टीकाकरण की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने कहा कि पालकगण अपनी बालिकाओं का आधार कार्ड लेकर निकटतम केंद्र में पंजीयन कराएं और टीकाकरण सुनिश्चित करें।

जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. बी.पी.पटेल ने बताया कि एचपीवी वैक्सीन एक सुरक्षित और प्रभावी टीका है, जो न केवल सर्वाइकल कैंसर बल्कि जननांग मस्सों से भी सुरक्षा प्रदान करता है। यह टीका गर्भाशय ग्रीवा सर्वाइकल कैंसर के लगभग 70 प्रतिशत, गुदा कैंसर के 80 प्रतिशत तथा योनि कैंसर के 60 प्रतिशत मामलों की रोकथाम में सहायक है। जिले में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा कार्यकर्ताओं एवं स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक बालिकाएं इस योजना का लाभ उठा सकें।

आंगनबाड़ी केन्द्र आमापाली डिपापारा में सहायिका पद हेतु 10 अप्रैल तक आवेदन आमंत्रित

रायगढ़, 28 मार्च । महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत एकीकृत बाल विकास परियोजना पुसौर, जिला रायगढ़ के तहत आँगनबाड़ी केन्द्र आमापाली डिपापारा (ग्राम पंचायत आमापाली) में आँगनबाड़ी सहायिका का पद रिक्त हो गया है। संबंधित सहायिका द्वारा 24 फरवरी 2026 को त्यागपत्र दिए जाने के पश्चात यह पद खाली हुआ है। रिक्त पद की पूर्ति के लिए विभाग द्वारा योग्य महिला अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक आवेदिका 10 अप्रैल तक आवेदन जमा कर सकते है। इस संबंध में अभ्यर्थी ऑनलाईन पोर्टल aww.ebharti.in के माध्यम से आवेदन जमा कर सकते है। आँगनबाड़ी सहायिका के पद पर नियुक्ति हेतु निर्धारित पात्रता, नियम एवं शर्तों की विस्तृत जानकारी परियोजना कार्यालय पुसौर के सूचना पटल पर उपलब्ध है, जिसका अभ्यर्थी अवलोकन कर सकते हैं।

खाद्य विभाग की छापेमारी, राइस मिल में भारी गड़बड़ी पकड़ी गई

धमतरी, 28 मार्च । कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा के निर्देशानुसार खाद्य विभाग की टीम द्वारा आज कुरूद स्थित मेसर्स अमृत एग्रोटेक राइस मिल में आकस्मिक निरीक्षण किया, जिसमें बड़े पैमाने पर अनियमितताएं सामने आई हैं। जांच के दौरान पाया गया कि खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में फर्म द्वारा कस्टम मिलिंग हेतु 1,27,999.9 क्विंटल धान का अनुबंध किया गया था, जिसके विरुद्ध 1,11,584.5 क्विंटल धान का उठाव किया गया। इस उठाव के आधार पर 76,346.26 क्विंटल चावल जमा किया जाना था, लेकिन फर्म द्वारा मात्र 34,970.02 क्विंटल चावल ही जमा किया गया है। इस प्रकार 41,376.24 क्विंटल चावल जमा करना अभी शेष है।भौतिक सत्यापन के दौरान मिल परिसर में 54,715 क्विंटल धान की कमी भी पाई गई।

ईएसआईसी अस्पताल रायगढ़ में श्रमिकों को मिल रही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 28 मार्च। औद्योगिक क्षेत्र के श्रमिकों को बेहतर, सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में ईएसआईसी अस्पताल रायगढ़ में सेवाओं का लगातार सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है। कलेक्टर के निर्देशन पर जिला प्रशासन एवं कर्मचारी राज्य बीमा निगम के समन्वित प्रयासों से अब श्रमिकों को पहले की तुलना में अधिक प्रभावी एवं त्वरित उपचार सुविधा मिल रही है।

इसी क्रम में कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने कलेक्ट्रेट चेम्बर में अस्पताल की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए सेवाओं के और विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण पर जोर दिया। उन्होंने अस्पताल को पूर्ण क्षमता के साथ संचालित करते हुए श्रमिकों को अधिकतम स्वास्थ्य लाभ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने पेयजल, विद्युत आपूर्ति, अपशिष्ट प्रबंधन, चिकित्सक एवं स्टाफ सहित विभिन्न व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने अस्पताल में पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने, निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा परिवहन सुविधा को सुदृढ़ करते हुए बस सेवाओं के विस्तार पर जोर दिया, ताकि श्रमिकों की पहुंच और अधिक सुगम हो सके। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त श्री बृजेश सिंह क्षत्रिय सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।बता दे कि पतरापाली स्थित 100 बिस्तरों वाला यह अस्पताल बीमित श्रमिकों एवं उनके परिवारों के लिए एक प्रमुख स्वास्थ्य केंद्र के रूप में कार्य कर रहा है। वर्तमान में अस्पताल में 15 चिकित्सक एवं आवश्यक तकनीकी स्टाफ कार्यरत हैं, जिससे उपचार व्यवस्था मजबूत हुई है। अस्पताल में शीघ्र ही भर्ती सुविधा प्रारंभ किए जाने की तैयारी है, जिससे गंभीर रोगों के उपचार के लिए श्रमिकों को अन्य स्थानों पर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। अस्पताल परिसर में स्वच्छता एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए अपशिष्ट प्रबंधन की बेहतर प्रणाली विकसित की जा रही है तथा मरीजों एवं चिकित्सकीय स्टाफ की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को भी सुदृढ़ किया जा रहा है। अस्पताल में प्रयोगशाला सेवाएं प्रारंभ हो चुकी हैं तथा ऑपरेशन कक्ष सहित अन्य आवश्यक अवसंरचनात्मक कार्यों के लिए स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। जल निकासी व्यवस्था को भी बेहतर बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।सहायक श्रमायुक्त ने बताया कि विभाग द्वारा जिले के सभी उद्योगों के लिए रोस्टर जारी किया गया है, जिसके अंतर्गत क्रमानुसार कारखाना प्रबन्धन श्रमिकों को उत्तम स्वास्थ लाभ हेतु जाँच के लिए ईएसआईसी हॉस्पिटल ले कर आएगा। साथ ही बीमित श्रमिक स्वयं अपने परिवार के सदस्यों के साथ जाँच के लिए ईएसआईसी हॉस्पिटल जा सकते है। विभाग द्वारा श्रमिकों को योजना का लाभ लेने के लिए निरंतर जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कर्मचारी राज्य बीमा निगम की योजना संगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए एक महत्वपूर्ण सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था है, जिसके अंतर्गत उन्हें निःशुल्क चिकित्सा सुविधा, आर्थिक सहायता, मातृत्व लाभ, दुर्घटना मुआवजा एवं पेंशन जैसी सुविधाएं प्राप्त होती हैं। इस योजना में कर्मचारी एवं नियोक्ता दोनों द्वारा अंशदान किया जाता है, जिससे श्रमिकों को व्यापक सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा मिलती है। निर्धारित सीमा तक वेतन पाने वाले कर्मचारियों का पंजीयन नियोक्ता के माध्यम से किया जाता है तथा पंजीयन के उपरांत उन्हें बीमित व्यक्ति पहचान संख्या प्रदान की जाती है। सभी पात्र श्रमिक इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अपने स्वास्थ्य को सुरक्षित रखें।

जनगणना के लिए रायगढ़ में व्यापक तैयारी कलेक्टोरेट में तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

रायगढ़, 28 मार्च। राज्य शासन के निर्देशानुसार कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी श्री मयंक चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में जनगणना-2027 की तैयारी को लेकर जिला कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में तीन दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। यह प्रशिक्षण पूरे जनगणना कार्य को ध्यान में रखते हुए आयोजित किया जा रहा है, जिसमें जिले के 47 फील्ड प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। यह सत्र 29 मार्च तक संचालित होगा। प्रशिक्षण प्राप्त करने के पश्चात सभी फील्ड प्रशिक्षक अपने-अपने तहसीलों में चार्ज अधिकारियों के मार्गदर्शन में 8 से 24 अप्रैल तक प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षित करेंगे, जिससे जिले में जनगणना कार्य सुचारू और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी डॉ. प्रियंका वर्मा ने प्रशिक्षण को संबोधित करते हुए कहा कि जनगणना कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है, जिसे शुद्धता और समयबद्धता के साथ पूरा करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति या परिवार गणना से वंचित न रहे, क्योंकि अपूर्ण या त्रुटिपूर्ण आंकड़े विकास योजनाओं की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकते हैं।

कलेक्टर-एसपी ने अभियान चलाकर दिया सफाई का संदेश स्वच्छता को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने की अपील

जांजगीर-चांपा 28 मार्च । कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे एवं पुलिस अधीक्षक श्री विजय कुमार पांडेय ने जिला मुख्यालय जांजगीर के रामनगर में आज मुख्य नहर स्वच्छता अभियान में शामिल होकर नागरिकों को जागरूक किया। इस दौरान जनप्रतिनिधिगण, अजीम प्रेमजी फाउंडेशन, हसदेव के हीरो के वालिंटियर्स, एनएसएस, एनसीसी, कृषि महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं सहित नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया एवं विभिन्न स्थानों पर सफाई कार्य करते हुए स्वच्छता का संदेश जन-जन तक पहुंचाया। अभियान के माध्यम से शहरवासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के साथ ही उन्हें अपने आसपास के वातावरण को साफ-सुथरा रखने की अपील की।कलेक्टर-एसपी ने अभियान में भाग लेकर सड़क, नहर के किनारे साफ-सफाई की तथा लोगों से स्वच्छता को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने कहा। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है, जिसमें प्रत्येक नागरिक की सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। अभियान के दौरान गीले एवं सूखे कचरे को अलग-अलग रखने, प्लास्टिक का उपयोग कम करने प्रति लोगों को जागरूक किया गया। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं छात्र-छात्राओं सहित नागरिकों ने स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लिया।

नशे के खिलाफ साइकिल पर नेपाल निकले धमतरी के तुलसीराम

धमतरी, 28 मार्च । जब इरादे मजबूत हों, तो रास्ते खुद-ब-खुद बन जाते हैं। कुछ ऐसा ही जज़्बा लेकर धमतरी जिले के छोटे से ग्राम चर्रा (कुरुद) के 35 वर्षीय युवा तुलसीराम साहू एक बार फिर समाज को नई दिशा देने निकल पड़े हैं। उनके हाथों में साइकिल की हैंडल है, लेकिन दिल में एक बड़ा सपना नशामुक्त समाज का निर्माण।कलेक्टर अबिनाश मिश्रा की प्रेरणा और समाज कल्याण विभाग के मार्गदर्शन में तुलसीराम नेपाल स्थित राधा स्वामी सत्संग व्यास डेरा की ओर अपनी लंबी यात्रा पर रवाना हुए। इस प्रेरणादायक सफर को हरी झंडी दिखाकर जिला पंचायत सीईओ श्री गजेंद्र सिंह ठाकुर ने रवाना किया। उन्होंने तुलसीराम से आत्मीय बातचीत कर उनके हौसले को और मजबूती दी और सुरक्षित व सफल यात्रा की शुभकामनाएं दीं।यह यात्रा सिर्फ किलोमीटरों की दूरी तय करने के लिए नहीं है, बल्कि उन युवाओं तक संदेश पहुंचाने का एक प्रयास है।

कलेक्टर ने ली नगरीय निकायों की विस्तृत समीक्षा बैठक

जांजगीर-चांपा 28 मार्च । कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में नगरीय निकायों की बैठक लेकर विभिन्न योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर श्री महोबे प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के अंतर्गत प्रस्तावों की स्थिति, स्वीकृति एवं प्रेषण की जानकारी ली और अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी लंबित प्रस्तावों को शीघ्र तैयार कर तत्काल राज्य शासन प्रेषित किया जाए। कलेक्टर ने पीएम आवास योजना की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारियों से कहा कि सभी स्वीकृत आवासों का निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि 30 अप्रैल तक लंबित आवासों को हर हाल में पूरा किया जाए।कलेक्टर ने स्वच्छता व्यवस्था की समीक्षा करते हुए जांजगीर एवं चांपा नगरीय निकायों में व्यापक स्तर पर स्वच्छता अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसे जनभागीदारी के साथ अभियान के रूप में संचालित किया जाए, जिसमें प्रत्येक नागरिक की सहभागिता सुनिश्चित हो। उन्होंने गीले एवं सूखे कचरे को अलग-अलग रखने एवं शत-प्रतिशत अपशिष्ट प्रबंधन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जब स्वच्छता सैनिक घर-घर कचरा संग्रहण के लिए आएं, तो नागरिक उन्हें सहयोग प्रदान करें तथा उन्हें धन्यवाद कर उनके कार्य के प्रति आभार व्यक्त करें। इसके साथ ही उन्होंने आकांक्षीय शौचालय, मिशन अमृत, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना सहित विभिन्न प्रगतिरत निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए उनकी गुणवत्ता एवं समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि सभी योजनाओं का क्रियान्वयन पारदर्शिता एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप किया जाए, ताकि आम नागरिकों को योजनाओं का अधिकतम लाभ मिल सके। बैठक में सर्व मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

युवक ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली, ब्लैकमेल का आरोप

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई ,28 मार्च। भिलाई स्मृति नगर चौकी क्षेत्र के कोहका हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में एक युवक ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मृतक की पहचान मोहन कुमार रामटेके के रूप में हुई है। पुलिस ने मौके से सुसाइडल नोट मिला है जिसमें दोनों लोगो पर ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया गया है मृतक के सिर व नाक पर चोंट के निशान पाया गया मृतक के भाई ने खुदकुशी से इंकार करते हुए हत्या की आशंका जताई है मामले में पुलिस ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही वास्तविकता सामने आने की बात कही है आज सुबह हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में किराए के मकान में रहने वाले मोहन कुमार रामटेके की फांसी के फंदे पर लटकती हुई लाश मिली सूचना पर पहुंची स्मृति चौकी थाना पुलिस ने शव को पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए सुपेला अस्पताल भेज दिया मौके पर पुलिस को घटनास्थल से एक सुसाइडल नोट मिला है सुसाइडल नोट में मृतक ने राजू पाल और सोनिया गोस्वामी के नाम का जिक्र किया है और लिखा है कि मेरी मौत को नजरंदाज ना करें, क्योंकि राजू बोलता है कि पुलिस मेरी जेब में है क्योंकि हम कांग्रेस के नेता हैं सुसाइडल नोट में यह भी उल्लेख है कि राजू पाल और सोनिया गोस्वामी सट्टा चलाते हैं उन्होंने मुझे धमकी दिए हैं कि 100000 रुपए नहीं देने पर किसी मामले में फंसाकर जेल भेज देंगे। राजू से मदद मांगने पर उसने भी इंकार कर सोनिया गोस्वामी का नंबर दे दिया अब दोनों मिलकर मुझे ब्लैकमेल कर रहे हैं। राजू और सोनिया जैसे लोगों को सजा दी जाए। इस मामले में मृतक के भाई नवीन कुमार रामटेके ने बताया कि मोहन कुमार रामटेके पेंटिंग और कुकिंग का काम करता था पांच छह महीने पहले ही यहां आकर किराए पर रह रहा था उसकी दो बेटियां हैं अभी उनकी मां श्री शंकराचार्य अस्पताल में भर्ती है। आज उसका आपरेशन होना था। भाई मोहन कुमार रामटेके शुक्रवार को देर शाम अस्पताल से घर आया था आज सुबह भाभी ने फोन करके भाई के नहीं रहने की जानकारी दी। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आत्महत्या के कारण स्पष्ट हो पाएगा

दलहन एवं तिलहन फसलों को समर्थन मूल्य पर बेच सकेंगे किसान

मोहला 28 मार्च । नवीन जिला मोहला-मानपुर-अं.चौकी को किसानों के हित में एक बड़ी उपलब्धि मिली है। राज्य शासन के महत्वपूर्ण निर्णय के तहत जिले को प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम आशा) की प्राइस सपोर्ट स्कीम (पीएसएस) में शामिल करते हुए केंद्रीय एजेंसी नेफेड के कार्यक्षेत्र में अधिसूचित किया गया है।इससे अब जिले के किसान खरीफ 2025-26 एवं रबी 2026-27 में दलहन एवं तिलहन फसलों को समर्थन मूल्य पर बेच सकेंगे। जिले में फसल चक्र परिवर्तन, दलहन-तिलहन के रकबे में वृद्धि और उपज के बेहतर विपणन के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

बिहान योजना से सशक्त हो रहीं महिलाएं: आजीविका सेवा केन्द्र बना आत्मनिर्भरता का मजबूत आधार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कांकेर, 28 मार्च। जिला पंचायत सीईओ श्री हरेश मंडावी द्वारा बाबूदबेना स्थित आजीविका सेवा केन्द्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सीईओ ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आजीविका केन्द्र को खेती की नवीनतम वैज्ञानिक तकनीक, प्रदर्शनीय मॉडल, पशु पालन से संबंधित सामग्री, कृषि यंत्र एवं उन्नत बीज विभिन्न सरकारी योजनाओं से सुसज्जित किया जाए, ताकि अधिक से अधिक महिला समूहों को लाभ मिल सके। उन्होंने विशेष रूप से गरीब महिला किसानों को विभिन्न आजीविका गतिविधियों से जोड़कर उनकी आय बढ़ाने पर जोर दिया।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के अंतर्गत संचालित इंटिग्रेटेड फार्मिंग क्लस्टर (आईएफसी) एवं आजीविका सेवा केन्द्र से ग्रामीण महिलाएं सशक्त हो रही हैं। आजीविका सेवा केन्द्र के माध्यम से महिलाओं को मुर्गी पालन, सब्जी उत्पादन, फूल एवं सुगंधित धान की खेती, बकरी पालन तथा वनोपज जैसी विविध गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है। इस एकीकृत खेती मॉडल के तहत 16 गांवों की लगभग 1500 महिला किसानों को चयनित कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इस योजना के तहत कांकेर जनपद पंचायत अंतर्गत इंटिग्रेटेड फार्मिंग मॉडल महानदी महिला क्लस्टर संगठन माकड़ीखूना से बागोडार, सिदेसर, हाटकोंगेरा, भीरावाही तथा कंचन महिला क्लस्टर संगठन बारदेवरी से माटवाड़ा लाल, कोकपुर, बारदेवरी, किरगोली एवं जागरूक महिला कलस्टर संगठन धनेलीकन्हार से बाबूदबेना, पोटगांव, अंडी, मरकाटोला तथा आदर्श महिला कलस्टर संगठन गढ़पिछवाड़ी से चयनित गांव वेबरती, पटौद, पुसावंड, दसपुर समूह के दीदीयों को इंटिग्रेटेड फार्मिंग कलस्टर आईएफसी आजीविका वृद्धि कर महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाने का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में बाबूदबेना केन्द्र के माध्यम से 148 महिला किसानों को सब्जी बीज एवं मुर्गी चूजों का वितरण किया जा चुका है।

जिला प्रशासन की पहल से दोरबा नवाटोला हुआ रौशन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

मोहला, 28 मार्च । जिले के ग्राम दोरबा नवाटोला में गत दिवस ट्रांसफार्मर खराब हो जाने से ग्रामीणों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। ट्रांसफार्मर अचानक खराब होने से पूरे गांव की विद्युत व्यवस्था ठप हो गई थी, जिससे कृषि कार्य प्रभावित हो रहे थे तथा परीक्षाओं के चलते विद्यार्थियों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। इस पर ग्रामीणों ने अपनी समस्या कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति के समक्ष रखी।

गांव की समस्या को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने तत्काल विद्युत विभाग को आवश्यक निर्देश दिए। विभाग ने भी तत्परता दिखाते हुए मात्र एक दिन के भीतर नया

ट्रांसफार्मर स्थापित कर विद्युत आपूर्ति बहाल कर दी। पूर्व में ट्रांसफार्मर खराब होने से गांव के घरेलू उपभोक्ता एवं कृषि पंपधारक बुरी तरह प्रभावित हो रहे थे। एक ओर जहां बच्चों की पांचवीं एवं आठवीं कक्षा की परीक्षाएं चल रही थीं, वहीं दूसरी ओर किसान अपनी रबी फसल को बचाने के लिए जूझ रहे थे। बिजली के अभाव में खेतों में लगी मक्का, गेहूं और उड़द की फसले सूखने की कगार पर पहुंच गई थी। जिला प्रशासन एवं विद्युत विभाग की त्वरित कार्यवाही से जैसे ही गांव में पुनः बिजली आपूर्ति शुरू हुई, दोरबा नवाटोला के ग्रामीणों के चेहरे खिल उठे। बच्चों की पढ़ाई सुचारू रूप से शुरू हो गई तथा किसानों के खेतों में सिंचाई का कार्य भी पुनः प्रारंभ हो सका, जिससे फसल को लेकर उनकी चिंता दूर हुई।दोरबा नवाटोला के कृषक श्री बिरझू राम मांडवी ने बताया कि ट्रांसफार्मर खराब होने से सिंचाई कार्य बाधित हो गया था और बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही थी, लेकिन जिला प्रशासन द्वारा एक ही दिन में समस्या का समाधान कर दिया गया। इसी प्रकार श्री सोहन लाल कोमरे, श्री बिसरू राम, श्री सुकलू राम दुग्गा एवं श्रीमती लता बाई सलामे ने बताया कि ट्रांसफार्मर खराब होने से गांव की विद्युत व्यवस्था ठप हो गई थी

जिससे विशेष रूप से किसानों और विद्यार्थियों को परेशानी हो रही थी। कलेक्टोरेट में आवेदन देने के पश्चात मात्र एक दिन में समस्या का समाधान हो गया। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन एवं विद्युत विभाग की त्वरित कार्यवाही के लिए कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति का आभार व्यक्त किया।

समन्वित कृषि प्रणाली अपनाकर पाकलू मरकाम बने समृद्ध कृषक

रायपुर, 28 मार्च। मत्स्य पालन विभाग सहित राज्य एवं केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से ग्रामीणों की आजीविका को सुदृढ़ बनाने की दिशा में प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं। इन योजनाओं का लाभ लेकर कोण्डागांव जिले के ग्राम पल्ली निवासी युवा किसान श्री पाकलू मरकाम ने अपनी मेहनत और लगन से सफलता की नई मिसाल कायम की है।

श्री मरकाम ने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत अपनी भूमि में तालाब निर्माण कर मछली पालन की शुरुआत की। आज वे न केवल मछली पालन कर रहे हैं, बल्कि समन्वित कृषि प्रणाली अपनाकर सालाना लगभग 6 लाख रुपये की आय अर्जित कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2023 में उन्हें इस योजना के तहत तालाब निर्माण के लिए 11 लाख रुपये की लागत पर 6 लाख 60 हजार रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ। वर्तमान में उनके पास 3 तालाब हैं, जिनमें वे रोहू, कतला, कॉमन कार्प, ग्रास कार्प और पंगास जैसी विभिन्न प्रजातियों की मछलियों का पालन कर रहे हैं। मछली पालन के साथ-साथ उन्होंने मुर्गी पालन, सूकर पालन तथा कृषि को भी अपनाया है। मुर्गी पालन में वे सोनाली एवं देशी नस्ल की मुर्गियों का पालन कर रहे हैं। वहीं मुर्गा लड़ाई के लिए प्रसिद्ध असील प्रजाति के मुर्गे का भी पालन कर रहे है, जिसकी कीमत सामान्य मुर्गे से कई गुना अधिक होती है। इसके अतिरिक्त उनके पास लगभग 20 नग सूकर हैं तथा खाकी कैंपबेल, इंडियन रनर और मोती प्रजाति के बत्तख भी हैं, जो उनकी आय का अतिरिक्त स्रोत हैं। साथ ही वे मक्के सहित अन्य फसलों की खेती भी कर रहे हैं।

समन्वित कृषि प्रणाली के माध्यम से विभिन्न गतिविधियों को जोड़कर श्री मरकाम ने अपनी आय के स्रोतों को बढ़ाया है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। आज वे न केवल आत्मनिर्भर बने हैं, बल्कि क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए प्रेरणास्रोत भी हैं।

एक नजर

मुख्यालय से लगातार अनुपस्थित रहने वाला पटवारी निलंबित

बलौदाबाजार, 28 मार्च (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। बिना सूचना के मुख्यालय से एक माह से अधिक समय से लगातार अनुपस्थित रहने वाले पटवारी को एसडीएम ने निलंबित कर दिया है। जारी आदेश के अनुसार राजस्व अनुभाग सिमगा अंतर्गत पटवारी हल्का नंबर 26 ग्राम धोधा के पटवारी चंद्रप्रकाश 20 फरवरी 2026 से बिना सूचना के मुख्यालय से अनुपस्थित है। अनुपस्थिति के कारण अनेक महत्वपूर्ण शासकीय कार्य प्रभावित हो रही है। पटवारी के उक्त कृत्य को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम 1966 के प्रतिकूल मानते हुए एसडीएम सिमगा द्वारा पटवारी चंद्रप्रकाश को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि में इनका मुख्यालय तहसील कार्यालय सिमगा नियत किया गया है। इस अवधि में नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

प्रयास आवासीय विद्यालयों के कक्षा 9 वीं में प्रवेश के लिए ऑनलाईन आवेदन 17 अप्रैल तक

बलौदाबाजार, 28 मार्च (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजना अंतर्गत छत्तीसगढ़ में संचालित राजीव गांधी बाल भविष्य सुरक्षा प्रयास आवासीय विद्यालय योजना के तहत सत्र 2026-27 में प्रयास आवासीय विद्यालयों के कक्षा 9वीं में प्रवेश हेतु ऑनलाईन आवेदन भरने की अतिम तिथि 17 अप्रैल 2026 रात्रि 12 बजे तक निर्धारित है। ऑनलाईन भरे गए आवेदन पत्र में विद्यार्थी द्वारा त्रुटि सुधार 18 से 21 अप्रैल रात्रि 12 बजे तक कर सकते हैं।प्राक्चयन परीक्षा का आयोजन 10 मई 2026 है। विद्यार्थी वेबसाईट https:eklavya.cg.nic.in/PRSMS/Student-Admission-Detiaद्य में ऑनलाईन आवेदन पत्र जमा कर सकते है। आवेदन पत्र एवं अन्य जानकारी विभागीय वेबसाईट एवं जिले के सहायक आयुक्त आदिवासी विकास कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं।

सहायक उपनिरीक्षक मनीष वर्मा को स्थानांतरण पर दी गई विदाई

बलौदाबाजार 28 मार्च (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। पुलिस कार्यालय सभा कक्ष में सहायक उप निरीक्षक मनीष वर्मा का सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुलिस कार्यालय में रीडर-1 के रूप में कार्यरत मनीष वर्मा का स्थानांतरण डायल-112 रायपुर हुआ है। सम्मान कार्यक्रम के अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता द्वारा मनीष वर्मा को प्रशस्ति पत्र, शाल, श्रीफल तथा उपहार भेंट किया गया। कार्यक्रम में श्रीमती भावना गुप्ता द्वारा मनीष वर्मा के रीडर-1 के रूप में किए गए उल्लेखनीय कार्यों की सराहना एवं प्रशंसा करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए, सदैव लगन, मेहनत एवं तत्परता पूर्वक कार्य करने हेतु प्रोत्साहित किया गया।

शराब कोचिया गिरफ्तार

बलौदाबाजार 28 मार्च (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता के निर्देशन में आमजनों की शिकायत एवं समस्याओं का त्वरित निराकरण करने हेतु जिले में महत्वाकांक्षी योजना समाधान सेल प्रारंभ किया गया है, जिसकी सहायता से किसी भी प्रकार की सूचना, शिकायत अथवा आपराधिक गतिविधि की जानकारी समाधान सेल हेल्पलाइन नंबर 94792 20392 में व्हाट्सएप अथवा कॉल के जरिए प्रदान की जा सकती है। समाधान सेल के माध्यम से आपराधिक कार्यों में संलिप्त व्यक्तियों की धरपकड़ में भी लगातार कामयाबी मिल रही है। इसी तारतम्य में आज दिनांक 27.03.2026 को समाधान सेल में प्राप्त सूचना के आधार पर चौकी बया पुलिस टीम द्वारा ग्राम चेचरापाली मोड के पास घेराबंदी कर अवैध रूप से बिक्री करने के लिए शराब ले जाते हुए 01 आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी शराब कोचियों से ?5000 कीमत मूल्य का 8.100 बल्क लीटर अंग्रेजी एवं देशी प्लेन शराब एवं अवैध रूप से शराब परिवहन में प्रयुक्त एक जुपिटर स्कूटी क्र. ष्ट्ल22 श्व 3242 जप्त किया गया है।

गोवा के मंत्री रमेश तावड़कर ने देखी छग की जनजातीय गौरव की झलक

रायपुर, 28 मार्च। गोवा राज्य के जनजातीय विकास, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के माननीय मंत्री डॉ. रमेश तावड़कर ने आज छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति और गौरव की झलक देखी। उन्होंने नवा रायपुर स्थित छत्तीसगढ़ आदिवासी संग्रहालय एवं शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय का भ्रमण कर जनजातीय कला, संस्कृति, रीति-रिवाज एवं जनजातीय शौर्य के जीवंत प्रदर्शन को देखकर वे अत्यंत प्रभावित हुए।

गोवा के जनजातीय विकास मंत्री डॉ. तावड़कर ने कहा कि देश के स्वतंत्रता संग्राम में छत्तीसगढ़ के जनजातीय समाज का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। संग्रहालय में जनजातीय शौर्य के जीवंत प्रदर्शन एवं बड़े पैमाने पर किए गए डिजिटलीकरण ने उन्हें विशेष रूप से प्रभावित किया। उन्होंने कहा कि गोवा राज्य में भी जनजातीय समुदाय का समृद्ध इतिहास रहा है, परन्तु छत्तीसगढ़ की तरह इसका व्यापक प्रचार-प्रसार नहीं हो पाया है। इस मौके पर उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी को स्मरण करते हुए कहा कि वर्ष 2003 में उनके कार्यकाल के दौरान ही गोवा में निवासरत जनजातीय समुदाय को पहली बार औपचारिक मान्यता प्राप्त हुई थी।

डॉ. तावड़कर ने कहा कि गोवा एवं छत्तीसगढ़ के मध्य जनजातीय शोध, विकास एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में बेहतर आदान-प्रदान की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य के प्रतिनिधिमंडल को गोवा भ्रमण हेतु आंमत्रित भी किया। इस मौके पर गोवा राज्य के संचालक खेल डॉ. अजय कुमार गोड़े, आदिम जाति विभाग गोवा के संचालक श्री निलेश डाऐगोडकर, संचालक टीआरआई गोवा श्री पी. गांओकर, ओएसडी श्री राजेन्द्र बोरकर, वरिष्ठ अधिकारी श्री अर्जुन रामकृष्ण पाटिल, श्री जनक टेकाले, श्री मृकुंद नायक तुब्की, श्री अशोक अरविन्द काले एवं श्री राजेन्द्र दताजीराव भी मौजूद थे।

संग्रहालय भ्रमण के उपरांत टीआरआई के सभागार में एक संक्षिप्त बैठक का भी आयोजन किया गया, जिसमें दोनों राज्यों के बीच सहयोग की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा द्वारा पीपीटी के माध्यम से दोनों संग्रहालयों के निर्माण कार्य, उनकी विशेषताओं एवं उपलब्धियों की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि गोवा एवं छत्तीसगढ़ के मध्य शीघ्र ही एक एमओयू किया जाएगा, जिससे जनजातीय संग्रहालय निर्माण, जनजातीय शोध, विकास सांस्कृतिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण सहयोग स्थापति हो सकेगा। बैठक में संस्थान की संचालक श्रीमती हिना अनिमेष नेताम ने जनजातीय संस्कृति के क्षेत्र में बन रहे ट्राईबल फोक म्यूजिक स्टूडियो सुरगुड़ी पर जानकारी दी।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ के जनजातीय शौर्य को प्रदर्शित करता शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम संग्रहालय का लोकार्पण राज्योत्सव के समय 01 नवंबर 2025 को देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कर कमलों से हुआ था, जबकि छत्तीसगढ़ अदिवासी संग्रहालय का लोकार्पण मई 2025 को मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के कर कमलों से हुआ। इनके लोकार्पण के बाद इन्हें आमजन हेतु खोल दिया गया है। अब तक लगभग 02 लाख से अधिक पर्यटकों, शोधार्थियों, विशेषज्ञों द्वारा इसका भ्रमण किया जा चुका है। भारत सरकार, जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा गणतंत्र दिवस, 26 जनवरी, 2026 के अवसर पर आयोजित परेड में शहीद वीर नारायण सिंह संग्रहालय की प्रतिकृति को प्रदर्शित किया गया। इससे छत्तीसगढ़ ही नहीं पूरे देश में जनजातीय वीर नायकों की अमर गाथाओं, उनकी देश भक्ति, अदम्य साहस और बलिदान की परंपरा को नई पीढ़ी को जानने समझने का अवसर राष्ट्रीय मंच पर प्राप्त हुआ।

उपभोक्ता आयोग ने किया जागरूकता शिविर का आयोजन

बलौदाबाजार,28 मार्च। छत्तीसगढ़ राज्य उपभोक्ता आयोग के निर्देशानुसार 25 मार्च बुधवार को बलौदाबाजार नगर के आजाद चौक में उपभोक्ता जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जागरूकता शिविर में नगरवासियों को उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों तथा उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों से अवगत कराया गया।

जिला उपभोक्ता आयोग की अध्यक्ष रंजना दत्ता,सदस्यगण शारदा सोनी एवं हरजीत सिंह चावला ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 की जानकारी देते हुए बताया कि उपभोक्ताओं को गुमवतापूर्ण वस्तु एवं सेवाएं प्राप्त करना उनका कानूनी अधिकार है। उपभोक्ताओं को किसी बस्तु की कीमत एवं गुणवत्ता की जांच, मात्रा की जांच सेवा संविदा रातें, बीमा, मेडिकल क्लेम फाइनेंस कंपनियों एवं बैंक, यातायात वाहन, आनलाइन खरीददारी सोच समझकर करनी चाहिए। किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी, मिलावट, अधिक मूल्य वसूली वा सेवा में कमी की स्थिति में उपभोक्ता आयोग में शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। नंगरवासियो को ई-जागृति पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया तथा ई-हियरिंग प्रणाली की विस्तृत जानकारी दी गई। ई जागृति एवं ई हियरिंग से अव उपभोक्ता पर बैठे ही डिजिटल माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज कर सकते हैं तथा सुनवाई में भी बॉनसाइन सामिल हो सकते हैं, जिससे समय और संसाधनों की बचत होती है।

शिविर में नगरवासियो को दैनिक जीवन में सतर्कता बरतने की अपील करते हुए बताया गया कि किसी भी वस्तु को कम करते समय उसकी अवसान तिथि/एक्सपायरी डेट एमआरपी गुणवता चिन्ह (आईएसबाई एवं एगमार्क आदि) का अवलोकन अवश्य करें। क्रय की गई प्रत्येक वस्तु का पड़ा बिस लेना अनिवार्य बताया गया। इस दौरान उपस्थित महिलाएं एवं अन्य नगरवासियों के प्रथों के उत्तर देकर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया।

सेवाभावी कार्य में योगदान

बलौदाबाजार 28 मार्च। जिला बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस द्वारा पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता के कुशल निर्देशन में कानून व्यवस्था एवं सुरक्षा प्रबंध संबंधी कार्य तत्परता पूर्वक संपादित किया जा रहा है। साथ ही आमजनों की सेवाभावी कार्य में भी लगातार अपना योगदान दिया जा रहा है। इसी क्रम में आज दिनांक 28.03.2026 को सूचना मिली कि जिला चिकित्सालय बलौदाबाजार में एक युवती भर्ती है, जिसे तत्काल में ब्लड की आवश्यकता है। सूचना मिलते ही पुलिस कार्यालय बलौदाबाजार में पदस्थ आरक्षक कृष्ण कुमार साहू एवं आरक्षक अरुण धृतलहरे तत्काल जिला चिकित्सालय पहुंचे एवं मरीज के परिजनों से संपर्क करते हुए दोनों आरक्षकों द्वारा मरीज के उचित इलाज हेतु अपना अमूल्य रक्तदान किया गया। जिला बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस आपकी सेवा में सदैव तत्पर है।

नवीन आपराधिक कानून के प्रावधानों के तहत ई-साक्ष्य एवं ई-समंस के उपयोग पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

बलौदाबाजार 28 मार्च। पुलिस कार्यालय सभा कक्ष बलौदाबाजार में पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता के कुशल निर्देशन में नवीन आपराधिक कानून के प्रावधानों के अंतर्गत ई-साक्ष्य एवं ई-समंस के महत्व तथा विवेचना में इनके प्रभावी उपयोग के संबंध में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक सिंह द्वारा द्वारा यह बताया गया कि डिजिटल तकनीक के माध्यम से उपलब्ध ई-साक्ष्य अपराधों की विवेचना को सुदृढ़ बनाते हैं तथा न्यायालय में आरोपियों को दंडित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। साथ ही यह भी निर्देशित किया गया कि विवेचना के दौरान आरोपियों एवं गवाहों के मोबाइल नंबर का सही इंद्राज किया जाए, जिससे ई-समंस जारी करने की प्रक्रिया को सरल और प्रभावी बनाया जा सके। प्रशिक्षण सत्र में प्रशिक्षक प्रधान आरक्षक विनोद सिंह द्वारा प्रोजेक्टर के माध्यम से ई-साक्ष्य एवं ई-समंस से संबंधित पोर्टल के उपयोग की तकनीकी जानकारी विस्तार से प्रदान की गई तथा उपस्थित अभियोजन अधिकारियों एवं कोर्ट मोहर्रिरों को डिजिटल प्रक्रियाओं के संबंध में व्यवहारिक मार्गदर्शन दिया गया। इस महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम में डीडीपीओ श्री गजेंद्र साहू, डीपीओ श्रीमती सरिता शर्मा, शासकीय अभिभाषक श्री तामेश्वर वर्मा, अभियोजन अधिकारी श्री राजेश कौशिक, एसडीओपी बलौदाबाजार सुश्री अपूर्वा क्षत्रिय, सहायक उप निरीक्षक मनीष वर्मा प्रधान आरक्षक नागेंद्र उपाध्याय सहित जिले में कार्यरत समस्त कोर्ट मोहर्रिर उपस्थित रहे।

जन्म-मृत्यु पंजीयन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने राज्य स्तरीय बैठक संपन्न

रायपुर, 28 मार्च। मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर (अटल नगर) में योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी तथा बीस सूत्रीय कार्यक्रम कार्यान्वयन विभाग द्वारा जन्म-मृत्यु पंजीयन कार्य की समीक्षा हेतु राज्य स्तरीय अंतर्विभागीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता विभागीय सचिव श्री भुवनेश यादव ने की। बैठक में भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण की उप महानिदेशक श्रीमती पी. संगीता, संयुक्त महारजिस्ट्रार (जन्म-मृत्यु) एवं जनगणना निदेशक, छत्तीसगढ़ श्री कार्तिकेय गोयल सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। सचिव श्री भुवनेश यादव ने निर्देशित किया कि राज्य में प्रत्येक जन्म एवं मृत्यु का शत-प्रतिशत एवं समयबद्ध पंजीयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु सटीक एवं अद्यतन आंकड़े उपलब्ध हो सकें। आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय की संचालक श्रीमती रोक्तिमा यादव ने जन्म एवं मृत्यु पंजीयन की वर्तमान स्थिति एवं प्रगति पर विस्तृत प्रस्तुति दी। बैठक में पंजीयन व्यवस्था को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं समयबद्ध बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। समीक्षा के दौरान वर्ष 2025 में जन्म पंजीयन का सकल पंजीयन दर 108.4 प्रतिशत एवं शुद्ध दर 71.7 प्रतिशत तथा मृत्यु पंजीयन का सकल दर 102.6 प्रतिशत एवं शुद्ध दर 92.5 प्रतिशत दर्ज किया गया। कम प्रगति वाले जिलों में विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। बैठक में सभी शासकीय एवं निजी संस्थानों में जन्म एवं मृत्यु का 21 दिनों के भीतर अनिवार्य पंजीयन सुनिश्चित करने तथा अस्पताल से डिस्चार्ज से पूर्व जन्म प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। साथ ही, 27 जनवरी 2026 से लागू छत्तीसगढ़ जन्म-मृत्यु पंजीकरण नियम, 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन, CRS-ORGI पोर्टल पर एकीकृत पंजीयन तथा प्रथम प्रमाण पत्र 7 दिवस के भीतर निःशुल्क प्रदान करने के निर्देश दिए गए।

हर घर नल से बदली ग्रामीणों की जिंदगी, महिलाओं को मिली बड़ी राहत

रायपुर, 28 मार्च। जल जीवन मिशन के तहत राज्य में हर घर नल से जल योजना का प्रभाव अब व्यापक रूप से दिखाई देने लगा है। इस पहल ने न केवल पेयजल की समस्या का समाधान किया है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन स्तर को भी बेहतर बनाया है। सरगुजा जिले के लुण्ड्रा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत पड़ौली इसका एक उदाहरण है, जहां अब प्रत्येक घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंच रहा है। पहले गांव के लोगों, विशेषकर महिलाओं को दूर-दराज के स्रोतों जैसे कुएं और हैंडपंप से पानी लाना पड़ता था। इसमें समय और श्रम दोनों अधिक लगते थे, साथ ही दूषित पानी के कारण बीमारियों का खतरा भी बना रहता था। अब घर-घर नल कनेक्शन मिलने से इन समस्याओं का समाधान हो गया है।

ग्राम पंचायत पड़ौली की निवासी श्रीमती देवराजो यादव बताती हैं कि पहले उनके दिन का बड़ा हिस्सा पानी लाने में ही बीत जाता था। हर घर नल से जल योजना लागू होने के बाद अब उनके घर में ही स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध है, जिससे दैनिक जीवन काफी आसान हो गया है। अब वे अपने परिवार, बच्चों की पढ़ाई, खेती और आजीविका से जुड़े अन्य कार्यों के लिए अधिक समय दे पा रही हैं। इससे न केवल समय की बचत हो रही है, बल्कि परिवार के स्वास्थ्य में भी सुधार हुआ है। देवराजो यादव सहित ग्रामवासियों ने इस सकारात्मक बदलाव के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया है। राज्य में जल जीवन मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित हो रही है, जिससे लोगों के जीवन में व्यापक और स्थायी बदलाव आ रहा है।

MUNICIPAL CORPORATION RAIPUR
e-Procurement Tender Notice
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in

NIT NO:153 **RAIPUR DATED:27/03/2026**

Online bids are invited for the following works up to**17.04.2026 at 17:30 hours.**

Sr. No.	System Tender No.	Name of work/Description of work	Probable amount of contract (In Lacs)
1	**188096**	विपिन बिहारी सूर वार्ड जोन क्र 6 सामुदायिक भवन कैलाशपुरी चौक (पटेल समाज छात्रावास के पास)हॉल एवं अतिरिक्त कक्ष निर्माण। (विधायक निधि) (द्वितीय निविदा)	**15.00**
2	**188097**	सामुदायिक भवन में हॉल निर्माण पटेल समाज के पास विपिन बिहारी सूर वार्ड नगर पालिक निगम रायपुर (सांसद निधि) (प्रथम निविदा)	**15.00**

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement portal https://eproc.cgstate.gov.in from **27.03.2026 17.30 Hours** (1ST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portalNIT Details and other documents.

NOTE: -

1 • All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal.

2 • Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. ***Help Desk at Toll Free No. 18004199140 or through Email ID helpdesk.eproc@cgswan.gov.in***

घरों से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

ZONE COMMISSIONER
ZONE 04
MUNICIPAL CORPORATION
RAIPUR (C.G.)

कार्यालय नगर पालिका परिषद् तिल्दा नेवरा जिला रायपुर (छ.ग.)

क्रमांक 1563 लो.नि.वि./न.पा./2025-26 तिल्दा नेवरा दिनांक 24.03.2026

मैन्युअल निविदा आमंत्रण सूचना (प्रथम)

नगर पालिका परिषद तिल्दा नेवरा जिला रायपुर द्वारा एकीकृत पंजीकृत प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत फर्मों/ठेकेदारों से त्रि-लिफाफा पद्धति में शासकीय पंजीकृत डॉक स्पीड पोस्ट के माध्यम से निविदा प्रपत्र। में प्रचलित एस.ओ.आर. पी.डब्ल्यू.डी. भवन / इलेक्ट्रीकल 2020 से प्रतिशत दर (निविदा जारी दिनांक तक संशोधित दर अनुसार) मुहरबंद लिफाफा में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में निविदा आमंत्रित की जाती हैं :-

1. **निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन की अंतिम तिथि :- दि. 16.04.2026 समय सायं 05:00 बजे तक।**
2. **निविदा प्रपत्र प्रदान करने की अंतिम तिथि:- दि. 20.04.2026 समय सायं 05:00 बजे ।**
3. **निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि :- दि. 23.04.2026 समय सायं 03:00 बजे ।**
4. **निविदा प्रपत्र खोलने की अंतिम तिथि :- दि. 23.04.2026 समय सायं 04:00 बजे ।**

क्र.	कार्य का विवरण	निविदा राशि (लाख में)	अमानत राशि (रूपये में)	निविदा प्रपत्र शुल्क	समयावधि
1	वार्ड क्र. 18 में कर्मचारी सदन विस्तार कार्य	5.01	5000.00	750.00	04 माह

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी विभागीय वेबसाईट http://uad.cg.gov.in से एवं कार्यालय के सूचना पटल में कार्यालयीन समय में प्राप्त की जा सकती हैं।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद तिल्दा नेवरा

कार्यालय अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, बस्तर मण्डल, जगदलपुर
ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
https://eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है :-
निविदा डाऊनलोड करने की अंतिम तिथि: 15/04/2026

स. क्र.	नि.आ.सू.क्र./ नि.आ.सु., दिनांक	सिस्टम निविदा क्रमांक निविदा का क्रम	कार्य का नाम	कार्य की अनुमाति लागत (रूपये लाख में)
01	02	03	04	05
1	246/2025-26 दिनांक 25/03/2026	187912 (प्रथम आमंत्रण)	जिला-बीजापुर, ब्लाक-भैरमगढ़ के मिरतुर, में ट्राजिस्ट हॉस्टल भवन का निर्माण कार्य।	46.36
2	247/2025-26 दिनांक 25/03/2026	187919 (प्रथम आमंत्रण)	जिला-बीजापुर, ब्लाक-भैरमगढ़ के फरसेगढ़, में ट्रांजिस्ट हॉस्टल भवन का निर्माण कार्य।	46.36
3	248/2025-26 दिनांक 25/03/2026	187920 (प्रथम आमंत्रण)	जिला-बीजापुर, ब्लाक-भैरमगढ़ के बेदरे में ट्राजिस्ट हॉस्टल भवन का निर्माण कार्य।	46.36
4	249/2025-26 दिनांक 25/03/2026	187921 (प्रथम आमंत्रण)	जिला-बस्तर के जगदलपुर नर्सिंग कॉलेज में 01 नग ''एफ'' टाईप एवं 01 नग ''जी'' टाईप स्टॉफक्वार्टर का निर्माण कार्य।	35.07
5	250/2025-26 दिनांक 25/03/2026	187922 (प्रथम आमंत्रण)	जिला-सुकमा के आकार भवन का रिनोवेशन कार्य।	35.15

निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखे जा सकते है।

जी- 252607436/7

अधीक्षण अभियता
लोक निर्माण विभाग
बस्तर मंडल जगदलपुर

एक नजर

चार्वी गजेन्द्र ने फाइनल परीक्षा में टॉप-3 में स्थान बनाया

रायपुर 28 मार्च। एक्टिव किड्स स्कूल, रावतपुरा कॉलोनी को गर्व है कि उसकी छात्रा चार्वी गजेन्द्र ने

कक्षा PPw की फाइनल परीक्षा में टॉप-3 में जगह बनाई है। कक्षा-गतिविधियों, निरंतर अभ्यास और अभिभावक-शिक्षक समन्वय की बदौलत चार्वी ने यह उपलब्धि हासिल की। प्रिंसिपल ललिता साहू ने कहा, यह नतीजा हमारे अनुभव-आधारित शिक्षण, क्लास टीचर मुनमुन राय नियमित फ़ीडबैक और बच्चों की जिज्ञासा को बढ़ावा देने की नीति का प्रत्यक्ष प्रमाण है। चार्वी गजेन्द्र को हार्दिक बधाई—उसकी लगन अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा बने। विद्यालय सभी छात्रों को समान समर्थन देता रहेगा।

वेदांता ने शीर्ष कंपनियों में बनाई जगह

रायपुर 28 मार्च। भारत की सबसे बड़ी एल्युमीनियम उत्पादक कंपनी वेदांता एल्युमीनियम को एसएंडपी ग्लोबल सस्टेनेबिलिटी ईयरबुक 2026 में दुनिया की टॉप 10त्न कंपनियों में शामिल किया गया है। कंपनी को यह स्थान कॉर्पोरेट सस्टेनेबिलिटी असेसमेंट (सीएसए) में 84/100 के मजबूत स्कोर के आधार पर मिला है। एल्युमीनियम उद्योग में कंपनी को पहली बार टॉप 10त्न कंपनियों में स्थान मिला है। इससे पहले भी कंपनी ने वैश्विक स्तर पर मजबूत प्रदर्शन करते हुए एसएंडपी ग्लोबल सीएसए 2025 में लगातार तीसरे साल दुनिया में दूसरा स्थान हासिल किया था। इस आकलन चक्र में 59 उद्योगों की 9,200 से अधिक कंपनियों का मूल्यांकन किया गया, जिनमें से केवल 848 कंपनियाँ ही वार्षिकी सदस्य बनने के लिए योग्य ठहराई गईं। टॉप 10त्न की मान्यता उन चुनिंदा कंपनियों को दी जाती है, जो अपने-अपने क्षेत्रों में दुनिया भर की अन्य कंपनियों की तुलना में सस्टेनेबिलिटी (स्थिरता) के मामले में बेहतर प्रदर्शन करती हैं।

प्याऊ घर का शुभारंभ

रायपुर 28 मार्च। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, छत्तीसगढ़ के राज्य मुख्य आयुक्त श्री इंदरजीत सिंह खालसा के निर्देशानुसार एवं भारत स्काउट्स एवं गाइड्स जिला संघ रायपुर के अध्यक्ष जी स्वामी, जिला आयुक्त एवं जिला शिक्षा अधिकारी रायपुर हिमांशु भारतीय के मार्गदर्शन में रामनवमी के शुभ अवसर जिला संघ रायपुर द्वारा पर नागरी दास मंदिर के सामने एवं शास उच्च मा शाला मठपारा के पास शिव मंदिर महाराजबंद तालाब में प्याऊ घर का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर पुरानी बस्ती थाना के थाना प्रभारी श्री शिशुपाल चंद्रवंशी, उप निरीक्षक श्री जी. आर. साहू,जिला सचिव श्री मृत्युंजय शुक्ला,जिला संगठन आयुक्त श्री हेमंत शुक्ला,श्री यू एस मुकादम राज्य समन्वयक राज्य मुख्यालय रायपुर ,विकासखंड सचिव धरसीवां श्री मुकेश बोरकर, भावेश चंद्राकर,राज्य मुख्यालय रायपुर,रोवर नमन साहू,वासुदेव आदि उपस्थित थे।

सुंदरकांड पाठ से सुहागा मंदिर हुआ राममय

रायपुर 28 मार्च। श्रीराधाकृष्ण स्वामी मुरली मनोहर सुहागा मंदिर ट्रस्ट कमेटी द्वारा ब्राह्मण पारा में श्रीराम नवमी के पावन पर्व पर सामूहिक सुंदर कांड का पाठ किया। प्रसिद्ध भजन गायक रामकृष्ण बंधुओं के संगीतमय सुंदरकांड पाठ ने श्रद्धालुओं को भाव विभोर किया। सुंदरकांड पाठ और हनुमान चालीसा के साथ ओम नमः शिवाय की गूंज के साथ शिव भजन और तूने मुझे बुलाया मां शेरावाली जैसे भजन ने नवरात्रि पर्व और रामनवमी को यादगार बनाया। सुंदरकांड पठन के सामूहिक कार्यक्रम में विप्र संस्कृतिक भवन प्रबंध समिति के अध्यक्ष नरेंद्र तिवारी, छत्तीसगढ़ी युवा विकास संगठन के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा, पूर्व जिलाधीश अनुराग पांडेय ,भाजपा नेता सुभाष तिवारी, मिश्रीलाल पांडेय, डी पी तिवारी, पंडित ओमप्रकाश तिवारी, प्रकाश तिवारी, प्रदीप नारायण,नवीन शर्मा, डॉ. ध्रुव पांडेय, भूपेंद्र शर्मा ,नटराज शर्मा ,संजय दीवान, डॉ . मेघेश तिवारी, कुसुम शर्मा ,विभा तिवारी, रत्ना मिश्रा, प्रीति शुक्ला, सरिता शर्मा, पदमा दीवान विप्र शक्ति महिला मंडल एवं सुहागा मंदिर ट्रस्ट कमेटी के समस्त सदस्यों सहित बड़ी संख्या में छत्तीसगढ़ी ब्राह्मण समाज के सदस्यों ने उपस्थित होकर सामूहिक सुंदरकांड पाठ का आनंद लिया।

नक्सली इलाकों के हर परिवार की आय तीन साल में दोगुना करने की तैयारी

रायपुर 28 मार्च। छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में शुक्रवार (27 मार्च) को बैठक हुई. इसमें नक्सल प्रभावित इलाकों में रह रहे परिवारों की आय तीन सालों में दोगुनी करने का फैसला लिया गया है. इसके लिए जिला, विकासखंड और क्लस्टर पर काम करने के लिए कार्ययोजना तैयार की जाएगी.

राजधानी रायपुर में शुक्रवार को राज्यस्तरीय परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया गया. इसमें नक्सलवाद से मुक्त हुए इलाकों में जल्द, स्थायी और समावेशी विकास को लेकर चर्चा हुई. इन क्षेत्रों में आजीविका संवर्धन के लिए योजना तैयार की गई. नक्सल प्रभावित एरिया में हर परिवार की आय 15 हजार या उससे कम है. इसे दोगुना करने की तैयार है. अगले तीन सालों में हर परिवार की इनकम को 30 हजार रुपये ले जाने का लक्ष्य रखा गया है.

मुख्य सचिव ने क्या कहा

बैठक के दौरान मुख्य सचिव विकासशील ने कहा कि नक्सलवाद से मुक्त हो रहे क्षेत्रों में तेज गति के साथ विकास करना हमारा लक्ष्य है. लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए विभागों को समन्वय के साथ काम करना होगा. इस बैठक में अपर मुख्य सचिव ऋचा शर्मा, ग्रामीण विकास विभाग की प्रमुख सचिव निहारिक बारीक और कृषि विभाग प्रमुख सचिव सहला निगार मौजूद रहीं.

बैठक की अहम बातें: नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के परिवारों की इनकम दोगुनी करने पर जोर. परिवार की आय को 15 हजार से बढ़ाकर 30 हजार करने की तैयारी. हर परिवार को कम से कम 3 आजीविका गतिविधियों से जोड़ा जाएगा. जिला, विकासखंड और क्लस्टर स्तर पर 60 दिनों के भीतर विस्तृत कार्ययोजना बनाई जाएगी.

स्वास्थ्य विभाग में पदस्थापना में भ्रष्टाचार: प्रदेश कांग्रेस

रायपुर 28 मार्च। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ राकेश गुप्ता ने पिछले सप्ताह स्वास्थ्य विभाग के द्वारा जारी प्रति नियुक्ति पदस्थापना के आदेश की तीखी आलोचना करते हुए कहा है कि इससे पूरे स्वास्थ्य विभाग में प्रशासनिक अफरा तफरी मच जाएगी। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री पर आरोप लगाते हुए कहा है कि इससे वसूली की एक और खिड़की खुलने की पूरी संभावना है। यह आदेश भ्रष्टाचार के उद्देश्य से निकाला गया प्रतीत होता है।

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ राकेश गुप्ता ने प्रशासनिक गरिमा और परंपराओं के पालन करने की सलाह देते हुए प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल से मांग किया है कि स्वास्थ्य विभाग के सभी पदों पर पिछले ढाई वर्षो से प्रमोशन नहीं हुए हैं सभी विभागों में समयबद्ध प्रमोशन किए जाने चाहिए और सभी स्वीकृत पदों को पारदर्शी प्रशासनिक प्रक्रिया के अंतर्गत भर्ती की जाना चाहिए ताकि स्वास्थ्य विभाग का काम राजधानी और सुदूर जिलों में सुचारू ढंग से चल सके। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ राकेश गुप्ता ने कहा है कि वर्तमान में डॉक्टर, चिकित्सा शिक्षकों, नर्सिंग पैरामेडिकल

वर्कर्स और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की भर्ती नहीं हो पाने के कारण व्यवस्था पूरी तरह चौतरफा लकवे का शिकार हो गई है।मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार में स्वास्थ्य विभाग में प्रति नियुक्तियों का खेल जारी है।जिसके कारण निचले स्तर के कर्मचारी भी प्रति नियुक्ति उप संचालक बने बैठे हैं। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ राकेश गुप्ता ने राज्य के मुख्य सचिव श्री विकासशील एवं स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया को एक मेल भेज कर इस प्रक्रिया के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग में जिला स्तर से प्रतिनियुक्ति हेतु ऑनलाइन आवेदन मांगे जाने को प्रक्रिया को तुरंत स्थगित करने की मांग की।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कमी से आमजन को मिलेगी राहत: डॉ. तिवारी

गरियाबंद 28 मार्च। पेट्रोल एवं डीजल की कीमतों में कमी को लेकर केंद्र सरकार द्वारा लिए गए निर्णय पर भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिला संयोजक डॉ. अरविंद नाथ तिवारी ने प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय आमजन को राहत देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

डॉ. तिवारी ने कहा कि ईंधन की कीमतों में कमी से न केवल आम उपभोक्ताओं को फायदा होगा, बल्कि परिवहन और आवश्यक वस्तुओं की लागत में भी कमी आने की संभावना है। उन्होंने बताया कि इसका सीधा सकारात्मक प्रभाव बाजार व्यवस्था और आर्थिक गतिविधियों पर पड़ेगा।

उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में जहां कच्चे तेल की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव बना हुआ है, ऐसे समय में यह फैसला संतुलन बनाए रखने में सहायक सिद्ध होगा।

डॉ. तिवारी ने यह भी कहा कि ईंधन सस्ता होने से स्वास्थ्य क्षेत्र में भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। अस्पतालों में उपयोग होने वाली एंबुलेंस सेवाओं, दवाइयों के परिवहन और

चिकित्सा उपकरणों की लागत में कमी आएगी, जिससे मरीजों को उपचार अपेक्षाकृत सस्ता और सुलभ हो सकेगा।

डॉ. तिवारी ने उम्मीद जताई कि इस निर्णय से किसानों, व्यापारियों और मध्यम वर्ग को राहत मिलेगी तथा महंगाई पर नियंत्रण में भी मदद मिलेगी। अंत में उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा समय-समय पर लिए जा रहे ऐसे कदम जनहित को ध्यान में रखकर किए जा रहे हैं, जिससे आम लोगों को सीधा लाभ मिल सके।

नक्सलवाद पर कांग्रेस को सवाल करने का नैतिक अधिकार नहीं: संतोष पांडेय

रायपुर 28 मार्च। भाजपा मुख्य प्रवक्ता एवं सांसद संतोष पांडेय ने दीपक बैज के बयान पर पटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज एवं कांग्रेस पार्टी प्रश्न करती हैं कि क्या नक्सली समस्या 31 मार्च के बाद खत्म हो जाएगी? और यदि आगे घटनाएं होगी तो इसका जिम्मेदार कौन होगा? प्रश्न के जवाब में उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी को प्रश्न करने का अधिकार नहीं है।

केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने समय सीमा के तहत टारगेट तय करके और दृढ़ता के साथ लक्ष्य निर्धारित किया। वह समय अब आ गया है लक्ष्य की प्राप्ति की जाए । जिस पर कांग्रेस को तकलीफ हो रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने सुदर्शन रेड्डी को उपराष्ट्रपति का उम्मीदवार बनाया था जो सलवा जुडूम के घोर विरोधी थे। नक्सलियों के समर्थक रहे हैं। जिसे वर्तमान में उपराष्ट्रपति चुनकर आए सीपी राधाकृष्णन जी के विरुद्ध चेहरा बनाया गया था । कांग्रेस पार्टी हमेशा नक्सलियों के पक्ष में रही हैं। कांग्रेस पार्टी कहती थी कि मंदिर वहीं बनाएंगे किंतु तारीख नहीं बताएंगे , किन्तु प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भगवान श्रीराम का मंदिर भी बन गया

लाखों करोड़ों दर्शनार्थियों ने रामलला का दर्शन लाभ भी ले लिया । धारा 370 खत्म हो गया कश्मीर में अमन और चैन की बयार बह रही है। पत्थर चलाने वाले पत्थर बाज हो चाहे आतंकवाद हो उसी प्रकार से नक्सलवाद का सफाया इस दृढ़ इच्छा शक्ति के साथ होने वाला है। जिस पर कांग्रेस पार्टी को किसी प्रकार का सवाल करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है देश की आंतरिक सुरक्षा और मजबूती के दृष्टिकोण से नक्सल सफाया मील का पत्थर साबित होगा इस विषय पर प्रश्न खड़ा करना हास्यास्पद है ।

अचानकमर टाइगर रिजर्व में नई पोस्टिंग

रायपुर 28 मार्च। छत्तीसगढ़ शासन के वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग ने बड़े स्तर पर प्रशासनिक फेरबदल करते हुए पांच वरिष्ठ अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी हैं। इस संबंध में मंत्रालय से आदेश जारी किया गया। जारी आदेश के मुताबिक, भारतीय वन सेवा के वरिष्ठ अधिकारी अभिषेक कुमार सिंह को प्रशासनिक दृष्टिकोण से अस्थायी रूप से अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। उन्हें प्रभारी मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एवं अचानकमर टाइगर रिजर्व, बिलासपुर के क्षेत्र संचालक के साथ-साथ छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम लिमिटेड, बिलासपुर में क्षेत्रीय महाप्रबंधक का दायित्व दिया गया है। वहीं, प्रियंका पांडेय को भी अस्थायी रूप से प्रभारी मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एवं अचानकमर टाइगर रिजर्व, बिलासपुर के क्षेत्र संचालक का दायित्व सौंपा गया है।

नेशनल सॉफ्ट टेनिस स्पर्धा में छग का जलवा

रायपुर 28 मार्च। अस्मिता नेशनल सॉफ्ट टेनिस छत्तीसगढ़ की टीम सेमीफाइनल पहुंची है। जिसमे छत्तीसगढ़ की टीम को कास्य पदत प्राप्त हुआ है। गुजरात अहमदाबाद मे 23 से 26 मार्च तक आयोजित नेशनल अस्मिता लीग सॉफ्ट टेनिस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ की टीम ने डबल्स मुकाबले मे उत्तरप्रदेश एवं मध्यप्रदेश को हराकर सेमी फाइनल में जगह बनाई उक्त प्रतियोगिता मे छत्तीसगढ़ से 15 खिलाडी भाग ले रहे है उनके नाम इस प्रकार है। रीमा राय, दिनेश्वरी तांडी, पूर्णिमा फरीकार, कल्पना साहू, चंचल सारथी, रिया सोनकर, यामिनी निषाद, रंजना चौहान, प्रेरणा फरीकार, संजना फरीकार, नंदनी साहू, बरसा रानी गौड़, अंजली सिंहा, समृद्धि विश्वकर्मा, विद्या साहू टीम के कोच दिलीप विश्वकर्मा, रवि धनगर एवं मैनेजर सांतना राय है। सिंगल्स एवं डबल्स मुकाबले मे हो रहे आयोजन मे छत्तीसगढ़ की लड़किया डबल्स मे चंचल और रंजना एवं रिया और यामिनी ने सेमी फाइनल मे एंट्री की अब उनका मुकाबला तमिलनाडु तथा कर्नाटका राज्य से होगा। इसी कड़ी मे फेडरेशन कप का आयोजन भी अहमदाबाद मे आयोजित हुआ जिसमे राज्य की महिला टीम ने क्वालीफाई किया है। फेडरेशन कप के मैच 24 से 26 मार्च आयोजित हुआ है जिसमे डबल्स मे टीम की चंचल और पूर्णिमा ने कांस्य पदक प्राप्त किया। छत्तीसगढ़ के इस सफलता पर संघ के अध्यक्ष अनिल पुसदकर , सचिव प्रमोद सिंह ठाकुर,अनिल राय, अनिल अग्रवाल,संजय शुक्ला, राजेश पाटिल, रूपेंद्र चौहान,राकेश प्रधान, उमेश ठाकुर, केशव राव ने बधाई दी उपरोक्त जानकारी सॉफ्ट टेनिस के सचिव प्रमोद सिंह ठाकुर ने दिया।

रवि जायसवाल ने स्पेन में लहराया परचम

रायपुर 28 मार्च। छत्तीसगढ़ – छत्तीसगढ़ के चिकित्सा क्षेत्र के लिए एक गर्व का क्षण सामने आया है। रायपुर स्थित रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल के प्रसिद्ध मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. रवि जायसवाल ने स्पेन के विश्व विख्यात 'बार्सिलोना क्लिनिक' में अपना प्रतिष्ठित क्लिनिकल ऑब्जर्वरशिप प्रोग्राम सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है।

इस विशेष प्रशिक्षण का मुख्य केंद्र न्यूरो-ऑन्कोलॉजी (मस्तिष्क के कैंसर का विज्ञान) और जटिल ब्रेन ट्यूमर का आधुनिक उपचार था। डॉ. जायसवाल ने इस दौरान कैंसर के 'पर्सनलाइज्ड ट्रीटमेंट' यानी व्यक्तिगत उपचार रणनीतियों पर विशेषज्ञता हासिल की। यह तकनीक पारंपरिक कीमोथेरेपी और रेडिएशन से कहीं आगे बढ़कर मॉलिक्यूलर प्रोफाइलिंग और टार्गेटेड थेरपीज़ पर आधारित है, जिससे मरीजों के बचने की संभावना और जीवन की गुणवत्ता में काफी सुधार होता है।

क्लिनिकल ट्रेनिंग के साथ-साथ डॉ. जायसवाल को एक विशेष व्याख्यान के लिए मंच पर भी आमंत्रित किया गया। उन्होंने 'मध्यम आय वाले देशों में ब्रेन ट्यूमर उपचार की वर्तमान स्थिति' विषय पर अपनी बात रखी।

उपचार का अंतरः पश्चिमी देशों और भारत जैसे विकासशील क्षेत्रों के बीच जीवित रहने की दर (सर्वाइवल रेट) और तकनीक के फासले को पाटना। सुविधाओं तक पहुंचः आम मरीजों तक नवीनतम एफ्डीए-अनुमोदित दवाओं को पहुँचाने की व्यावहारिक रणनीतियां।

क्लीनिकल ट्रायलः वैश्विक स्तर के क्लीनिकल ट्रायल्स को रायपुर जैसे टियर-2 शहरों में लाने की आवश्यकता, ताकि स्थानीय

मरीजों को भविष्य की आधुनिकतम दवाएं आज ही मिल सकें।

रायपुर में अब मिलेगा वैश्विक स्तर का इलाज

अपनी इस उपलब्धि पर डॉ. रवि जायसवाल ने कहा, ÷हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि रायपुर के हर मरीज को वही मानक उपचार मिले जो बार्सिलोना या न्यूयॉर्क में मिलता है। पर्सनलाइज्ड मेडिसिन के जरिए हम 'एक ही दवा सबके लिए' वाले ढर्रे को छोड़कर ट्यूमर की विशिष्ट आनुवंशिक संरचना (जेनेटिक मेकअप) के आधार पर इलाज कर सकते हैं।

रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल के प्रबंधन और स्टाफ ने डॉ. जायसवाल की इस अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि पर उन्हें हार्दिक बधाई दी है। उनकी वापसी छत्तीसगढ़ में न्यूरो-ऑन्कोलॉजी के एक नए युग की शुरुआत मानी जा रही है।

बायोमेडिकल वेस्ट के निस्तारण को प्रभावी बनाने मंथन

रायपुर 28 मार्च। बायोमेडिकल वेस्ट के सुरक्षित एवं वैज्ञानिक निस्तारण की व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने तथा वर्ष 2025-26 के लिए शुल्क दरों के पुनर्निर्धारण के संबंध में कल संभागायुक्त महादेव कावरे की अध्यक्षता में संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में बायोमेडिकल वेस्ट प्रबंधन की वर्तमान व्यवस्था, शुल्क दरों, पंजीयन प्रक्रिया, एनओसी सरलीकरण तथा अस्पतालों एवं क्लीनिकों से निकलने वाले वेस्ट के निस्तारण से संबंधित विभिन्न व्यावहारिक समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की गई। अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2022 से अस्पतालों से प्रति बेड के आधार पर शुल्क लिया जा रहा है, जिसमें प्रतिवर्ष 7.5 प्रतिशत की वृद्धि की जा रही है। रायपुर संभाग में लगभग 1600 अस्पताल एवं क्लीनिक संचालित हैं, जिनका बायोमेडिकल वेस्ट सिलतरा स्थित यूनिट में वैज्ञानिक तरीके से निस्तारित किया जाता है। बैठक के दौरान ब्रूरू के राज्य अध्यक्ष डॉ. अनूप वर्मा द्वारा शुल्क निर्धारण एवं प्रबंधन व्यवस्था में सुधार के लिए लिखित सुझाव प्रस्तुत किए गए। इसके साथ ही विभिन्न जिलों के कलेक्टरों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं सीएमएचओ द्वारा स्थानीय स्तर की समस्याओं एवं उनके समाधान पर अपने सुझाव साझा किए गए। प्रमुख सुझावों में प्रति बेड के स्थान पर बायोमेडिकल वेस्ट के वास्तविक वजन के आधार पर शुल्क निर्धारण, एनओसी प्रक्रिया का सरलीकरण, दूरस्थ क्षेत्रों के अस्पतालों एवं क्लीनिकों का शीघ्र पंजीयन सुनिश्चित करना तथा ऐसे संस्थानों को व्यवस्था से पृथक करना शामिल रहा।

पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज कटौती से जनता को बड़ी राहत: कैट

रायपुर 28 मार्च। देश के सबसे बड़े व्यापारी संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के सदस्य श्री अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन श्री जितेंद्र दोशी, श्री विक्रम सिंहदेव, अध्यक्ष श्री परमानंद जैन, महामंत्री श्री सुरिन्दर सिंह, कोषाध्यक्ष श्री अजय अग्रवाल, कार्यकारी अध्यक्ष श्री राजेंद्र जग्गी, श्री राम मंधान, श्री वासु मखीजा, श्री भरत जैन, श्री राकेश ओचवानी, श्री शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल और डीजल पर विशेष एक्साइज ड्यूटी में की गई महत्वपूर्ण कटौती का स्वागत करते हुए इसे अंतर्राष्ट्रीय संकट के समय देश की जनता के हित में एक अत्यंत सराहनीय कदम बताया है।

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के सदस्य श्री अमर पारवानी ने कहा कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि के बीच केंद्र सरकार का यह निर्णय आम जनता को राहत देने तथा आर्थिक स्थिरता बनाए रखने की दिशा में एक ठोस और दूरदर्शी पहल है। सरकार द्वारा पेट्रोल पर विशेष एक्साइज ड्यूटी को ?13 से घटाकर ?3 प्रति लीटर तथा डीजल पर ?10 से घटाकर शून्य कर दिया जाना न केवल उपभोक्ताओं के लिए राहतकारी है, बल्कि इससे परिवहन एवं लॉजिस्टिक क्षेत्र को भी बड़ी मजबूती मिलेगी। श्री पारवानी ने विशेष रूप से कहा कि इस निर्णय का सबसे बड़ा सकारात्मक प्रभाव लॉजिस्टिक लागत पर पड़ेगा।

मुलाकात — 11 सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्य सचिव विकासशील से भेंट

फेडरेशन की मांगों का मुख्य सचिव ने दिया निराकरण का आश्वासन

रायपुर 28 मार्च। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश के कर्मचारियों की 11 सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्य सचिव विकासशील से भेंट की। इस अवसर पर फेडरेशन ने अपनी मांगों को विस्तार से मुख्य सचिव के समक्ष प्रस्तुत किया। इस पर मुख्य सचिव ने कहा कि सरकार कर्मचारियों की जायज़ मांगों एवं समस्याओं के समाधान के लिए गंभीर है। उन्होंने आश्वस्त किया कि कर्मचारी हितों को ध्यान में रखते हुए शीघ्र ही ठोस एवं सकारात्मक निर्णय लिए जाएंगे।

प्रांतीय संयोजक कमल वर्मा ने डीए एरियर्स की राशि को जीपीएफ खाते में समायोजित करने, 300 दिवस अर्जित अवकाश के नगदीकरण, चार स्तरीय समयमान वेतनमान, लिपिकों, शिक्षकों, स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास तथा अन्य संवर्गों की वेतन विसंगतियों,शिक्षकों की प्रथम नियुक्ति से सेवा गणना जैसे विभिन्न ज्वलंत

मुद्दों के समाधान हेतु विशेष पहल करने का अनुरोध किया। एक अन्य मांग पत्र सौंपते हुए उन्होंने बताया कि विगत सात वर्षों से राज्य स्तरीय परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित नहीं होने से कर्मचारी संगठनों में नाराजगी है। इस पर मुख्य सचिव ने शीघ्र बैठक आयोजित कराने का आश्वासन दिया।

उन्होंने प्रदेश में आधार आधारित उपस्थिति प्रणाली के क्रियान्वयन में आ रही तकनीकी समस्याओं से भी मुख्य सचिव को अवगत कराया गया। मुख्य सचिव ने कहा कि इस व्यवस्था के क्रियान्वयन हेतु अधिकारियों को नियम विरुद्ध दबाव नहीं बनाया जाना चाहिए। शासकीय सेवकों को स्वेच्छा से सहयोग करना चाहिए, ताकि शासन की छवि और बेहतर बन सके। फेडरेशन द्वारा विभागों में सक्षम अधिकारियों की उपलब्धता के बावजूद महत्वपूर्ण पदों पर सेवानिवृत्त अधिकारियों को दी जा रही संविदा नियुक्तियों के संबंध में सुझाव दिए गए, जिन पर मुख्य सचिव ने सहमति व्यक्त की तथा रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ करने का आश्वासन दिया।

मुख्य सचिव को पेंशनरों की समस्याओं से भी अवगत कराया गया। फेडरेशन ने पेंशनरों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा प्रदान करने तथा लंबित 3 प्रतिशत महंगाई राहत प्रदान करने की मांग रखी। मध्यप्रदेश पुनर्गठन अधिनियम 2000 के संदर्भ में यह भी अवगत कराया गया कि महंगाई राहत आदेश जारी करने हेतु पूर्व सहमति आवश्यक नहीं है। झारखंड एवं उत्तराखंड की भांति प्रदेश के पेंशनरों को भी राहत देने की मांग की गई। इस पर मुख्य सचिव ने त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

श्रीराम की शोभायात्रा निकाली गई

रायपुर 28 मार्च। राम नवमी के पावन अवसर पर नगर पंचायत बेरला एवं कुसमी में भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में भव्य, आकर्षक एवं विशाल शोभायात्रा का आयोजन में शामिल हुए सर्व हिंदू सनातन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं भाजपा किसान नेता बेमेतरा योगेश तिवारी इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन में श्रद्धालुओं के साथ पूरे उत्साह एवं श्रद्धा भाव से शोभायात्रा में सहभागिता की। नगर पंचायत बेरला में श्री राम जन्मोत्सव समिति, सोनी पारा एवं समस्त नगरवासियों के सहयोग से भव्य श्रीराम शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें विभिन्न झांकियों के माध्यम से भगवान श्रीराम के जीवन प्रसंगों का जीवंत चित्रण प्रस्तुत किया गया। वहीं नगर पंचायत कुसमी में श्रीराम सेना सनातन परिवार रखाल्ह पारा द्वारा अभिषेक साहू के नेतृत्व में विशाल शोभायात्रा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सर्व हिंदू सनातन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं भाजपा किसान नेता बेमेतरा योगेश तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि आज प्रभु श्रीराम की भव्य शोभायात्रा निकलना पूरे क्षेत्र के

लिए अत्यंत गर्व, श्रद्धा और उत्साह का विषय है। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन हमारी आस्था, संस्कृति और परंपराओं को जीवंत बनाए रखते हैं तथा समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम हम सभी हिंदुओं को एकजुट करने का कार्य करते हैं और समाज में एकता, भाईचारा एवं समरसता को और अधिक सुदृढ़ बनाते हैं।

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26